शुक्रवार, 3 जनवरी 2025

मौसम

तापमान	27 – 12
आर्द्रता	54%
सूर्योदय: 6:17	सूर्यास्त: 17:05

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, पौष शुक्लपक्ष चतुर्थी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : ठंड और घमंड दोनों परिस्थितियों में इंसान अकड़ जाता है।

रोहित पर गिर सकती है गाज, मुख्य कोच गंभीर ने कप्तान की अंतिम एकादश में जगह की नहीं की पुष्टि -पृष्ठ 8

बंगाल को अस्थिर करने के लिए बीएसएफ करा रही है घुसपैठ : ममता

मुख्यमंत्री ने बीएसएफ पर लगाया बड़ा आरोप

मुख्यमंत्री ने गुंडों को प्रवेश देकर बंगाल को अस्थिर करने के लिए केंद्र की साजिश बताया

कोलकाता, समाज्ञा : पड़ोसी देश में मचे उथल-पुथल के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए बांग्लादेश से घुसपैठियों व आतंकियों को भारत में घुसने देने और राज्य को अस्थिर करने का प्रयास करने का बड़ा आरोप लगाया। ममता ने कहा कि बीएसएफ के इस रवैये के पीछे केंद्र सरकार की साजिश है। राज्य सचिवालय नवान्न में प्रशासनिक समीक्षा बैठक में ममता ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि बीएसएफ बंगाल के इस्लामपुर, सिताई, चोपड़ा और कई अन्य सीमावर्ती इलाकों से घुसपैठियों को बंगाल में घुसपैठ की इजाजत दे रही है। उन्होंने बीएसएफ पर सीमावर्ती लोगों व महिलाओं पर अत्याचार करने का भी आरोप लगाया। ममता ने कहा कि गुंडे सीमा के जरिए भारत में घुस रहे हैं। वो लोग यहां अपराध करते हैं और सीमा पार करके वापस भी चले जाते हैं। ऐसा बीएसएफ के कारण हो रहा है। इसके पीछे केंद्र का एक ब्लूप्रिंट है, जो बंगाल को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ व केंद्र घुसपैठ के लिए टीएमसी सरकार को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि टीएमसी सीमाओं की रक्षा नहीं कर रही है। सीमा हमारे हाथ में नहीं है। घुसपैठ रोकने की जिम्मेदारी बीएसएफ की है। मैं सीमा के दोनों तरफ शांति चाहती हूं। पड़ोसी बांग्लादेश के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं। ममता ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार को यह पता लगाने का निर्देश दिया कि बीएसएफ द्वारा किन इलाकों से घुसपैठ कराई जा रही है और राज्य के प्रवेश करने के बाद ये घुसपैठिये कहां रह रहे हैं। साथ ही, ममता ने कहा कि पुलिस के पास सारी जानकारी है। केंद्र के पास भी है। मुझे स्थानीय स्रोतों से जानकारी मिली है। मैं इस संबंध में केंद्र को एक कड़ा पत्र लिखूंगी।

'पुलिस बल में किसी भी लॉबी को बर्दाश्त नहीं करूंगी', मुख्यमंत्री ने दी सख्त चेतावनी

ममता ने बैठक के दौरान सख्त लहजे में कहा कि वह पुलिस बल में किसी भी तरह की लॉबी को बर्दाश्त नहीं करेंगी। मुख्यमंत्री के अनुसार, पुलिस में लॉबीबाजी बंद होनी चाहिए। कोई पैरवी नहीं होनी चाहिए। ऐसे कई ईमानदार पुलिस अधिकारी हैं जो कड़ी मेहनत करते हैं। ईमानदार अधिकारियों के साथ नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री की बातों से साफ है कि उनके निशाने पर पुलिस के भीतर की लाबी है। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान कई जिलों के एसपी की भूमिका को लेकर भी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें कड़ी फटकार लगाई।

ममता ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का दिया निर्देश

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य के बाहर के भवन निर्माता फ्लैट बनाने के लिए सरकारी भूमि का अतिक्रमण कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे अवैध निर्माणों को मंजूरी देने वाले अधिकारियों की आलोचना की। राज्य सचिवालय में प्रशासनिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए ममता ने पुलिस को निर्देश दिया कि वह कानून के अनुसार ऐसे सभी भवन निर्माताओं को गिरफ्तार करे और कुछ मामलों में, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरह उनकी संपत्तियां कुर्क करे। उन्होंने ऐसे फ्लैटों में वर्षों से रह रहे लोगों पर जुर्माना लगाने के लिए नीति बनाने का प्रस्ताव रखा। ममता ने कहा कि मैं राज्य सरकार के विभागों जैसे पंचायत, वन और शहरी मामलों के विभागों के स्वामित्व वाली भूमि पर अवैध कब्जे के बारे में बात कर रही हूं। मैं आगे और अतिक्रमण नहीं चाहती। अपराधी बाहर से आते हैं, अवैध रूप से फ्लैट बनाते हैं और फिर चले जाते हैं। उन्हें जहां से भी हो सके, गिरफ्तार करें और 100 प्रतिशत जुर्माना लगाएं। उनकी संपत्ति को उसी तरह से जब्त करें, जैसे ईडी और सीबीआई करती है। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक पार्टी के नेता को हस्तक्षेप की अनुमति न दें। जिन लोगों ने अनुमति दी है, उन सभी को काली सूची में डालें। अगर मैंने कोई अनुमति दी है, तो मुझे भी काली सूची में डालें।

मुख्यमंत्री परिवहन मंत्री पर जताई नाराजगी

मुख्यमंत्री ने परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती से सार्वजनिक बसों के फेरे बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग चुप्पी साधे हुए है। क्या आपने कभी कोई औचक निरीक्षण किया है? क्या आपने बसों के फेरों पर नजर डाली? कोलकाता में घूमिए और बसों के फेरे पर ध्यान दीजिए। शहर के आसपास के स्थानों पर जाइए, खासकर अस्पतालों और आईटी क्षेत्र के दफ्तरों के सामने। ममता ने पुलिस को तेज गति से वाहन चलाने वाले चालकों पर नजर रखने और राष्ट्रीय राजमार्गों की तरह गति नियंत्रण प्रणाली लागू करने का भी निर्देश दिया।

'प्राथमिक शिक्षा में सेमेस्टर नहीं होगा', मुख्यमंत्री ने किया निर्णय रद्द

राज्य में प्राथमिक शिक्षा के लिए प्रस्तावित सेमेस्टर पद्धति को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खारिज कर दिया है। गुरुवार को नवान्न में हुई प्रशासनिक बैठक में मुख्यमंत्री ने इस निर्णय पर नाराजगी जताई और शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु को सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह माध्यमिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष गौतम पाल ने प्राथमिक शिक्षा में 'क्रेडिट बेस्ड सेमेस्टर सिस्टम' लागू करने की घोषणा की थी। योजना के तहत, 2025 शैक्षणिक वर्ष से पहली से पांचवीं कक्षा तक के छात्रों का मूल्यांकन नई पद्धति से किया जाना था। लेकिन, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बिना सरकार के शीर्ष अधिकारियों की अनुमति के ऐसे निर्णय लेने पर आपत्ति जताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं छात्रों पर अतिरिक्त बोझ नहीं डालना चाहती। छोटे बच्चे अभी ट्विंकल ट्विंकल लिटिल स्टार सीख रहे हैं और उनसे सेमेस्टर के लिए कह रहे हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में किसी भी नीतिगत निर्णय के लिए पहले उनसे अनुमति लेनी होगी। बैठक में मुख्यमंत्री ने शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु से पूछा कि यह घोषणा बिना मंजूरी के कैसे हुई। जब मंत्री ने कहा कि यह मुख्य सचिव को प्रस्तुत किया गया था और अंतिम अनुमति के बिना इसे लागू नहीं किया जाएगा, तो मुख्यमंत्री और नाराज हो गईं। उन्होंने कहा कि अनुमति नहीं मिली तो खबर छपी कैसे?मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉलेज और विश्वविद्यालयों में सेमेस्टर पद्धति ठीक है क्योंकि वहां के छात्र इसके अभ्यस्त हैं। लेकिन प्राथमिक स्कूलों में यह संभव नहीं।

शेयर बाजार में दो दिन की तेजी से निवेशकों की संपत्ति 8.52 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

नयी दिल्ली : शेयर बाजार में दो दिन की तेजी से निवेशकों की संपत्ति 8.52 लाख करोड़ रुपये बढ़ गयी। बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को ही करीब दो प्रतिशत की तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,436.30 अंक यानी 1.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 79,943.71 अंक पर बंद हुआ। यह एक महीने से अधिक समय में एक दिन की सबसे बड़ी तेजी है। कारोबार के दौरान, यह 1,525.46 अंक तक चढ़ गया था। सेंसेक्स बुधवार को 368.40 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,507.41 अंक पर बंद हुआ था। इस दो दिन की तेजी के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 8,52,239.27 करोड़ रुपये बढ़कर 4,50,47,345.71 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

यूपीआई के जरिये लेनदेन दिसंबर में आठ प्रतिशत बढ़कर 16.73 अरब पर

नयी दिल्ली : यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) के माध्यम से लेनदेन की संख्या दिसंबर में मासिक आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 16.73 अरब तक पहुंच गई। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। नवंबर में यूपीआई लेनदेन की संख्या 15.48 अरब थी। एनपीसीआई ने कहा कि लेनदेन का मूल्य दिसंबर, 2024 में 23.25 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि नवंबर में यह 21.55 लाख करोड़ रुपये था। दिसंबर के दौरान औसत दैनिक लेनदेन संख्या 53.97 करोड़ रही, जो नवंबर में 51.1 करोड़ थी। मूल्य के संदर्भ में, दिसंबर में औसत दैनिक लेनदेन 74,990 करोड़ रुपये रहा। वहीं नवंबर में यह 71,840 करोड़ रुपये था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय बैंक संघ की पहल एनपीसीआई भारत में खुदरा भुगतान और निपटान प्रणाली के संचालन के लिए प्रमुख इकाई है।

देश में रोजगार पिछले 10 साल में 36 प्रतिशत बढ़कर 64.33 करोड़

नयी दिल्ली : केंद्रीय श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में रोजगार पिछले 10 साल में 36 प्रतिशत बढ़कर 2023-24 में 64.33 करोड़ रहा है। जबकि 2014-15 में यह 47.15 करोड़ था। यह राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) सरकार के कार्यकाल के दौरान रोजगार सृजन की स्थिति में सुधार को दर्शाता है। मंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) सरकार के तहत 2004 से 2014 के बीच रोजगार में लगभग सात प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। उन्होंने कहा कि संप्रग सरकार के दौरान 2004 से 2014 के बीच सिर्फ 2.9 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हुईं, जबकि नरेन्द्र मोदी सरकार के तहत 2014-24 के बीच 17.19 करोड़ नौकरियां जोड़ी गईं। मंत्री ने कहा कि केवल पिछले एक साल (2023-24) में, देश में लगभग 4.6 करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं। देश में रोजगार सृजन को लेकर सरकार पर दबाव के बीच यह आंकड़ा महत्वपूर्ण है। मांडविया ने कृषि क्षेत्र के बारे में कहा कि संप्रग कार्यकाल के दौरान 2004 से 2014 के बीच रोजगार में 16 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि राजग कार्यकाल के तहत 2014 से 2023 के बीच इसमें 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी तरह, संप्रग कार्यकाल में 2004 से 2014 के बीच विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सिर्फ छह प्रतिशत बढ़ा, जबकि राजग कार्यकाल में 2014-2023 के बीच इसमें 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि संप्रग कार्यकाल के दौरान 2004 से 2014 के बीच सेवा क्षेत्र में रोजगार 25 प्रतिशत बढ़ा, जबकि मोदी कार्यकाल के दौरान 2014 से 2023 के बीच इसमें 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने अजमेर दरगाह के लिए चादर भेजी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 'उर्स' के मौके पर लोगों को मुबारकबाद दी। उन्होंने केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू को एक 'चादर' भी सौंपी, जिसे उनकी तरफ से अजमेर में सूफी संत की प्रसिद्ध दरगाह पर चढ़ाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के उर्स के अवसर पर मुबारकबाद। यह अवसर सभी के जीवन में खुशहाली और शांति लाए। वहीं, रिजिजू ने 'एक्स' पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें मोदी उन्हें एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दिकी को अजमेर दरगाह के लिए चादर देते नजर आ रहे हैं। रिजिजू ने लिखा, यह भाव भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत और सद्भाव एवं करुणा के स्थायी संदेश के लिए उनके (मोदी) गहरे सम्मान को दर्शाता है। सूफी संत की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में अजमेर में उनकी दरगाह पर हर साल उर्स आयोजित किया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी अजमेर दरगाह के लिए हर साल चादर भेजते रहे हैं। हाल में एक हिंदू संगठन ने सूफी दरगाह के नीचे एक मंदिर होने का दावा करते हुए अदालत का रुख किया था, जिससे विवाद खड़ा हो गया था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने देश के विभिन्न हिस्सों में दायर ऐसी याचिकाओं पर किसी भी अदालती कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

अनुच्छेद-370 ने कश्मीर में अलगाववाद के बीज बोये, मोदी सरकार ने आतंकवाद का खात्मा किया : शाह

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि अनुच्छेद-370 ने कश्मीर के युवाओं के मन में अलगाववाद के बीज बोये और नरेन्द्र मोदी सरकार ने घाटी में न केवल आतंकवाद का, बल्कि आतंकवाद के पूरे ढांचे का भी खात्मा कर दिया। शाह ने कहा कि अनुच्छेद-370 और अनुच्छेद-35ए, दोनों को पांच अगस्त, 2019 को निरस्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि ये दोनों कश्मीर के भारत में पूर्ण एकीकरण के रास्ते में प्रमुख बाधाएं थीं। कश्मीर के शेष भारत के साथ संबंधों का जिक्र करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जो भू-सांस्कृतिक है और जिसकी सीमाएं उसकी संस्कृति से बनती हैं। शाह ने यहां 'जम्मू एंड कश्मीर एंड लद्दाख : थ्रू द एजेस' नामक पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि भारत को केवल भारतीय परिप्रेक्ष्य से ही समझा जा सकता है, भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य से नहीं। उन्होंने कहा कि 'सिल्क रूट' से लेकर मध्य एशिया तक और शंकराचार्य मंदिर से लेकर हेमिस मठ तक; तथा व्यापार से लेकर अध्यात्म तक, दोनों का मजबूत आधार कश्मीर की संस्कृति में मौजूद है। शाह ने कहा कि अनुच्छेद-370 ने यह गलत धारणा दी कि कश्मीर का भारत के साथ एकीकरण अस्थायी है। उन्होंने कहा, "कई लोग मुझसे अक्सर पूछते हैं कि अनुच्छेद-370 और आतंकवाद के बीच क्या संबंध है। वे नहीं जानते कि अनुच्छेद-370 ने घाटी के युवाओं के मन में अलगाववाद के बीज बोए थे।" शाह ने कहा, "देश के कई अन्य हिस्सों में मुस्लिम आबादी है। वे क्षेत्र आतंकवाद से प्रभावित क्यों नहीं हैं?" गृहमंत्री ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि कश्मीर पाकिस्तान की सीमा के करीब है, इसलिए यहां समस्या आई। उन्होंने सवाल किया, लेकिन गुजरात भी पाकिस्तान की सीमा के करीब है। राजस्थान भी पाकिस्तान की सीमा के करीब है।

एक हजार करोड़ की साइबर धोखाधड़ी मामले में ईडी ने राज्य में 8 जगहों पर की छापेमारी

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल में ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गुरुवार की सुबह कई स्थानों पर शुरू हुई छापेमारी की कार्यवाही शाम तक जारी थी। पता चला है कि चेन्नई में दर्ज एक शिकायत के आधार पर यह छापेमारी की जा रही है, जिसमें हजार करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप है। सूत्रों के अनुसार, जांच में पता चला कि इस धोखाधड़ी के रैकेट का जाल पूर्वी भारत के कई राज्यों, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में फैला हुआ है। इसी के चलते ईडी ने यह छापेमारी शुरू की। इस समय राज्य के 8 स्थानों पर छानबीन की जा रही है, जिनमें 5 कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में है। छापेमारी के दौरान ईडी की टीमें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों की सुरक्षा में हैं। कार्रवाई की शुरुआत साल्टलेक में स्थित गैरेज से हुई, जहां कथित तौर पर धोखाधड़ी का संचालन होता था। वहां से ईडी ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया और रघुनाथपुर के एक पॉश हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में व्यवसायी सदानंद झा के फ्लैट पर छापेमारी की। जांच में खुलासा हुआ कि हाल ही में कोलकाता पुलिस ने 60 लाख रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में तन्मय पॉल नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। जांच में पता चला कि पॉल एक राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय रैकेट का हिस्सा था और उसने करीब 300 लोगों को ठगकर 60 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की। ईडी ने इस मामले की जांच शुरू करते हुए गुरुवार को यह छापेमारी की।

बांग्लादेश की अदालत ने चिन्मय कृष्ण दास को जमानत देने से किया इनकार

ढाका : बांग्लादेश की एक अदालत ने हिंदू संत और इस्कॉन से जुड़े रहे चिन्मय कृष्ण दास को देशद्रोह के मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया। संत की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान उनकी ओर से 11 वकीलों का एक समूह मौजूद था। चिन्मय कृष्ण दास डिजिटल तौर पर अदालत की कार्यवाही में शामिल हुए। अदालत के एक अधिकारी ने कहा, "सुनवाई करीब 30 मिनट तक जारी रही, (मेट्रोपोलिटन सत्र) न्यायाधीश मोहम्मद सैफुल इस्लाम ने अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष के वकीलों की दलीलें सुनीं और फिर उनकी (दास की) जमानत याचिका खारिज कर दी।" दास पहले इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) से जुड़े थे और अब बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जागरण जोत संगठन के प्रवक्ता हैं। उन्हें 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। उन्हें चटगांव लाया गया जहां अदालत ने अगले दिन उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए जेल भेज दिया। दास को बांग्लादेश के झंडे का कथित रूप से 'अपमान' करने के लिए राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बचाव पक्ष के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने पत्रकारों से कहा, " राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप निराधार है क्योंकि वह राष्ट्रीय ध्वज नहीं था। हमने अदालत से कहा कि यह मामला सुनवाई योग्य नहीं है।" दूसरी ओर सरकारी वकील मोफीजुल हक भुइयां ने कहा, " हमने सुनवाई के दौरान जमानत का विरोध किया और अदालत ने जमानत याचिका खारिज कर दी है।" पूर्व उप अटार्नी जनरल भट्टाचार्य, दास की ओर से उच्चतम न्यायालय के 11 वकीलों के दल का नेतृत्व कर रहे थे। पुलिस ने अदालत परिसर के अंदर और आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की और वकीलों तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों की पहचान जांच के बाद ही उन्हें अंदर जाने दिया। जब 26 नवंबर को दास की जमानत खारिज कर दी गई थी तो इस फैसले से हिंदू समुदाय के लोग नाराज हो गए थे और उन्होंने अदालत के बाहर जेल वैन के चारों ओर विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके कारण हिंसक झड़पें हुईं। इसके परिणामस्वरूप वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की मौत हो गई थी।

उपासना स्थल कानून को चुनौती

'भोजशाला' सर्वेक्षण के खिलाफ याचिका पर भी सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह 1991 के उपासना स्थल कानून के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई के अलावा मध्य प्रदेश में मध्यकालीन युग की भोजशाला के सर्वेक्षण के आदेश के खिलाफ याचिका की सुनवाई करेगा, जिस पर दो समुदायों के लोग दावा करते हैं। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी की पीठ ने कहा कि यह मुद्दा शीर्ष अदालत के 12 दिसंबर के आदेश के अंतर्गत आता प्रतीत होता है, जिसमें देश की अदालतों को नये मुकदमों पर विचार करने और धार्मिक ढांचों पर विवादित दावों पर आदेश पारित करने से रोक दिया गया है। पीठ ने रजिस्ट्री को भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना से निर्देश लेने का निर्देश दिया और मामले को लंबित याचिकाओं के साथ संलग्न कर दिया। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि भोजशाला का मुद्दा 12 दिसंबर के आदेश के अंतर्गत नहीं आएगा क्योंकि इसका संरक्षण और रखरखाव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया जाता है। पीठ ने कहा कि वह इस मामले को केवल लंबित याचिकाओं के आधार पर निर्णय के लिए संलग्न कर रही है, लेकिन यदि किसी पक्ष को कोई शिकायत है, तो वह सबसे पहले उस स्थल पर उत्खनन का आरोप लगाते हुए दायर की गयी अवमानना याचिका पर विचार करेगी। न्यायालय ने 1 अप्रैल, 2024 को इस पर (उत्खनन पर) रोक लगा दी थी, और कहा था कि कोई भी भौतिक उत्खनन, जिससे इसका स्वरूप बदल सकता है, नहीं किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने 12 दिसंबर को अगले निर्देश तक देश की अदालतों पर नए मुकदमों पर विचार करने और धार्मिक स्थलों, विशेषकर मस्जिदों और दरगाहों को पुनः प्राप्त करने के लिए लंबित मामलों में कोई भी प्रभावी अंतरिम या अंतिम आदेश पारित करने पर रोक लगा दी थी। शीर्ष अदालत ने उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के विभिन्न प्रावधानों को चुनौती देने वाली लगभग छह याचिकाओं पर यह आदेश पारित किया।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

भारत और बांग्लादेश एक-दूसरे के मछुआरों को रिहा करेंगे

नयी दिल्ली : भारत और बांग्लादेश ने द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वे एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद मछुआरों को उनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। बांग्लादेश द्वारा यह कहे जाने के कुछ ही समय बाद कि वह पांच जनवरी को 95 भारतीय मछुआरों को भारतीय अधिकारियों को सौंप देगा, भारत ने कहा कि वह उसी दिन 90 बांग्लादेशी मछुआरों को रिहा कर देगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों के मछुआरा समुदायों की मानवीय और आजीविका संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए मछुआरों और उनकी नावों को छोड़ने का फैसला लिया गया है।

किसानों की उचित मांगों पर विचार क्यों नहीं कर सकता केंद्र : न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को केंद्र से पूछा कि वह यह क्यों नहीं कह सकता कि उसके दरवाजे खुले हैं और वह फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों की उचित शिकायतों पर विचार करेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने इसके अलावा केंद्र से किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की ओर से दायर नयी याचिका पर जवाब देने को कहा, जिसमें कृषि कानूनों को निरस्त किए जाने के बाद 2021 में प्रदर्शनकारी किसानों को फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी सहित अन्य मांगों के कार्यान्वयन के लिए केंद्र सरकार को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की पीठ ने पूछा, आपका मुवक्किल यह बयान क्यों नहीं दे सकता कि वह वास्तविक मांगों पर विचार करेगा और हम किसानों की शिकायतों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, हमारे दरवाजे खुले हैं? केंद्र सरकार बयान क्यों नहीं दे सकती? इस पर मेहता ने कहा, शायद न्यायालय को विभिन्न कारकों की जानकारी नहीं है, इसलिए अभी हम खुद को एक व्यक्ति के स्वास्थ्य के मुद्दे तक सीमित रख रहे हैं। केंद्र सरकार प्रत्येक किसान के प्रति चिंतित है। डल्लेवाल की ओर से नयी याचिका दायर करने वाली याचिकाकर्ता गुनिंदर कौर गिल से कहा गया कि वे टकराव वाला रुख न अपनाएं, क्योंकि अदालत ने ऐसे विभिन्न मुद्दों से निपटने के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की है। पीठ ने कहा, आप प्रस्ताव के अनुपालन के लिए कह रही हैं। हम प्रस्ताव के अनुपालन के लिए कैसे निर्देश दे सकते हैं? आपको रिकॉर्ड पर कुछ और लाना होगा। हम इस पर नोटिस जारी कर रहे हैं। लेकिन कुछ सोचिए। टकराव की ओर न बढ़ें... कृपया टकराव के बारे में न सोचें। गिल ने कहा कि यह मुद्दा 2021 में हल हो गया था, जब गारंटी के लिए एक प्रस्ताव अपनाया गया था। उन्होंने कहा, मामला पहले ही गारंटी में सुलझ चुका था। प्रस्ताव की आखिरी दो-तीन पंक्तियों से यह स्पष्ट हो जाता है कि यह केंद्र सरकार की ओर से गारंटी थी... यह एक प्रतिबद्धता और वादा था, जिसके आधार पर किसानों ने अपना आंदोलन वापस ले लिया। अब, वे (केंद्र) पीछे नहीं हट सकते।

जनसरोकारों की प्रतिबद्धताएं हों तय

यूं तो नया या पुराना साल एक समय चक्र मात्र है और देश के सामने समस्याएं व चुनौतियां हर दौर में रही हैं। लेकिन हम समय की एक इकाई में अपनी समस्याओं को दूर करने के लक्ष्य निर्धारित कर निराकरण का प्रयास करते हैं। कमोबेश वर्ष 2025 को लेकर भी यही स्थिति रहने वाली हैं। हालांकि महंगाई, बेरोजगारी तथा गरीबी सर्वकालिक व सर्वदेशीय समस्याएं रही हैं, फर्क है तो यही कि सत्ताधीश इन चुनौतियों का मुकाबला कैसे करते हैं। जैसे-जैसे बीता साल पूर्णता की ओर बढ़ रहा था, देश को लेकर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में कुछ सकारात्मक तो कुछ चिंता बढ़ाने वाली खबरें वातावरण में तैर रही थीं। हालांकि, बांग्लादेश का राजनीतिक घटनाक्रम व अल्पसंख्यकों पर ज्यादती की खबरें विचलित करने वाली थी। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बांग्लादेश में जिस सत्ताधीश के विरोध में सत्ता पलट हुआ,उस सत्ता की सूत्रधार को भारत ने शरण दी। दरअसल, भारतीय उपमहाद्वीप के देशों में तार्किक के बजाय भावनात्मक मुद्दे राजनीतिक विमर्श पर हावी रहे हैं। हालांकि, अच्छी बात यह है कि दशकों से जारी एलएसी विवाद सिमटता नजर आया। जिससे चीन से बिगड़े रिश्ते पटरी पर आने की उम्मीद जगी। जिसके मूल में अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम भी है, लेकिन सुखद है कि एशिया की बड़ी महाशक्ति से संबंधों में सुधार आया। बाकी इस माह डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद भारत की विदेश नीति दशा-दिशा तय करती नजर आएगी। जहां तक देश के घरेलू मोर्चे का सवाल है तो आर्थिक सुस्ती सत्ताधीशों की चिंताओं का विषय होनी चाहिए। वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में आर्थिक विकास दर 5.4 फीसदी रहना चिंता का सबब बनी, क्योंकि यह विकास दर पिछली सात तिमाहियों के सबसे निचले स्तर पर है। हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि बीता वर्ष आम चुनावों व कई बड़े राज्यों में चुनाव का साल था, जिसमें भारी मात्रा में अनुत्पादक सरकारी खर्च हुआ है। जो कहीं न कहीं देश की विकास दर को प्रभावित करता है।

बहरहाल, इसके बावजूद केंद्र सरकार विकास दर व मंदी की आहट को लेकर चिंतित नजर नहीं आती तो उसकी वजह है कि भारत की यह विकास दर भी दुनिया की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से अधिक है। आर्थिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि वर्ष 2024-25 की तीसरी व चौथी तिमाही में विकास दर के तेज रहने के आसार हैं। जैसा कि केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि आगामी वित्तीय वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर 6.6 फीसदी रहेगी। जिसके आधार पर विभिन्न रेटिंग एजेंसियां व आईएमएफ अनुमान लगा रहा है कि इस साल भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। लेकिन यह विचारणीय प्रश्न यह है कि कुलांचें भरते शेयर बाजार और बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल करते देश में एक आम आदमी के जीवन में धनात्मक वृद्धि नजर क्यों नहीं आ रही है? सवाल यह भी है कि यदि देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत होने के दावे किए जा रहे हैं तो क्या देश में गरीबी, कुपोषण, असमानता की समस्या खत्म हो रही है? क्या स्वास्थ्य सेवाओं में अपेक्षित सुधार हो रहा है? सवाल यह भी कि क्या पर्याप्त रोजगार के अभाव में होने वाला विकास तार्किकता की कसौटी पर खरा उतर रहा है? क्यों शहरी व ग्रामीण बेरोजगारी दर में इजाफा हो रहा है? आखिर क्यों राजनीतिक लाभ-हानि के गणित से परे संवेदनशील ढंग से बेरोजगारी की समस्या के समाधान के गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आते? जब हम यह कहते नहीं थकते कि देश दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश है तो क्या हम इन युवा हाथों को उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध करा पा रहे हैं? आखिर क्यों देश में युवाओं का तेजी से पलायन हो रहा है? क्यों वे छोटी-मोटी नौकरियों के लिये विदेश जाने की होड़ में लगे हैं? क्यों अपनी योग्यता से कम की नौकरी करने को मजबूर हैं? देश के नेताओं को गाल बजाने की बजाय आम आदमी को परेशान करने वाली कृत्रिम महंगाई, सामाजिक असुरक्षा तथा बेरोजगारी जैसे मुद्दों से निबटने के लिये दूरगामी नीतियों के क्रियान्वयन के प्रयास करने चाहिए।

आज का पंचांग

कोलकाता : 3 जनवरी, शुक्रवार, 2024, विक्रम सम्वत् 2081, पौष शुक्लपक्ष चतुर्थी, 23:38 तक, नक्षत्र : धनिष्ठा, 22:12 तक, योग : वज्र, 12:31 तक, सूर्योदय: 6:17, सूर्यास्त: 17:05 चन्द्रोदय : 08:59, चन्द्रास्त: 20:29, शक सम्वत: 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : धनु, चन्द्र राशि : मकर, राहू काल : 10:21 से 11:41

राशिफल

मेष : मेष राशि वालों के लिए लाभ का दिन है और आपके लिए सम्मान प्राप्ति के योग बने हैं। भाग्य साथ देगा और आपकी लगातार प्रगति होगी। आपके लिए कारोबार में लाभ के प्रबल योग बन रहे हैं।

वृष : वृष राशि के लोगों का मन नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सकून मिलेगा। कानूनी विवाद में सफलता, स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है।

मिथुन : मिथुन राशि के लोगों के लिए करियर में लाभ के योग हैं और आपका कोई बड़ा कार्य पूर्ण होने से आपका मन खुश रहेगा। जो काम आपको सबसे प्रिय है वही करने को मिलेगा।

कर्क : कर्क राशि के लोगों का भाग्य साथ देगा और आपका दिन काफी सफलता से भरा होगा। आप जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उस का फल उसी समय मिल सकता है।

सिंह : सिंह राशि के लोगों का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। आपकी योजनाएं सफल होंगी और कारोबार में सफलता प्राप्त होगी। धर्म आध्यात्म के मामले में आपका मन प्रसन्न होगा।

कन्या : कन्या राशि के लोगों को करियर में लाभ होगा और आपको सफलता प्राप्त होगी। आपसी वार्ता और व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें। आपको खुशी होगी और तरक्की के योग हैं।

तुला : तुला राशि के लोगों का दिन लाभकारक है और आपको सफलत प्राप्त होने से आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा। नए प्रॉजेक्ट भी आपके सभी समय से पूरे हो जाएंगे।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के लोगों को लाभ होगा और दिन आर्थिक मामलों में लाभ से भरा होगा। आपको दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अतः कार्यशील रहें।

धनु : धनु राशि के लोगों को लाभ होगा और आपका दिन सावधानी में बीतेगा। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ होने की आशा है।

मकर : मकर राशि के लोगों का दिन सामान्य है। साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा और आपको राहत होगी। रोजमर्रा के घरेलू काम को निपटाने का सुनहरा मौका है।

कुम्भ : आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बढ़िया रहने वाला है। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा।

मीन : आज का दिन आपके लिए समस्याएं लेकर आने वाला है। आपको अपने परिवार में किसी सदस्य से कोई वादा सोच समझकर करना होगा।

प्रकाशन की दुनिया में जिंदगी

डॉ.राम आह्लाद चौधरी
प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय

प्रकाशन की दुनिया में चर्चित दस उपन्यासों की चर्चा से यही साबित होता है कि जिंदगी वास्तविकता की अभिव्यक्ति है। लेखन की दुनिया व्यापक है, लेखन-जगत और उसकी छानबीन से पता चलता है कि हमारा समाज कितना आगे बढ़ रहा है। समाज के आगे बढ़ने का सीधा अर्थ है कि समाज की रचनात्मक-सृजनात्मक प्रगति कितनी हुई। प्रगति अपने-अपने ढंग से होती है। लेकिन इस प्रगति का विश्लेषण अत्यंत आवश्यक है। इसलिए कि विश्लेषण से ही पता चलता है कि सामाजिक स्थितियां कैसी हैं, इन स्थितियों को बदलने में रचनात्मक कृतियों की भूमिका सबसे अधिक है।

यदि इस दृष्टिकोण से विचार किया जाए, तो स्पष्ट होगा कि समाज की प्रगति-उन्नति को प्रभावित करने में किताबों की भूमिका शायद सबसे अधिक है। यही कारण है कि किताबों को छापने पर सबसे ज्यादा जोर दिया गया है।

प्रकाशन की दुनिया ने राजस्व को भी बढ़ाया है। राजस्व के बढ़ने के साथ-साथ विषयों के विस्तार ने मानव समाज को गति दी है। हर साल प्रकाशन के विषयों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया जाता है। बीते साल यानी 2024 में प्रकाशन को लेकर कई तरह का उतार-चढ़ाव देखा गया। विश्व स्तर पर 22 लाख किताबें प्रकाशित हुई हैं। इन 22 लाख किताबों को किस तरह पढ़ा जाए, इस विषय पर भी चर्चा की गई है।

प्रकाशन जगत ने यह भी बताया है कि विश्व स्तर पर प्रकाशन जगत में नया बदलाव आया है। इस बदलाव ने नये लेखकों के पुस्तकों को छापने पर जोर दिया यानी बीते साल नये लेखकों को सबसे ज्यादा छापा गया है। बीते साल यह भी देखा गया है कि दुनिया के अर्थशास्त्रियों ने गद्य विधा की उपलब्धि पर ध्यान दिया है। विश्वविख्यात अर्थशास्त्रियों ने खासकर उपन्यासों के विषयों पर गंभीरता से विचार किया है।

गद्य के विकास से संवाद स्थापित करने में सुविधा होती है, जहां समाज में कई तरह की दूरियां बढ़ी हैं, वहीं उपन्यासकारों ने जीवन की गुत्थियों को सुलझाने का प्रयास किया है। इस प्रयास के तहत यह देखा गया कि नये-नये विषयों को समाज में स्थापित करने के साथ-साथ गहराई से इस विषय पर बात की गयी है कि आखिर समाज में इतनी कट्टरता क्यों बढ़ रही है ? इस संदर्भ में अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इस दुनिया में यह देखा जाता है कि जो हिंसा से बाहर जाना जाता है, वही कट्टरता को फैलाने में मगन है।

एक ऐसी हवा बहने लगी है कि मूल समस्या का समाधान नहीं दिख रहा है। बेवजह की चीजों को प्रश्रय दिया जाता है। इस प्रश्रय के चलते आपाधापी बढ़ गई है। इस तरह के आपाधापियों के खिलाड़ियों को यह महसूस होने लगा है कि वे पहली बार अंतिम लड़ाई के लिए मैदान में उतर पड़े हैं, दरअसल उनमें किसी तरह का धैर्य नहीं दिखता है। यही कारण है कि जीतने के नाम पर उन्हें सिर्फ हार मिलती है। ऐसी हार के चलते इस तरह के खिलाड़ी मैदान से बाहर निकल जाते हैं। जबकि प्रकाशन की दुनिया यही बताती है कि मैदान से भगाओ नहीं...। किताब लोगों को जोड़ती है। लोगों को जोड़ने से प्रगति होती है और यह प्रगति पूरे समाज की प्रगति है। यह तभी संभव है, जब नयी समस्याओं की पड़ताल की जाए।

रचनाकार नयी समस्याओं की पड़ताल तभी करते हैं, जब वे अपने कालखंड को संबोधित करने में सक्षम हों। अपने कालखंड को सम्बोधित करना सही मायने में रचनात्मक प्रक्रिया से गुजरना है। यह काम वही कर सकते हैं, जिन्होंने इस समाज को रहने योग्य बनाने का संकल्प किया है। यह संकल्प सामाजिक दायित्व का द्योतक है।

हर विषम परिस्थिति में अपनी काबिलियत को बरकरार रखते हुए रचनात्मक दुनिया की उपलब्धियों को मानवता से जोड़ना एक उपन्यासकार की भूमिका होती है। इस भूमिका को निभाने में वर्तमान रचनात्मक दुनिया के उपन्यासकारों ने यह साबित किया है कि उपन्यास आधुनिक कालखंड का दस्तावेज है। इस दस्तावेज ने वर्तमान को जिस तरह एक नया मोड़ दिया है, ठीक उसी तरह इतिहास में अपना स्थान सुरक्षित किया है।

विगत साल में इन दस उपन्यासों ने प्रकाशन जगत को एक नयी रोशनी दी है। पूरे विश्व में इन दस उपन्यासों की गंभीर चर्चा हुई है। इन दस उपन्यासों के नाम हैं-क्रिएशन लेक, इम्पोसियम, फायर एग्जिट, गोइंग होम, द ग्रैंड डाटर, द हार्ट इन विंटर, हेल्प वांटेड, हाम, इंटेरमेस्सो, जेम्स।

'क्रिएशन लेक' उपन्यास के लेखक राचेल कुशनर हैं, थ्रियर शैली में उपन्यास लिखा है। इस उपन्यास की कथा 'सैंडी स्मिथ' के इर्द-गिर्द घूमती है। यह उपन्यास 416 पन्नों का उपन्यास है। स्क्रिबनर ने इस उपन्यास को प्रकाशित किया है। इस उपन्यास पर पूरी दुनिया में बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है। पूरे साल इस उपन्यास पर दुनिया के विभिन्न देशों में चर्चाएं हुईं।

पोलिश उपन्यासकार ओल्गा टोकरजुक ने 2024 में 'इम्पोसियम' शीर्षक से उपन्यास लिखा। टोकरजुक ने मानव मस्तिष्क के अंध बिंदुओं पर काम किया है। इसी विषय को केंद्र में रखकर उन्होंने कई उपन्यास लिखे हैं। इम्पोसियम उपन्यास में उन्होंने द मैजिक माउंटेन की चर्चा की है। यह एक पहाड़ी इलाका है; जहां एक युवक जाता है। वह युवक नशेड़ी है। एक नशेड़ी युवा के मन में क्या उठता है, उसके सम्बन्ध में टोकरजुक ने लिखा है। दरअसल मानव मन के स्याह पक्ष पर उन्होंने प्रकाश डाला है। एक नशेड़ी पहाड़ी इलाके में यात्रा क्यों करना चाहता है, उसके सम्बन्ध में इस उपन्यास में विस्तार से लिखा गया है।

मॉर्गन टैली ने विगत साल 'फायर एग्जिट' उपन्यास लिखा है। इस उपन्यास में कथा एक नयी दुनिया से गुजरती है। इस उपन्यास में हत्या-प्रेम और सामाजिक बंधन का अद्भुत मेल दिखाया गया है। इस उपन्यास का नायक एक आम जनता के बीच से उठकर आता है, जिसे उसके समुदाय ने निर्वासित कर दिया है। इसके बाद उस व्यक्ति पर क्या गुजरता है; वही विषय इस उपन्यास का कथानक है। इस उपन्यास का कथानक काफी ठसक है। संवाद आकर्षक है। पात्र के विचार सुंदर होते हुए भी प्रश्नातीत हैं।

टॉम लेमोंट के उपन्यास का नाम 'गोइंग होम' है। यह उपन्यास विषय वस्तु के लिए प्रसिद्ध है। एक बच्ची है। उसकी मां मर जाती है। अब उसकी मदद करने के लिए तीन पुरुष आते हैं। यह भावना प्यार में बदल जाती है। प्यार और त्याग दोनों एक साथ कैसे चलते हैं, यह इस उपन्यास में दिखाया गया है। टॉम लेमोंट ने इस उपन्यास के कथानक में विविधताओं का समाहार किया है। कथानक-संवाद-शैली इत्यादि दृष्टि से यह उपन्यास प्रशंसनीय है। टॉम लेमोंट एक पत्रकार हैं, उनकी पत्रकारिता की शैली की अमिट छाप भी इस उपन्यास पर पड़ी है।

'इंटेरमेस्सो' उपन्यास सैली रूनी का प्रसिद्ध उपन्यास है। इस उपन्यास ने पूरी दुनिया के उपन्यास प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित किया है। यह उपन्यास कथावस्तु की दृष्टि से प्रसिद्ध है। इस उपन्यास की कथा आयरिश के दो भाइयों की कथा है। इन दोनों भाइयों के जीवन में क्या घटता है,इसको इस उपन्यास में बताया गया है। एक भाई वकील है और दूसरा भाई शतरंज का खिलाड़ी है। उन दोनों भाइयों के जीवन, महिलोओं से प्रेम और प्रेम की जटिलता को इस उपन्यास में उभारा गया है। प्रेम की जटिलता जीवन में किस तरह गुल खिलाती है, इसका भी चित्रण इस पुस्तक में दिखाया गया है।

अमेरिकी उपन्यासकार हेलेन फिलिप्स ने 'हास' उपन्यास लिखा है। महिला उपन्यासकारों में हेलेन का नाम सर्वोपरि है। उन्होंने इस उपन्यास में यह दिखाया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से मातृत्व पर क्या प्रभाव पड़ेगा। भाषा, कथा,शैली की दृष्टि से यह उपन्यास सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है। इस उपन्यास में मातृत्व के संकट को उजागर किया है। दुनिया में प्रौद्योगिकी विकास कहीं विनाश को न आमंत्रित कर बैठे यही चिंता इस उपन्यास की केंद्रीय विषय-वस्तु है। यह एक असाधारण उपन्यास है। इस संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि यह एक ऐसा उपन्यास है,जिसमें मातृत्व के संकट को विषय बनाया गया है। इस संकट पर विचार करना जरूरी है। 'हेल्प वांटेड' उपन्यास की लेखिका एडेल वाल्डमैन हैं। इस उपन्यास में उन्होंने न्यूयार्क की एक काल कोठरी का चित्रण किया है। इस उपन्यास में यह बताया गया है कि एक गोदाम में कर्मचारियों के साथ खराब व्यवहार किया जाता है। इस व्यवहार के चलते विभिन्न तरह की समस्याएं उत्पन्न होती हैं, इन समस्याओं के निदान के प्रति गोदाम के मालिक के रवैय्ये अत्यंत निंदनीय हैं। इस रवैय्ये के त्रासद स्थितियों का चित्रण इस उपन्यास में किया गया है। दरअसल नियोक्ता की मंशा का चित्रण करना उपन्यासकार एडेल वाल्डमैन का उद्देश्यहै। इस उपन्यास में उपन्यासकार के उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट हुए हैं।

आयरिश लेखक केबिन बैरी का उपन्यास विगत साल प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास का नाम है-'द हार्ट इन विंटर' इस उपन्यास में ब्रायन और मैक्कार्थी के शादी के बारे में लिखा गया है। विवाह को केंद्र में रखकर उपन्यास लिखना सही अर्थों में एक बड़ी बात है। केबिन बैरी ने इस उपन्यास में विवाह को आनंददायक ही नहीं बल्कि प्रेरणादायक विषय के रूप में लिखा है। यही कारण है कि पाठकों ने इस उपन्यास को काफी पसंद किया है। बर्नहार्ड श्लिंक का उपन्यास प्रकाशित हुआ है, जिस उपन्यास का नाम है-'द ग्रैंड डाटर' इस उपन्यास में उपन्यासकार ने अतीत के खोल को चीरने का काम किया है। एक पुस्तक विक्रेता है, जो अपनी पत्नी के मृत्यु के बाद गुप्त अतीत को खोलने का प्रयास करता है। अतीत के खोल को खोलने के साथ-साथ वह पुस्तक विक्रेता बर्लिन के विभाजन की कहानी भी प्रस्तुत करता है। साथ ही, वह इस उपन्यास में अपनी पोती का नाम रखता है। पोती का नाम रखते ही इसकी चर्चा चारों तरफ होने लगती है। इसी रहस्य को इस उपन्यास में खोलने का काम किया है। इस उपन्यसकार का मानना है कि अतीत के खोल को फाड़ना ही चाहिए, जब तक इस खोल को फाड़ा नहीं जाता है, तब तक वास्तविकता का परिचय नहीं हो पाता है। इस तरह कहा जा सकता है विगत साल में उपन्यासकारों ने जीवन की विविधताओं पर जोर देने के साथ-साथ यह बताया है कि जीवन को रहस्यमय बनाने की अपेक्षा उसकी वास्तविकता को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है। सचमुच सच्चाई ही जीवन को आह्लादित करती है, जो गुजरे साल का संदेश है।

मणिपुर में माफी कोरा दिखावा न होकर सार्थक बदलाव करें

ललित गर्ग

मणिपुर में जातीय संघर्ष, व्यापक हिंसा एवं अराजक माहौल के लिए पूर्वोत्तर राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बीते साल के आखिरी दिन शांति की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए 'माफी' मांगी है, इस माफी को लेकर राजनीति के गलियारों में व्यापक चर्चा है। क्योंकि इस हिंसा में मई 2023 से 250 से अधिक लोगों की जान चली गई और हजारों लोग बेघर हो गए है। लम्बे समय से यह प्रांत अस्थिरता, असंतोष एवं अशांति की आग में जल रहा है। एन बीरेन सिंह ने माफी मांगते हुए हिंसा के इस लंबे कालखण्ड एवं सिलसिले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और सभी समुदायों से अपील की कि पिछली गलतियों को भुलाकर वे शांति और सौहार्द कायम करें। हालांकि मुख्यमंत्री की इस अपील के अपने मतलब निकाले जा रहे है। कुछ लोगों का कहना है कि यह माफी बहुत पहले मांगी जानी चाहिए थी। कुछ का यह मानना है कि माफी ऐसे समय आई है जब मुख्यमंत्री चौतरफा दबाव में है। विरोधी तो बहुत पहले से उनका इस्तीफा मांग रहे हैं, पिछले कुछ समय से खुद उनके विधायकों और सहयोगियों ने इस माफी को उनकी मजबूरी का परिणाम बताया है। निश्चित ही बीरेन सिंह के लिये माफी मांगना काफी नहीं है, अगर वह मानते हैं कि स्थिति को संभालने में नाकाम रहे तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था या केन्द्र को राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए था। अफसोसनाक यह है कि इस मसले पर अक्सर विवाद उभरते रहे और राजनीतिक शख्सियतों के बीच आरोप-प्रत्यारोप अक्सर बेलगाम बोल में तब्दील ही होते रहे, कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया, जो गैरजिम्मेदाराना राजनीति को दर्शाता है।

मणिपुर में 3 मई 2023 से ही बहुसंख्यक मैतेई और कुकी के बीच आरक्षण और आर्थिक लाभ को लेकर जो हिंसा शुरू हुई वह अभी थमने का नाम नहीं ले रही। कभी अपनी सांस्कृतिक सद्भावना के लिए जाना जाने वाला राज्य अब गहराते विभाजन एवं जातीय संघर्ष का सामना कर रहा है और लोग लगातार भय में जी रहे हैं। तनाव कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा। शांति एवं सद्भावना की तलाश अभी भी जारी है। मणिपुर में जब चंद दरिंदें दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनके साथ बर्बरतापूर्ण हरकत करते नजर आए तो पूरा प्रांत आक्रोश में आ गया। जनमानस की प्रतिक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था में बहुत महत्व रखती है। न तो राज्य सरकार ने और न ही केन्द्र सरकार ने हिंसा को रोकने के लिए कोई ठोस उपाय किए और न ही शांति स्थापित करने के कोई प्रयास किए गए। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सरकार डेढ़ साल से ज्यादा समय से खेमों में बंटती राजनीतिक उलझन में फंसी रही। सभी दल, नेता एवं सरकार नामुमकिन निशानों की ओर कौमों को दौड़ती रही। यह कौमों के साथ नाइंसाफी होने के साथ अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा थी। क्योंकि ऐसी दौड़ जहां पहुंचाती है, वहां कामयाबी की मंजिल नहीं, बल्कि मायूसी का गहरा गड्ढा होता है।

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह स्वीकारोक्ति कि "मैं राज्य में जो कुछ हुआ उसके लिए खेद व्यक्त करना चाहता हूं। कई लोगों ने अपनों को खो दिया और कई लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। मैं खेद व्यक्त करता हूं और माफी मांगता हूं। लेकिन पिछले तीन-चार महीनों में अपेक्षाकृत शांति देखने के बाद, मुझे उम्मीद है कि आने वाले साल में स्थिति सामान्य हो जाएगी।" प्रश्न है कि मुख्यमंत्री 18 माह के खून-खराबे के बाद अब क्यों माफी मांग रहे हैं? वे क्या संदेश देना चाहते हैं? अगर वह स्थिति को संभालने में नाकाम रहे थे तो उन्हें बहुत पहले इस्तीफा दे देना चाहिए था। ताकि स्थितियों लगातार इतनी विकराल नहीं होती, इतनी अधिक जनहानि नहीं होती। देश के नेताओं को गाल बजाने की बजाय आम आदमी को परेशान करने वाली सामाजिक असुरक्षा, जातीय संघर्ष तथा हिंसा जैसे मुद्दों से निबटने के लिये दूरगामी नीतियों के क्रियान्वयन के प्रयास करने चाहिए। यूं तो मणिपुर हिंसा में इतने मासूमों की मौत के बाद मुख्यमंत्री के माफी मांगने का कोई औचित्य नजर नहीं आ रहा। इसीलिये विपक्ष दल एवं कांग्रेस उन पर और केन्द्र सरकार पर हमलावर है। 19 महीनों में एन.बीरेन असंवेदनशील बने रहे और वर्ष के अंत में उन्होंने माफी मांगकर किस संवेदनशीलता का परिचय दिया है? अब सवाल यह है कि त्रासदी का अंत कैसे हो? कैसे शांति स्थापित हो? जरूरत है मनुष्य को बांटे नहीं, सत्य को ढंके नहीं।

बड़ा सवाल यह है कि राज्य द्वारा माफ़ी मांगना केवल दिखावा है और राजनीतिक अपयश निवारण और क्षतिपूर्ति की आवश्यकता मात्र है या किसी सार्थक बदलाव की बुनियाद। हालांकि इस तरह की राजनीतिक माफी अक्सर संदेहास्पद ही होती है क्योंकि माफ़ी में इससे कहीं अधिक की क्षमता होती है। सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने वाले नेताओं की संख्या में वृद्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय एवं चिन्तनीय रही है। माफ़ी मांगना एक ऐसी युक्ति है जिसका इस्तेमाल नेता अब अक्सर अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिये करते हैं, ताकि वे कम से कम लागत पर अपनी गलतियों को पीछे छोड़ सकें या उनसे पीछा छूडा सके। लेकिन बीरेन सिंह की माफी की अच्छी बात यह है कि तमाम दबावों के बाद ही सही, राजनीति और समाज के हर प्रमुख हिस्से ने उनकी माफी को सकारात्मक कदम माना है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस माफी की पहल को विश्वसनीय बनाया जाये एवं ऐसे उपयोगी एवं जरूरी कदम उठाए जाये ताकि मणिपुर राज्य में मैतेई समुदाय और पहाड़ी क्षेत्रों में कुकी जनजातीय समुदायों के बीच चला आ रहा टकराव विराम पा जाये। जरूरी है कि केंद्र और राज्य की सरकार मुख्यमंत्री की इस पहल से उपजे सद्भाव को स्थायित्व देने की कोशिशें अविलंब शुरू कर दें।

2023 के मुकाबले 2024 की दूसरी छमाही में मणिपुर के हालात बेहतर रहे, संघर्ष की स्थितियां कम देखने को मिली। लेकिन पूर्व की हिंसक घटनाओं और मृतकों की संख्या को उससे बनने वाले माहौल से अलग करके नहीं देखा जा सकता। तनाव, संघर्ष और अविश्वास के जिस माहौल से मणिपुर गुजर रहा है, उसकी सचाई इसी हफ्ते कांगपोकपी जिले में कथित कम्युनिटी बंकरों को सुरक्षा बलों द्वारा नष्ट किए जाने पर हुए संघर्ष में 40 लोगों के जख्मी होने और कुकी नैशनल फ्रंट के कथित हमलों के खिलाफ चुराचांदपुर जिले में बंद का आह्वान किए जाने से स्पष्ट है। अभी भी असामान्य हालातों के बीच सवाल है कि मुख्यमंत्री की इस माफी का राज्य के अलग-अलग समुदायों के लोगों पर कैसा और कितना असर पड़ेगा? सवाल महत्वपूर्ण इसलिए भी हो जाता है क्योंकि यह आरोप संघर्ष शुरू होने के बाद से ही लगता रहा है कि मुख्यमंत्री और राज्य प्रशासन की भूमिका निरपेक्ष नहीं है। आरोप पूरी तरह गलत हो तो भी इससे इतना तो स्पष्ट है कि प्रदेश के लोगों का एक खेमा उन्हें अविश्वास भरी नजरों से देखता है। इतने गंभीर और मानवता के अस्तित्व को ही नकारने से जुड़े मसले पर भी समाज के लोगों में जो बंटवारे की प्रवृत्ति राजनीतिक कारणों से दिख रही है वो किसी भी नजरिए से देश की एकता और अखण्डता के लिये फायदेमंद नहीं है।

मुद्दा चाहे कोई भी, खांचों या खेमों में बांटने या बंटने का और आम लोगों को तोड़ने का या जोड़ने का- राजनीति से जुड़े लोगों, राजनीतिक दलों और नेताओं में तो शुरू से रहा है लेकिन जब समाज में आम लोग भी इस तरह के बंटवारे का हिस्सा बन जाते हैं तो इसमें नुकसान सिर्फ और सिर्फ देश के नागरिकों का होता है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सरकार संकट में सही ढंग से नहीं निपटने के चलते अपनी विश्वसनीयता पहले ही खो चुकी है, लेकिन उसे पुनः हासिल करने के लिये माफी से आगे बढ़कर और अधिक सामाजिक एकता, समरसता एवं सौहार्द के प्रयत्न करने होंगे। हमारे देश की राजनीति की विडम्बना ही रही है कि लोगों को धर्म, जाति, वर्ग, भाषा, वर्ण के नाम पर बांट कर किसी न किसी तरह सत्ता हासिल करना। हालांकि सही मायने में लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीति की परिभाषा और दायरा उससे कहीं ज्यादा व्यापक है। जातीय हिंसा का समाधान संवाद से ही होता है। राज्य सरकार को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए मैतेई और कुकी समुदाय के साथ लगातार संवाद जारी रखना चाहिए।

-लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

वर्ग पहेली नं. 2964

बायें से दायें:- 1) अन्नमल, 3) कोहरा; प्रसिद्धि; *स्टारडम*; हल्ला-गुल्ला, 5) चाबुक; दम *(धूम्रपान)*, 6) गाँजा, 8) विषाक्त, 9) धर्मस्थल का पर्यटक; तीर्थाटन करनेवाला, 10) दुर्गंध, 11) *स्कूली बैग*, 12) अर्हतासंपन्न, 14) रखवाला, 15) संशय, 17) इच्छा; दिल; चित्त, 18) एक राशि; मछली, 19) रुपया-पैसा, 20) कामली; *ब्लैंकेट*, 22) सत्ताधिकार; धनुष; मेहराब, 24) ठकठक *(द्वार पर)*, 27) जलता कोयला, 28) मैला, 29) इधर-उधर बिखरा हुआ, 30) सजधज; *मेकअप*.

ऊपर से नीचे:- 1) एक त्यौहार, 2) भयानक; दानवीय; निर्दय, 4) विवश होकर, 5) आस-पास; अनुमानित, 6) रोटी बेलने का गोल पाटा, 7) दंड; शिक्षापाठ, 13) निःसंदेह, 16) सुवर्ण, 17) सहायक, 20) अज्ञातवासी युधिष्ठिर का नाम *(महाभारत)*, 21) घुँघराला, 23) निपुण; *ऐक्सपर्ट*, 25) मानक; विकास-अवस्था, 26) न्याय; लोक-व्यवहार नियम; कार्यदिशा, 27) समाप्ति, 28) जान्हवी.

(उत्तरः अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

सुडोकू-पहेली-2924

					6		8	1
3				5				
			7	3		2		
	1							
						5		
5						3	7	
			1		8			4
2								

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2923 का उत्तर

5	3	2	4	9	6	7	8	1
4	7	8	5	3	1	6	2	9
1	9	6	2	8	7	5	4	3
8	2	5	7	4	9	3	1	6
7	1	3	6	5	2	8	9	4
9	6	4	8	1	3	2	5	7
3	8	1	9	6	5	4	7	2
6	4	7	1	2	8	9	3	5
2	5	9	3	7	4	1	6	8

बंगाल में बीएसएफ आतंकवादियों को घुसा रहा है : अभिषेक बनर्जी

तृणमूल नेता ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार पर केंद्र की चुप्पी पर उठाया सवाल

➨ अभिषेक बनर्जी ने डायमंड हार्बर में 75 दिवसीय स्वास्थ्य सेवा शिविर 'सेवाश्रय' का किया उद्घाटन

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने भाजपा नीत केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए गुरुवार को कहा कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को लेकर चुप है। अभिषेक बनर्जी ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर पश्चिम बंगाल को अस्थिर करने के लिए घुसपैठियों की सहायता करने का आरोप लगाया। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ने केंद्र से भारत विरोधी बयान का बांग्लादेश को मुंहतोड़ जवाब देने का आग्रह किया। इस दिन, बांग्लादेश में मौजूदा संकट को लेकर केंद्र की प्रतिक्रिया पर चिंता जताते हुए अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री बांग्लादेश की स्थिति पर चुप क्यों हैं? भाजपा सरकार वीरता और पराक्रम की बात करती है, लेकिन पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों पर पर्याप्त प्रतिक्रिया नहीं दे रही है। तृणमूल नेता ने बांग्लादेश की स्थिति पर कूटनीतिक माध्यमों से केंद्र की प्रतिक्रिया को 'अपर्याप्त' करार दिया और कहा कि प्रदेश भाजपा के नेताओं को अपने केंद्रीय नेतृत्व से पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के बारे में और अधिक मुखर होने के लिए कहना चाहिए। उन्होंने केंद्र में भाजपा नीत सरकार पर बांग्लादेश की घटनाओं पर 'अपेक्षाकृत चुप रहने' का भी आरोप लगाया। अभिषेक बनर्जी ने अपने संसदीय क्षेत्र डायमंड हार्बर में सेवाश्रय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अभिषेक ने 'सेवाश्रय' नाम के मेगा हेल्थ कैंप का उद्घाटन किया। इस मेगा हेल्थ कैंप के जरिए 23 लाख से ज्यादा लोगों को सेवा दी जाएगी, इसमें 1200 डॉक्टर होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 2000 बूथों पर 280 कैंप लगाए जाएंगे। इस मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर के माध्यम से 75 दिनों तक आम लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की जाएगी। अभिषेक ने कहा कि यह मेगा स्वास्थ्य शिविर सात विधानसभा क्षेत्रों में 1200 डॉक्टरों के साथ आयोजित किया जाएगा। दो हजार बूथों को कवर करते हुए 300 कैंप लगाए जाएंगे।

यह मेगा स्वास्थ्य शिविर 23 लाख से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेगा। इस दौरान, तृणमूल सांसद ने संवाददाताओं से कहा कि हर मामले में तृणमूल कांग्रेस सरकार को दोष देने वाले और प्रदर्शन करने वाले प्रदेश भाजपा के नेता बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य समुदायों पर जारी अत्याचार के बारे में कूटनीतिक मोर्चे पर नरेन्द्र मोदी सरकार के अपर्याप्त जवाब के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि तृणमूल कांग्रेस और राज्य सरकार बांग्लादेश की स्थिति पर केंद्र के फैसले और प्रतिक्रिया को मानेगी। उन्होंने कहा कि हमने पिछले कुछ अवसरों पर पराक्रम और वीरता के बारे में कई लंबी बातें सुनी हैं, लेकिन भाजपा सरकार बांग्लादेश में होने वाली घटनाओं के बारे में अपे-क्षाकृत चुप है। तृणमूल नेता ने कहा कि क्या आपने कभी सुना है कि 2014 से पहले बांग्लादेश जैसे किसी देश ने भारत को डराने की हिम्मत की हो? क्या आप इसी तरह भारत का नाम रोशन कर रहे हैं? हम सभी बांग्लादेश में जारी अत्याचारों और अराजकता से अवगत हैं तथा हमारी केंद्र सरकार की चुप्पी इन अटकलों को और बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा एक शक्तिशाली सरकार, '56 इंच की छाती वाली सरकार' की बात करते हैं। अब हम देखना चाहते हैं कि केंद्र सरकार बांग्लादेश को उसकी भाषा में मुंहतोड़ जवाब दे। अभिषेक बनर्जी ने बीएसएफ पर भी आरोप लगाते हुए दावा किया कि यह बल बांग्लादेश से चरमपंथियों की घुसपैठ में सहायता कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य को अस्थिर करने के लिए बीएसएफ घुसपैठियों को पश्चिम बंगाल में घुसने दे रही है। राज्य पुलिस ऐसे उग्रवादियों को गिरफ्तार कर रही है। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में राज्य के विभिन्न हिस्सों से कई संदिग्ध चरमपंथियों को गिरफ्तार किया गया है, खासकर पांच अगस्त के बाद बांग्लादेश में हुई अशांति के बाद। उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस के प्रयासों की सराहना करने के बजाय विपक्ष उनकी आलोचना कर रहा है। यह राज्य पुलिस ही है जिसने उन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। भाजपा को पहले यह जवाब देना चाहिए कि सीमा सुरक्षा के लिए जिम्मेदार बीएसएफ अपने कर्तव्य में विफल क्यों है? तृणमूल नेता ने कहा कि अगर भाजपा नेता यहां पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के बारे में इतने सचेत हैं, तो वे दिल्ली में अपनी सरकार को उचित तरीके से जवाब देने के लिए क्यों नहीं कहते। उन्हें केंद्रीय नेतृत्व से बांग्लादेश की स्थिति के बारे में अधिक मुखर होने के लिए कहना चाहिए। अभिषेक बनर्जी ने राज्य में लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने तथा उन लोगों पर ध्यान नहीं देने की अपील की जो बांग्लादेश की स्थिति का हवाला देकर हिंसा में शामिल होने और कानून-व्यवस्था को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं।

❑ पार्टी में संगठनात्मक बदलाव तय

इस दौरान, अभिषेक ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि तृणमूल में संगठनात्मक बदलाव तय है। उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए काम करने वालों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि उनके काम का मूल्यांकन उनके प्रदर्शन और परिणामों के आधार पर किया जाएगा। बदलाव की प्रक्रिया निर्धारित समय पर पूरी होगी। अभिषेक ने याद दिलाया कि 21 जुलाई की रैली में उन्होंने बदलाव की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि जहां-जहां पार्टी का प्रदर्शन खराब रहा, वहां प्रशासनिक और संगठनात्मक स्तर पर बदलाव किया जाएगा। अभिषेक ने बताया कि इस बदलाव में फिलहाल कोलकाता शामिल नहीं है।

आवश्यकता

अनुभवी Salesperson की आवश्यकता है, जिन्हें Ladies / Gents ड्रेस मटेरियल की जानकारी हो। Age Limit 45 Yrs. Contact- 9836991752

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

मंडल रेल प्रबंधक, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा सीनि. डीईएन/1/हावड़ा के क्षेत्राधिकार के अधीन पूर्व प्रकाशित **ई-निविदा सं. 286_2024-25, दिनांक 02.01.2025 में संशोधन।** ऊपर उल्लेखित निविदा में, **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय** को दिनांक 03.01.2025 को अपराह्न 02.00 बजे के स्थान पर **दिनांक 10.01.2025 को अपराह्न 2.00 बजे** के रूप में पढ़ें। अन्य सभी नियम एवं शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। (HWH-519/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-यूएफएसबीआई-डीईएल-24-25, दिनांक 01.01.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** यूएफएसबीआई डेलट्रॉन निर्मित ऑटोमेटिक मीडिया चेंज ओवर सुविधा के प्रावधान के जरिए विश्वसनीयता में सुधार। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 35,10,588.80; **बयाना राशि:** रु. 70,200; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** रु. 0.00; **बोली शुरू होने की तारीख:** 10.01.2025; **समापन अवधि:** 180 दिन। **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 24.01.2025 को अपराह्न 03.00 बजे। **निविदा अपलोडिंग की तारीख एवं समय:** 01.01.2025 को अपराह्न 04.21 बजे। (HWH-518/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एमसी-57-0-आईआरएसपी-23-24-अपग्रेड, दिनांक 01.01.2025; वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (सीएचजी. एंड टी/एस), हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा - 711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:** पूर्व रेलवे के हावड़ा आधारित ट्रेनों के एनएसी एलएचबी कोचों, प्रीमियम ट्रेनों (राजधानी, शताब्दी, दुरंतो) के एसी कोचों तथा प्रीमियम ट्रेनों के अलावा अन्य ट्रेनों के एसी कोचों का उन्नयन। **निविदा मूल्य:** रु. 1,61,41,326.20; **जमा की जाने वाली बयाना राशि:** रु. 2,30,700; **संविदा की अवधि:** कार्य आरम्भ होने की तारीख से 06 महीने। **ऑनलाइन निविदा जमा करने के लिए वेबसाइट का विवरण: www.ireps.gov.in; बोली जमा की अंतिम तारीख एवं समय:** 22.01.2025 को अपराह्न 2.00 बजे तक। (HWH-516/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बंगाल की जेलों में बैठकर नेटवर्क फैला रहे हैं आतंकी

➨ पुलिस को जेलों में बंद आतंकियों के साथ हाल में गिरफ्तार आतंकियों के नियमित संवाद के मिले सुबूत

कोलकाता, समाज्ञा : पुलिस को राज्य की जेलों में बंद आतंकियों के साथ हाल में गिरफ्तार अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के आतंकियों के नियमित संवाद के सुबूत मिले हैं। असम व बंगाल पुलिस ने पिछले कुछ दिनों में एबीटी के 12 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आतंकी जेल से ही संगठन को बढ़ाने के तरीके के बारे में निर्देश दे रहे थे। पुलिस के खुफिया विभाग ने जेल में बंद आतंकियों पर निगरानी कड़ी कर दी है। बता दें कि जमातुल मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) आतंकी समेत कई अन्य आतंकी राज्य की जेलों में बंद हैं। खुफिया सूत्रों का दावा है कि पिछले दिनों असम में गिरफ्तार किए गए एबीटी के आतंकी नूर इस्लाम मंडल, अब्बास अली व मिनारुल शेख की मोबाइल फोन पर बातचीत से पता चला है कि वे कैसे जेल में बंद आतंकियों के संपर्क में रहते थे। संगठन के विस्तार को लेकर उनके बीच संवाद हुआ था। सूत्रों ने कहा कि मिनारुल शेख और अब्बास अली कोलकाता के बाहर एक जेल में बंद एक आतंकी के निर्देश पर स्लीपर सेल की आड़ में राज्य में संगठन फैलाने का काम कर रहे थे। नूर इस्लाम मंडल यहां एबीटी माड्यूल का प्रमुख है। एबीटी प्रमुख जसीमुद्दीन रहमानी और सेकंड इन कमांड फरहान इसराक ने जेल कैदियों के बीच संचार बनाए रखने के लिए काम किया।

चिन्मय कृष्ण दास को जमानत नहीं मिलना दुखद : इस्कॉन प्रवक्ता

कोलकाता, समाज्ञा : इस्कॉन कोलकाता ने बांग्लादेश में हिंदू संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास को जमानत नहीं मिलने को दुखद बताया है। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि नए साल में उन्हें रिहा कर दिया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह दुखद है। मामले की सुनवाई का एकमात्र सकारात्मक पक्ष यह रहा कि चिन्मय कृष्ण दास का प्रतिनिधित्व अदालत में अधिवक्ताओं द्वारा किया गया। पिछली सुनवाई में ऐसा देखने को नहीं मिला था। उनके अधिवक्ता बांग्लादेश की उच्च अदालत में अपील करेंगे। चिन्मय कृष्ण दास की तबीयत भी खराब बताई जा रही है।

OFFICE OF THE BLOCK DEV. OFFICER

Joypur Dev. Block, Joypur, Purulia

NOTICE INVITING TENDER NO: NIeT- 13/BDO/J.D.B/ 2024-25

E-tenders are invited by the undersigned from eligible bonafied contractors having requisite credentials and other valid documents **upto 03.00 PM of 15.01.2025** for 01 no. of work (Tender Amt. Rs. 20,16,319.00). For details intending participants may contact to the office of the undersigned or visit website **www.wbtenders.gov.in** in any working day before the Last date for submission of bid documents.

Sd/-

Block Development officer

Joypur Development Block

पश्चिम मध्य रेल

सिविल इंजीनियरिंग कोटा मण्डल

ई–निविदा सूचना – दिनांक: 30.12.2024

भारतसंघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर(जी.स.यू.) पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई.निविदा आमंत्रित करते है। **टेन्डर संख्या:** GSU-II-KOTA-06-2024, **कार्य का विवरण:** महिदपुर – प्रोविज़न ऑफ 1 एडिशनल लोडिंग लाइन, शिफ्टिंग ऑफ एक्सिस्टिंग गुड्स लाइन अबाउट 400 मीटर & डबल एक्सिस्ट।, **अनुमानित लागत:** 22749080.29, **बयाना राशि:** 263800.00, **टेण्डर भरने की अन्तिम तिथि एवं समय:** 15.00 Hrs. On Date 17.01.2025. पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की गई ई. निविदा में तथा वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (जी.स.यू.), पश्चिम मध्य रेलवे, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय कोटा के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

मण्डल इंजीनियर(जी.एस.यू), पमरे, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

मालदह में तृणमूल पार्षद की गोली मारकर हत्या, दो गिरफ्तार

मालदह : मालदह में गुरुवार की सुबह अज्ञात बदमाशों ने तृणमूल कांग्रेस के पार्षद दुलाल सरकार की गोली मारकर हत्या कर दी। बताया गया है कि मालदह से टीएमसी पार्षद सरकार को बाइक सवार हमलावरों ने झालझलिया मोड़ इलाके में नजदीक से कई बार सिर में गोली मारी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें नजदीकी अस्प-ताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। जांच शुरू कर दी गई है और हम दोषियों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि जब सरकार इलाके के एक व्यस्त चौराहे पर खड़े थे, तभी अचानक हेलमेट पहने तीन युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर मौके पर पहुंचे और उन पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। बदमाशों ने उन

पर कुल तीन गोलियां चलाईं। हालांकि, पहली दो गोलियां निशाना चूक गईं, लेकिन तीसरी गोली सरकार के सिर में लगी। दिनदहाड़े और भीड़भाड़ वाले इलाके में इस तरह के हमले से मौके पर मौजूद लोग हैरान रह गए। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते, तीनों बदमाश मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास के सभी थानों को अलर्ट कर दिया गया है।

पार्टी नेता की हत्या से ममता स्तब्ध, कहा... 'पुलिस की लापरवाही से हुई मौत'

दूसरी तरफ, इस घटना से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्तब्ध हैं। राज्य सचिवालय नवान्न में प्रशासनिक समीक्षा बैठक के दौरान ममता ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए पुलिस की भूमिका पर गहरी नाराजगी जताई। ममता ने स्पष्ट कहा कि जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) की लापरवाही के कारण यह हत्या हुई है। गृह विभाग की भी प्रभारी मंत्री ममता ने कहा कि बाबला सरकार तृणमूल की स्थापना से ही मेरे करीबी सहयोगी थे और जिले में बहुत लोकप्रिय नेता थे। पुलिस की लापरवाही के कारण उनकी मौत हुई है। ममता ने कहा कि बाबला पर पहले भी एक बार हमला हुआ था, लेकिन बावजूद पुलिस ने उनकी सुरक्षा हाल में वापस ले ली थी। उन्होंने वरिष्ठ मंत्री फिरहाद हकीम को बैठक छोड़कर तुरंत मालदह जाने का आदेश दिया। ममता ने कहा कि गुंडे सीमा के जरिए भारत में घुस रहे हैं। वो लोग यहां अपराध करते हैं और सीमा पार करके वापस चले जाते हैं। ऐसा बीएसएफ के कारण हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएसएफ से एडजस्टमेंट करके डीएम-एसपी घुसपैठियों को बंगाल में घुसा रहे हैं। ममता ने यह भी कहा कि हमारे डीएम बीएसएफ को खिचड़ी और बिरयानी खिला रहे हैं, मुझे सब जानकारी है।

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त निविदा सूचना सं. ईएल-एसडीएएच-कॉन-टीआरडी-166आर-2024-एनआईटी, दिनांक 01.01.2025. निविदा सं.: ईल-एसडीएएच-कॉन-टीआरडी-166आर-2024. उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण), पूर्व रेलवे, सियालदह, आर.एम.एस. बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं समुचित अनुभव के साथ विद्युतीय ठेकेदारी का वैध लाइसेंस रखने वाले अनुभवी वैद्युतिक ठेकेदारों, साझेदारी फर्मों इत्यादि से ई-निविदा प्रक्रिया के जरिए खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम:** निम्नलिखित के लिए विद्युतीय टीआरडी कार्यों का निष्पादन: (क) रानाघाट के यार्ड मॉडिफिकेशन के लिए 25केवी ए.सी. सिंगल फेज ओवरहेड उपकरण, एलटी सप्लाई ट्रांसफॉर्मर की डिजाइन, ड्राइंग, आपूर्ति, संरचना, जांच एवं चालू करना तथा कल्याणी से रानाघाट के बीच ई.आई. हट के लिए एलटी सप्लाई ट्रांसफॉर्मरों का प्रावधान तथा नैहाटी से रानाघाट तक तृतीय लाइन कार्य के संबंध में शेष बचे हुए कार्य, (ख) बहरमपुर कोर्ट स्टेशन के यार्ड मॉडिफिकेशन के लिए 25केवी ए.सी. सिंगल फेज ओवरहेड उपकरण, एलटी सप्लाई ट्रांसफॉर्मर की डिजाइन, ड्राइंग, आपूर्ति, संरचना, जांच एवं चालू करना, (ग) बहरमपुर कोर्ट के लिए विद्युतीय टीआरडी कार्य - पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल में एल.सी. गेट सं. 132/टी के स्थान पर रोड ओवर ब्रिज। **निविदा मूल्य:** रु. 6,51,17,610.70; **बयाना राशि:** रु. 4,75,600; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **समापन अवधि:** 12 (बारह) महीने। **बंद होने की तारीख एवं समय :** 04.02.2025 को दोपहर 12.30 बजे। निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है तथा इस निविदा के समक्ष ऊपर उल्लेखित निविदा दस्तावेज की कीमत तथा बयाना राशि का ऑनलाइन भुगतान करने के बाद बोलियां निविदा बंद होने की ऊपर उल्लेखित तारीख एवं समय को अथवा उससे पहले उपरोक्त वेबसाइट पर जमा की जा सकती है। इस निविदा के तहत ऊपर उल्लेखित सभी दस्तावेज के साथ सभी पहलुओं में परिपूर्ण निविदाएं **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की जानी चाहिए। निविदा के लिए बोलियां ऊपरोक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के जरिए जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं उसे तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। निविदा दस्तावेज, निविदा सूचना का विवरण, समय-समय पर जारी संशोधनी (यदि कोई हो) तथा अन्य मूल जानकारियां **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा सूचना का विस्तृत विवरण उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण), पूर्व रेलवे, आर.एम.एस. बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 के कार्यालय में भी देखा जा सकता है। (CON-84/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पटना जंक्शन-हावड़ा-पटना जंक्शन स्पेशल ट्रेन का यात्रा जारी रहेगी

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए, **02024/02023 पटना जंक्शन-हावड़ा-पटना जंक्शन स्पेशल** ट्रेन अपने वर्तमान मार्ग, समय-सूची, ठहराव एवं गठन के अनुसार निम्नानुसार और 08 ट्रिप यात्रा करेगी: **यात्रा की विस्तारित अवधि: •02024/02023 पटना जंक्शन-हावड़ा-पटना जंक्शन स्पेशल**, प्रत्येक रविवार **दिनांक 05.01.2025 से 23.02.2025 तक** = 8 ट्रिप दोनों दिशाओं में। अन्य सभी निर्देशावलियां अपरिवर्तित रहेंगी।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

आसनसोल मंडल के तहत वाणिज्यिक प्रचार की संविदा की सुपुर्दगी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा संविदा की सुपुर्दगी के लिए आईआरईपीएस पोर्टल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण नीचे उल्लेखित है: **नीलामी की श्रेणी:** वाणिज्यिक प्रचार (विज्ञापन), **ई-नीलामी सूचीपत्र सं.:** एएसएन-एडीबीटी-16-01, **नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय:** 16.01.2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे। **स्टेशन का नाम/स्थान/ट्रेन सं. एवं एसएलआर: गतिशील सम्पत्तियां:** (i) ट्रेन का बाहरी हिस्सा (सम्पूर्ण फेस): 11, (ii) ट्रेन का बाहरी हिस्सा (खिड़की के नीचे): 08, (iii) ट्रेन का भीतरी एवं बाहरी हिस्सा: 08। **ओओएच: सिउड़ी:** बैक लिट/ग्लो साइन। **कुल 28 सम्पत्तियां : गतिशील सम्पत्तियों की सं. - 27, ओओएच सम्पत्ति सं. - 01;** सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को ऊपरोक्त अनुसूची के अनुसार ऊपर उल्लेखित ई-नीलामी के सम्पूर्ण विवरण तथा उसमें भागीदारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है। (ASN-288/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

हावड़ा मंडल में ट्रेनों का नियंत्रण

हावड़ा मंडल में किमी. 31/22-24 पर वर्तमान सड़क निचली पुल (पुल संख्या 51) की प्रतिस्थापना में साहिबगंज लूप खंड में भेदिया एवं बोलपुर के बीच सड़क ऊपरी पुल पर स्टील गार्डर की स्थापना के लिए, **दिनांक 03.01.2025 (शुक्रवार) से 06.01.2025 (सोमवार)** तक अप एवं डाउन लाइन पर **ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक** की आवश्यकता होगी। इसके परिणामस्वरूप, ट्रेनों के आवागमन में निम्नलिखित व्यवस्था की गई है:

• **नियंत्रण : (1) 13150 डाउन अलीपुरदुआर-सियालदह कंचनकन्या एक्सप्रेस** दिनांक 03.01.2025 एवं 05.01.2025 को मार्ग में 02 घंटे 15 मिनट के लिए नियंत्रित की जाएगी तथा दिनांक 04.01.2025 एवं 06.01.2025 को मार्ग में 01 घंटे 45 मिनट के लिए नियंत्रित की जाएगी। **(2) 53048 डाउन रामपुरहाट-हावड़ा विश्वभारती फ़ास्ट पैसेंजर** दिनांक 03.01.2025 एवं 05.01.2025 को मार्ग में 20 मिनट के लिए नियंत्रित की जाएगी। **विशेष द्रष्टव्य :** ब्लॉक अवधि के दौरान स्पेशल या विलम्ब से चलने वाली ट्रेनें और बाद में शुरू की गई कोई भी नई ट्रेन/पार्सल ट्रेन/टीओडी, यदि कोई हो, का मार्ग में उचित रूप से नियंत्रण/मार्ग परिवर्तन किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशनों की सार्वजनिक घोषणा प्रणाली का अनुसरण करें। असुविधा के लिए खेद है। **मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा**

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मालदह के बाद संदेशखाली में तृणमूल नेता पर चली गोलियां

कोलकाता, समाज्ञा : मालदह के बाद अब संदेशखाली में गोलीबारी की घटना घटी। तृणमूल नेता पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गईं। पुलिस मौके पर पहुंची। अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस घटना में कौन शामिल है। हालांकि, तृणमूल नेता स्वस्थ हैं। संदेशखाली सरबेरिया के अजरहाटी पंचायत प्रधान यादवकुमार मंडल को उनके घर पर गोलियों से निशाना बनाया गया। जादवकुमार सरबरिया इलाके का रहने वाला है। बदमाशों ने उनके घर पर गोलीबारी शुरू कर दी। इस बात को समझते हुए उन्होंने कभी घर से बाहर कदम नहीं रखा। इसके बाद जब बदमाश चले गए तो परिजन घर पर आए। लेकिन यह पता नहीं चल पाया है कि इस घटना में कौन शामिल है।

शिक्षक भर्ती घोटाला : आरोप तय करने की प्रक्रिया फिर टली

➨ अस्पताल में भर्ती होने के कारण आरोपित सुजयकृष्ण भद्र की नहीं हुई पेशी

कोलकाता, समाज्ञा : शिक्षक भर्ती घोटाले में ईडी के मामले में गुरुवार को आरोप तय करने की प्रक्रिया में फिर देरी हुई। घोटाले के आरोपित सुजयकृष्ण भद्र बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती है। इसके चलते उसे कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका। उसकी अनुपस्थिति में आरोप गठन की प्रक्रिया की सुनवाई फिर से आगे बढ़ा दी गई। इस मामले की अगली सुनवाई छह जनवरी को होगी। साथ ही, कोर्ट ने अस्पताल से सुजयकृष्ण की शारीरिक स्थिति के बारे में रिपोर्ट मांगी है। उल्लेखनीय है कि सुजयकृष्ण भद्र के अस्पताल में भर्ती होने के बाद सोमवार को भी कोलकाता की विशेष अदालत में

आरोप तय करने की प्रक्रिया स्थगित कर दी गई थी। प्रोटोकॉल के अनुसार, ईडी द्वारा दायर चार्जशीट में आरोपित के रूप में नामित सभी लोगों को आरोप तय करने के समय अदालत में शारीरिक रूप से उप-स्थित होना चाहिए। चूंकि, भद्र के मामले में ऐसा संभव नहीं था, इसलिए उसके अस्पताल में भर्ती होने के कारण प्रक्रिया छह जनवरी को अगली सुनवाई तक के लिए स्थगित कर दी गई है। ईडी ने विशेष पीएमएलए अदालत में दायर आर-ोपपत्र में कुल 53 लोगों को आरोपित बनाया है, जिनमें से 29 व्यक्ति हैं और शेष 24 कॉरपोरेट संस्थाएं या ट्रस्ट हैं। भद्र के अलावा, आरोपपत्र में अन्य दिग्गज नामों में शामिल हैं।

कालीघाट वाले काकू के मेडिकल रिपोर्ट ने पेसमेकर समस्या के दावे को नकारा

सुजयकृष्ण भद्र के स्वास्थ्य को लेकर विवाद और भ्रम बढ़ता जा रहा है। न्यू अलीपुर के निजी अस्पताल की मेडिकल रिपोर्ट में बताया गया है कि जांच के दौरान उनके हृदय में कोई समस्या नहीं पाई गई। रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें फिलहाल हृदय संबंधी किसी भी इलाज की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, अदालत में उनके वकील ने दावा किया कि सुजयकृष्ण के पेसमेकर में दिक्कत है और उसकी बैटरी काम नहीं कर रही। वकील के अनुसार, पेसमेकर को लगाए 10 साल हो चुके हैं, और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्हें दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है। इस दिन, अदालत में पेश की गई मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, सुजयकृष्ण को बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था। जांच में उनके हृदय में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं पाई गई। रिपोर्ट के अनुसार, हृदय रोग से संबंधित किसी भी उपचार की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, अन्य संभावित समस्याओं की जांच के लिए उन्हें एक मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल में रेफर किया गया है। सुजयकृष्ण के वकील ने अदालत में पेसमेकर की बैटरी खराब होने और अन्य समस्याओं का दावा किया है, लेकिन मेडिकल रिपोर्ट ने इस दावे को खारिज कर दिया है।

सुकांत मजूमदार ने बीएसएफ पर लगाये गये आरोपों को लेकर ममता पर निशाना साधा

नयी दिल्ली/कोलकाता : केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बीएसएफ के खिलाफ लगाए उनके आरोपों को लेकर गुरुवार को निशाना साधा और कहा कि वह (मुख्यमंत्री) इस कदर 'भ्रम' में हैं जिसकी कोई सीमा नहीं है। सुकांत मजूमदार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर एक बयान में कहा कि राज्य की 'असफल' मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कदर 'भ्रम' में हैं जिसकी कोई सीमा नहीं है। उन्होंने कहा कि सीमा पर निगरानी के लिए चौकियां स्थापित करने के लिए भूमि उपलब्ध न कराने के बावजूद वह अवैध घुसपैठ के लिए सीमा सुरक्षा बल को दोषी ठहराती रहती हैं। लेकिन अब

उन्होंने आरोपों की सभी हदें पार करते हुए अपने ही प्रशासन के अधिकारियों पर आरोप लगाना शुरू कर दिया है। मजूमदार ने आरोप लगाया कि ममता के अनुसार, उनके प्रशासन के तहत अक्षम जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक विदेशी अपराधियों को उनकी पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों की हत्या करने के लिए सीमा पर घुसपैठ करने की अनुमति दे रहे हैं। भाजपा नेता ने पूछा कि अब तक वे इस तरह की घटनाओं के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराती थीं। लेकिन ममता बनर्जी के बयान में अचानक यह बदलाव क्यों आया? क्या वे ऐसे दावे करके अपनी पार्टी के लुटेरे, अपराधी प्रतिनिधियों के कुकृत्यों को छिपाने की कोशिश कर रही हैं? उन्होंने कहा कि आदरणीय मैडम ममता बनर्जी, यह मत भूलिए कि बंगाल के लोग आपके छल और चालाकी को जान गये हैं। आपने पश्चिम बंगाल की पवित्रता को कलंकित किया है। आपकी रवानगी होने वाली है।

बंगाल बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए नर्सरी बन गया है : गिरिराज सिंह

❑ केंद्रीय मंत्री ने ममता सरकार पर वोट बैंक के लिये घुसपैठ को बढ़ाना देने का लगाया आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जोरदार पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि बंगाल बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए एक नर्सरी बन गया है। गिरिराज सिंह ने कहा कि बंगाल सरकार ने शुरू में बांग्लादेशियों के लिए लाल कालीन बिछाया और अब तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी एवं उनके सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी बांग्लादेश के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। बंगाल दौरे पर आए गिरिराज सिंह ने बैरकपुर में केंद्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान (सीआरआइजेएएफ) में कार्यक्रम से

इतर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ममता बनर्जी को राज्य और पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिस तरह से ममता ने बांग्लादेशियों के लिए लाल कालीन बिछाया और फिर उन्होंने कहा कि जब तक वह यहां हैं, कोई भी बांग्लादेशियों को नहीं निकाल सकता। उन्होंने ममता सरकार पर वोट बैंक के घुसपैठ को बढ़ाना देने का आरोप लगाते हुए जोर देकर कहा कि बंगाल बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए एक नर्सरी बन गया है।

सरकारी गोदाम से तीन करोड़ रुपए के प्राइमरी किताबें चोरी मामले में हाईकोर्ट ने तलब की रिपोर्ट

कोलकाता, समाज्ञा : सरकारी गोदाम से दो लाख प्राइमरी किताबें चोरी हो गईं। इन किताबों की बाजार कीमत करीब 3 करोड़ रुपए है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 2022 की घटना में जिला प्राथमिक शिक्षा परिषद से रिपोर्ट तलब की। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवाग्नम और न्यायाधीश हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने रिपोर्ट तलब की। कोर्ट सूत्रों के मुताबिक, नवंबर 2022 में इस्लामपुर सर्किल में एसआई (स्कूल इंस्पेक्टर) कार्यालय के गोदाम से करीब 2 लाख किताबें चोरी हो गईं। इसकी बाजार कीमत 3 करोड़ रुपए है। इस संबंध में 2 दिसंबर को इस्लामपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। जांच करने पर पुलिस ने गोदाम के प्रभारी गणेश मंडल नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ के बाद पुलिस ने एक और शख्स को गिरफ्तार कर लिया। बाद में, उन दोनों को जमानत भी मिल गई। किताब चोरी के मामले में पुलिस इसी साल 30 नवंबर को कोर्ट में आरोप पत्र भी पेश कर चुकी है। इस संबंध में कोर्ट में केस दायर किया गया था।आरोप है कि पहली कक्षा से लेकर चौथी कक्षा तक की बांग्ला, अंग्रेजी समेत करीब तीन करोड़ रुपये की किताबें गोदाम में लाई ही नहीं गई। याचिकाकर्ता के वकील देबाशीष बंद्योपाध्याय ने कोर्ट में दावा किया कि इसके पीछे एक बड़ा चक्र है। उन्होंने कोर्ट में कहा कि घटना को करीब दो साल बीत चुके हैं लेकिन पुलिस अब भी साफ तौर पर नहीं कह पा रही है कि असली दोषी कौन है या इसके पीछे कौन है। इसके अलावा इतनी बड़ी मात्रा को हटाना दो लोगों के लिए संभव नहीं है। गोदाम से किताबों के पीछे कोई बड़ा गिरोह है इसकी जांच एजेंसी से कराई जाए। मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने घटना के दौरान उत्तर दिनाजपुर जिला प्राथमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा की गयी कार्रवाई पर अदालत में रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया।

शिक्षक स्थानांतरण समस्या को लेकर हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

2022 में अपरूपा पाठक ने कार्यस्थल परिवर्तन के लिए उत्सोश्री पोर्टल पर आवेदन किया। फिलहाल वह नदिया के जमशेरपुर में कार्यरत हैं। वह उत्तर 24 परगना में स्थानांतरित होना चाहती है। 2022 में आवेदन करने के बाद भी कोई समाधान नहीं हुआ। तब शिक्षक ने कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उनका दावा है कि वह 14 सितंबर 2022 से आवेदन कर रहे हैं, पोर्टल राज्य द्वारा निलंबित कर दिया गया है। गुरुवार को इस मामले की सुनवाई में जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने राज्य से उत्साहश्री पोर्टल की मौजूदा स्थिति जानने को कहा। उन्होंने पूछा कि राज्य इस पोर्टल के बारे में क्या सोच रहा है। बताया गया कि यदि राज्य की स्थिति ज्ञात हो तो इस मामले में आगे आदेश जारी करने में सुविधा होगी इसलिए राज्य को 21 जनवरी तक इन सवालों का जवाब कोर्ट को देना है।

घाटाल मास्टर प्लान को लेकर राज्य ने सौंपा रिपोर्ट, हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

मुख्य न्यायाधीश ने कहा... 'अभी बहुत काम करना हैं, मानसून से पहले कुछ करो'

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्र के साथ लंबी खींचतान के बाद आखिरकार राज्य सरकार ने मेदिनीपुर में बाढ़ रोकने के लिए घाटल मास्टर प्लान के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी ले ली है। मुख्यमंत्री ने खुद घाटल सांसद देव के साथ लोकसभा चुनाव से पहले इसकी घोषणा की थी। अब इसे लागू करने का समय आ गया है। राज्य सरकार ने गुरुवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में शीघ्र घाटल मास्टर प्लान की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर आधारित एक रिपोर्ट सौंपी। लेकिन उस रिपोर्ट को देखने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने अपना असंतोष व्यक्त किया। उनका सवाल, कैसे लागू होगी योजना? रिपोर्ट में कुछ भी उल्लेख नहीं है। खंडपीठ ने 6 सप्ताह के भीतर दोबारा रिपोर्ट तलब की। इसे कैसे लागू किया जाएगा, इसे लेकर हाल ही में हाई कोर्ट में एक जनहित मामला दायर किया गया था। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ को रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट देखने के बाद चीफ जस्टिस टीएस शिवज्ञानम ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट में लिखा है कि आपने बाढ़ के बाद कुछ साड़ियां, चादरें, लुंगी, बेबी फूड बांटे हैं। इसमें लिखा है कि उन्होंने आपदा से कैसे निपटा लेकिन मास्टर प्लान कैसे लागू किया जाएगा या इन बाढ़ों को कैसे रोका जाएगा, इसके बारे में कुछ नहीं लिखा गया है।अगले मानसून से पहले कुछ करें। यदि आप अभी शुरुआत नहीं करेंगे तो आप कुछ नहीं कर सकते। चीफ जस्टिस के और सवाल कि कहां बैठेगी मशीन?' कितने लोगों का पुनर्वास किया जाएगा? क्षेत्र को साफ़ किया जाना चाहिए। यह सारी जानकारी कहां है? इलाज से बेहतर रोकथाम है। 6 सप्ताह के भीतर पुनः स्थिति रिपोर्ट तलब करें।

भारतीय रेलवे का देशभर में खेलों में योगदान: 29 विधाओं में 9,000 से अधिक एथलीटों को समर्थन

राष्ट्रपति भवन में 17 जनवरी 2025 को रेलवे के पांच एथलीटों को मिलेगा अर्जुन पुरस्कार

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय रेलवे ने 1928 से खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को समर्थन देने में अहम भूमिका निभाई है। रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के माध्यम से 29 खेल विधाओं में 9 हजार से अधिक एथलीट रेलवे में कार्यरत हैं, जिनमें 3 हजार सक्रिय खिलाड़ी शामिल हैं। आरएसपीबी 28 राष्ट्रीय खेल महासंघों और विश्व रेलवे खेल संघ से संबद्ध है। यह संगठन एथलेटिक्स, हॉकी, टेनिस जैसे खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू हुआ था और आज यह देश के प्रमुख खेल प्रोत्साहक संगठनों में से एक है। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने वर्ष 2024 के लिए राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की घोषणा की है। गर्व की बात है कि अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने वाले 32 खिलाड़ियों में से 5 भारतीय रेलवे से हैं। जिनमें ज्योति याराजी (एथलेटिक्स-100 मीटर बाधा दौड़), अन्नू रानी (एथलेटिक्स-भाला फेंक), सलीमा टेटे (हॉकी), स्वप्निल सुरेश कुसाले (शूटिंग-50 मीटर 3पी) और अमन (कुश्ती-57 किग्रा फ्रीस्टाइल) का नाम शामिल है। इन 5 अर्जुन पुरस्कारों के साथ भारतीय रेलवे में अब तक 183 अर्जुन, 28 पद्मश्री, 12 ध्यानचंद, 13 द्रोणाचार्य, और 9 मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार विजेता हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 17 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित विशेष समारोह में इन खिलाड़ियों को सम्मानित करेंगी। भारतीय रेलवे इन खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

धर्म सम्राट श्री महंत ज्ञान दास जी महाराज को कोलकाता एयरपोर्ट पर स्वागत करने पहुंचे कोलकाता वस्त्र व्यवसायी सेवा ट्रस्ट के सदस्यगण

पूर्व भारत में वंदे भारत एक्सप्रेस के दो स्वर्णिम वर्ष, रेल यात्रा को फिर से किया परिभाषित

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व भारत में हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22301 अप) ने 1 जनवरी 2023 को रेल यात्रा के एक नए युग की शुरुआत की। आज, इस ट्रेन के दो साल पूरे होने पर भारतीय रेलवे न केवल एक मील का पत्थर मना रहा है, बल्कि एक मिशन को भी चिह्नित कर रहा है-रेल यात्रा को तेज, सुरक्षित और अधिक आरामदायक बनाने का। वंदे भारत एक्सप्रेस, पूर्व भारत की पहली वंदे भारत ट्रेन के रूप में, यात्रियों के लिए एक अद्वितीय अनुभव बन गई है। इसकी आधुनिक सुविधाएं, शानदार डिजाइन, और बेहतर प्रदर्शन ने इसे भारतीय प्रगति और नवाचार का प्रतीक बना दिया है। पूर्व रेलवे मार्ग पर संचालित वंदे भारत ट्रेनों में हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस, देवघर-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस, हावड़ा-गया वंदे भारत एक्सप्रेस और हावड़ा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल हो गई है। वंदे भारत की 180 किमी/घंटा की शीर्ष गति है। इसके अलावा, इन ट्रेनों में आधुनिक सस्पेंशन सिस्टम, एर्गोनोमिक सीटें और कार्यकारी कक्षा में 180-डिग्री घुमावदार सीटें, स्मार्ट टॉयलेट्स और स्लाइडिंग दरवाजे, प्राकृतिक दृश्यों के आनंद के लिए पैनोरमिक खिड़कियां, हाई-स्पीड वाई-फाई और इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसी कई सुविधाएं मौजूद है। वंदे भारत एक्सप्रेस 'मेक इन इंडिया' की भावना को दर्शाती है और देश की रेल यात्रा में क्रांति लाने की दिशा में एक कदम है। यह न केवल यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाती है, बल्कि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को भी बढ़ावा देती है। हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत के यात्री आज भी इसकी हाई-स्पीड यात्रा और सुविधाजनक अनुभव का आनंद ले रहे हैं, जो दक्षिण बंगाल को उत्तर बंगाल और डुआर्स क्षेत्र से जोड़ती है।

पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल ने टीबी उन्मूलन के लिए 100-दिवसीय गहन अभियान किया आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के मंडलीय रेलवे अस्पताल द्वारा मंगलवार को टीबी उन्मूलन पर 100-दिवसीय गहन अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम हावड़ा के आर्थोपेडिक अस्पताल में हावड़ा के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देबाशीष गुहा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. वेंकटेश्वर पांडे, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण), हावड़ा के उद्घाटन भाषण से हुई। उन्होंने 100-दिवसीय अभियान के महत्व पर जोर दिया और टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय मिशन में भारतीय रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। अतिरिक्त मंडलीय चिकित्सा अधिकारी (पल्मोनोलॉजी) डॉ. कंगती स्नेहा रेड्डी ने टीबी की रोकथाम, निदान, और उपचार की रणनीतियों पर विस्तार से जानकारी दी। वरिष्ठ मंडलीय चिकित्सा अधिकारी (बाल रोग) डॉ. चैताली पात्रा ने बच्चों पर टीबी के प्रभाव और बाल चिकित्सा-संबंधी मुद्दों पर प्रकाश डाला। सत्र को और अधिक संवादात्मक बनाने के लिए वरिष्ठ मंडलीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिबानी सरदार ने टीबी से संबंधित विषयों पर एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। कार्यक्रम का समापन मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देबाशीष गुहा द्वारा अभियान के उद्देश्यों और उपलब्धियों के सारांश के साथ हुआ। उन्होंने टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय मिशन के प्रति हावड़ा मंडल के मंडलीय रेलवे अस्पताल की प्रतिबद्धता को दोहराया।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने नए वर्ष 2025 के पहले दिन किया आईडीएफसी फर्स्ट एकेडमी का किया शुभारंभ

कोलकाता, समाज्ञा : आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने आईडीएफसी फर्स्ट एकेडमी का शुभारंभ किया है। यह वित्तीय सा-क्षरता बढ़ाने पर आधारित एक व्यापक पहल है और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध है। यह एकेडमी बैंक के वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के मिशन को दर्शाती है, ताकि लोग अपने वित्तीय मामलों का प्रबंधन बेहतर ढंग से कर सकें। यह प्रोग्राम तीन स्तरों में विभाजित है: फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और एडवांस्ड। आईडीएफसी फर्स्ट एकेडमी में 35 कोर्सेस हैं, जो 255 विषयों को कवर करते हैं,और इस प्रोग्राम को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि यह प्रतिभागी को वित्तीय विषयों की गहरी समझ प्रदान करे। प्रत्येक विषय को पूरा करने में सिर्फ 3-5 मिनट लगते हैं, और पूरा प्रोग्राम कुल 36 घंटे की लर्निंग प्रदान करता है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के एमडी और सीईओ वी. वैद्यनाथन ने कहा, आईडीएफसी फर्स्ट एकेडमी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक महत्वपूर्ण पहल है। अक्सर यह देखने में आता है कि चाहे बचत हो या फिर निवेश, अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि उन्हें इसकी शुरुआत कहां से करना चाहिए। इस प्रोग्राम से जटिल अवधारणाओं को समझना आसान हो जाएगा।

सियालदह डिवीजन में रेलवे ट्रैक पर अनधिकृत प्रवेश रेलवे संचालन के लिए बनी गंभीर समस्या

कोलकाता, समाज्ञा : सियालदह डिवीजन में रेलवे पटरियों पर अनधिकृत प्रवेश (ट्रेसपासिंग) रेलवे संचालन के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इस तरह की ला-परवाह और गैरजिम्मेदाराना हरकतें न केवल रेलवे दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रही हैं, बल्कि रेल और सड़क यातायात के सुचारू संचालन को भी बाधित कर रही हैं। ट्रेसपासिंग की घटनाओं के कारण ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जिससे आर्थिक नुकसान हो रहा है। सियालदह डिवीजन द्वारा ट्रैक की निगरानी और सुरक्षा बढ़ाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। आरपीएफ की तैनाती बढ़ाई गई है, ताकि ट्रेसपासिंग रोकने और नियम उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा सके। रेलवे अधिकारी स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर इस समस्या को हल करने के प्रयास कर रहे हैं। हाल के दिनों में, शांतिपुर-कृष्णानगर लाइन पर ट्रेसप-ासिंग रोकने के लिए कई उपाय किए गए हैं। संवेदनशील स्थानों, जैसे लेवल क्रॉसिंग और स्टेशनों पर बैरिकेड्स लगाई गई हैं। आरपीएफ ने गश्त बढ़ाई है और विशेष अभियान चलाए हैं। इन अभियानों में ट्रैक के दोनों ओर खंभे लगाकर अनधिकृत प्रवेश को रोका गया। इस प्रयास की पूर्व रेलवे के एजीएम सुमित सरकार और सियालदह के डीआरएम दीपक निगम द्वारा सराहना की गई है।

अरुणोदय घोलेशापुर स्कूल की नई इमारत का हुआ उद्घाटन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन (ईआरडबल्यूडबल्यूओ) की अध्यक्ष सीमा देवस्कर द्वारा मंगलवार को बेहाला के घोलेशापुर रेलवे कॉलोनी स्थित अरुणोदय घोलेशापुर स्कूल की नई इमारत का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर ईआरडबल्यूडबल्यूओ की सभी कार्यकारी सदस्य उपस्थित रहीं। ईआरडबल्यूडबल्यूओ द्वारा संचालित यह स्कूल, नर्सरी से कक्षा-चतुर्थ तक की शिक्षा प्रदान करता है और वर्तमान में लगभग 130 छात्रों को शिक्षा दे रहा है। नौ शिक्षकों और दो सहायक कर्मचारियों की समर्पित टीम द्वारा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास सुनिश्चित किया जाता है। उद्घाटन समारोह की शुरुआत सीमा देवस्कर द्वारा नई इमारत के औपचारिक उद्घाटन से हुई। इसके बाद भगवान गणेश और देवी सरस्वती की आराधना की गई। इस विशेष अवसर पर बच्चों के बीच मिठाई बांटी गई, जिससे माहौल में खुशी और उत्साह छा गया। अरुणोदय घोलेशापुर स्कूल ईआरडबल्यूडबल्यूओ की युवाओं के विकास और उनके शैक्षिक सफर को समर्थन देने की प्रतिबद्धता का एक सजीव उदाहरण है।

बेरीवाली मां भीमेश्वरी का चतुर्थ वार्षिकोत्सव सम्पन्न

कोलकाता, समाज्ञा : बेरीवाली मां भीमेश्वरी का चतुर्थ वार्षिकोत्सव श्रीराम श्याम देवी मंदिर में भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दिन भर भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिर में आयोजित समारोह में अखण्ड ज्योत और अलौकिक श्रृंगार आयोजन को दिव्यता प्रदान कर रहा था। सुमधुर गायिका मारूति मोहता ने भजनों से भक्तों को खूब झूमाया। इस अवसर पर महावीर अग्रवाल, रामगोपाल बंसल, सजन कुमार बंसल, ललित बेरीवाल, बजरंग अग्रवाल, सुरेश बंसल, सुनील बंसल, पवन अग्रवाल, बृजमोहन बेरीवाल (एसआरएमबी), बृजमोहन बेरीवाल (के.एल जूट) ने सपरिवार उपस्थित होकर देवी आराधना की। समारोह का संचालन राजकुमार मित्तल ने प्रभावशाली ढंग से किया। समारोह की सफलता हेतु सुभाष मुरारका, अनिल जिन्दल, ललित गोयल, अनिल बेरीवाल, विजय बेरीवाल, अशोक बेरीवाल, राजेंद्र बेरीवाल, अरूण अग्रवाल, आनन्द बंसल आदि ने सराहनीय भूमिका निभाई। भक्तों में प्रसाद वितरण के साथ महोत्सव की पूर्णाहूति हुई।

सत्य, न्याय, धर्म के पक्ष में जो खड़ा नहीं होता उसे ईश्वर क्षमा नहीं करते : सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज

श्रीहरि सत्संग समिति की त्रिदिवसीय श्री कृष्ण लीला कथा शुरू

कोलकाता, समाज्ञा : 'जिनके जीवन में सत्संग का अभाव है वो मनुष्य रूप में आया तो जरूर है पर जीवन पशुओं से भी ज्यादा बदतर है उनके लिए। पहले मनुष्य का अधिकांश काम मंत्र से हो जाता था लेकिन जब से जीवन में यंत्र पूरी तरह से हावी हुआ है केवल षड़यंत्र का बोलबाला होता जा रहा है'। ये उद्गार देश के करोड़ो वनवासी एवं ग्रामीण बंधुओं को विकास की मुख्य धारा में शामिल करने और सनातन संस्कृति की चेतना को जागृत करने हेतु देश की अग्रणी संस्था श्रीहरि सत्संग समिति, कोलकाता की ओर से आयोजित तीन दिवसीय श्री कृष्ण लीला कथा का शुभारंभ करते हुए परम पूज्य सद्गुरु श्रद्धेय ऋतेश्वर महाराज महाराज (वृंदावन धाम) ने तोपसिया स्थित ओजस बैंक्वेट हॉल में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि जो सत्य, न्याय, धर्म, प्रेम के पक्ष में खड़ा नहीं होता और कहे कि मैं तो तटस्थ हूं, ईश्वर और प्रकृति उसे क्षमा नहीं करती। जिस समय सत्य की पुकार, धर्म की पुकार, न्याय की पुकार हो आप तटस्थ नहीं रह सकते। धर्म के पक्ष में ही खड़ा होना होगा, संस्कार के पक्ष में ही खड़ा होना होगा, संस्कृति के पक्ष में ही खड़ा होना होगा। उन्होंने कहा कि आज सनातन को लेकर काफी गहमागहमी है लेकिन सनातन किसी व्यापार का नाम नहीं है। सनातन की परिभाषा क्या है नाना मुनि-नाना मत। सनातन सारभौम सत्ता है, यह केवल मनुष्य की बात नहीं करता। आदिगुरू शंकराचार्य कहते हैं धर्म की जय हो अधर्म का नाश हो। सदगुणों को धारण करने की क्षमता जिसके भीतर हो वो धर्म है। महाराजश्री ने प्रसंगवश कहा कि भारतवर्ष की 74% आबादी आज मानसिक अवसाद की शिकार है और पूरी दुनिया में 88% लोग इस अवसाद के शिकार हैं और अकेले दुनिया के दादा देश जहाँ अभी नये राष्ट्रपति बने हैं वहां 90% लोग इसके शिकार है जबकि शिक्षा जहां बहुत उन्नत है, प्रति व्यक्ति आमदनी में बहुत सुदृढ़ है, धन के पहाड़ पर बैठे है लेकिन 90% लोग पागलपन की तरफ कदम बढ़ा चुके है। पहले मनुष्य जीवन दुर्लभ माना जाता था लेकिन अब मनुष्य ही इतना दुर्लभ हो गया है कि उसकी मति, रति, गति कुछ ठीक नही रह गई।

आज कथा के शुभारंभ समारोह की शुरुआत में अनिल कारीवाल ने एकल गीत प्रस्तुत किया जिसके पश्चात व्यास पीठ का पूजन आज के यजमान प्रवीण अग्रवाल, महेन्द्र अग्रवाल, दिलीप चौधरी, राजेश अग्रवाल, बनवारी लाल सोती, प्रसाद यजमान देवेन्द्र बालासिया की ओर से किया गया, जबकि एकल अभियान के तीनों अन्यतम कर्णधारों सजन भजनका, सज्जन कुमार बंसल और रमेश सरावगी ने कथा पीठ का पूजन करते हुए महाराजश्री का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इसके साथ ही समिति के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, वनबंधु परिषद के अध्यक्ष किशन केजरीवाल सहित पीतांबर पटवारी, विजय माहेश्वरी, बुलाकी दास मिमानी, घनश्याम सराफ, बजरंग अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, देवराज रावलवासिया, गोविन्द बेरीवाल आदि गणमान्य लोगों ने भी महाराजश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रदीप अग्रवाल और प्रवीण अग्रवाल ने समिति और आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। मंच संचालन सुभाष मुरारका ने किया। कथा 4 जनवरी तक चलेगी।

आयोजकों ने बताया कि कथा के दूसरे दिन यमुना देवी एवं बिट्ठल दास मूंधड़ा द्वारा प्रदत्त रथ का लोकार्पण होगा जबकि समापन दिवस (4 जनवरी) पर स्व. श्याम सुंदर एवं शारदा देवी क्याल की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्रों कैलाश-महेश व नरेश क्याल द्वारा प्रदत्त रथ वनवासियों की सेवार्थ लोकार्पित होगा। 4 जनवरी को श्री बालाजी जागरण मंडल द्वारा कथा स्थाल पर सुबह 9 बजे से सामूहिक सुन्दरकांड पाठ का भी आयोजन होगा।

महाकुंभ 2025 के लिए रेलवे स्टेशनों पर विशेष चिकित्सा व्यवस्था

स्टेशनों पर बनाए जा रहे ऑब्जरवेशन रूम

कोलकाता/प्रयागराज : भारतीय रेलवे ने महाकुंभ 2025 के अवसर पर, तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष चिकित्सा सुविधाओं की स्थापना की है। इन सुविधाओं में 247 ऑब्जर्वेशन रूम्स की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित चिकित्सा सेवा उपलब्ध हो सके। पिछले महाकुंभ में 1 लाख श्रद्धाल-ुओं को प्राथमिक चिकित्सा सहायता दी गई थी, और इस बार रेलवे एक विशाल संख्या में यात्रियों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवा देने के लिए तैयार है। भारतीय रेलवे ने प्रयागराज जंक्शन, सुबेदारगंज, नैनी जंक्शन और प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर ऑब्जर्वेशन रूम बनाए हैं। इन रूम्स में डॉक्टर और अन्य चिकित्सा स्टाफ हमेशा मौजूद रहेंगे। यहां सभी आवश्यक चिकित्सा उपकरण जैसे ईसीजी मशीन, डिफिब्रिलेटर, ऑक्सीजन कन्सेन्ट्रेटर, और ग्लूकोमीटर की व्यवस्था की गई है।

प्रयागराज जंक्शन, सुबेदारगंज और नैनी स्टेशनों पर 15 स्टाफ नर्स, 12 फार्मासिस्ट, 12 हॉस्पिटल अटेंडेंट, 15 हाउस कीपिंग असिस्टेंट तैनात किए गए हैं। इन कर्मचारियों की तैनाती यह सुनिश्चित करेगी कि सभी शिफ्ट्स में चिकित्सा सेवाएं सुचारु रूप से चलती रहें। प्रत्येक शिफ्ट का समय 8 घंटे होगा। महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों पर 24 घंटें चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। जब भी किसी यात्री को चिकित्सा सहायता की आवश्यकता होगी, त्वरित प्राथमिक उपचार प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही, रेलवे अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों के साथ समन्वय बनाए रखेगा, ताकि आवश्यकतानुसार मरीजों को तुरंत रेफर किया जा सके। भारतीय रेलवे का उद्देश्य महाकुंभ 2025 के आयोजन को सुरक्षित, स्वस्थ और यादगार बनाना है। रेलवे द्वारा की गई स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं से श्रद्धालुओं को उच्चतम स्तर की चिकित्सा सेवाएं मिलेंगी, जिससे उनकी यात्रा सुरक्षित और आरामदायक रहेगी। रेलवे प्रशासन ने सभी पहलुओं पर ध्यान दिया है और यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्था की है।

जूट बैग की कीमतें प्रति क्विंटल 1.15 लाख से बढ़कर 2 लाख रुपये होने की उम्मीद : मंत्री गिरिराज सिंह

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को बैरकपुर स्थित आईसीएआर-सीआरआईजेएएफ का दौरा कर जूट उद्योग के विकास को लेकर कई अहम घोषणाएं कीं। मंत्री ने लखपति दीदियों और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के साथ बातचीत की और बीज एवं उपकरण स्टालों का निरीक्षण किया। मंत्री ने बताया कि जूट बैग की कीमतें 1 लाख 15 हजार रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2 लाख रुपये प्रति क्विंटल तक होने की उम्मीद है। सरकार ने टैरिफ आयोग की अध्ययन रिपोर्ट के आधार पर जूट बोरियों की नई मूल्य निर्धारण नीति को मंजूरी दी है। इस पहल से पश्चिम बंगाल समेत देशभर के 4 लाख जूट मिल श्रमिकों और 40 लाख किसान परिवारों को लाभ होगा। मंत्री ने कहा कि जूट उत्पादों की बिक्री 2015-16 में 100 करोड़ रुपये थी, जो इस वर्ष 14 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि जूट उद्योग की प्रगति और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के प्रति बढ़ती मांग का परिणाम है। यह निर्णय जूट मिलों को आधुनिकीकरण और विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करेगा। साथ ही, घरेलू जूट उत्पादन को बढ़ावा देने और बायोडिग्रेडेबल जूट उत्पादों के उपयोग से पर्यावरण की रक्षा की दिशा में बड़ा कदम है। यह आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि के अनुरूप है। मंत्री ने सीआरआईजेएएफ फाइबर संग्रहालय का दौरा किया और जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने फ्लैक्स स्कचिंग मशीन का उद्घाटन और उन्नत फ्लैक्स फाइबर एक्सट्रैक्टर्स का निरीक्षण किया। मंत्री ने जूट उद्योग के हितधारकों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और 10 प्रगतिशील किसानों एवं लखपति दीदियों को सम्मानित किया।

मीडिया रिपोर्टों के लिए आरोपितों को हिरासत में नहीं भेजा जा सकता : न्यायाधीश

राशन घोटाले में ईडी को अदालत में सवालों का करना पड़ा सामना

कोलकाता, समाज्ञा : राशन आवंटन भ्रष्टाचार मामले में तीन लोगों की गिरफ्तारी को लेकर ईडी को गुरुवार को एक बार फिर कोर्ट में न्यायाधीश के सवालों का सामना करना पड़ा। आरोपित हितेश चांडक, सुब्रत घोष और शांतनु भट्टाचार्य को हिरासत में लेने के बाद जज ने जानना चाहा कि पिछले नौ दिनों की पूछताछ के दौरान ईडी को क्या नई जानकारी मिली है। जब केंद्रीय जांच एजेंसी ने उन्हें और पांच दिनों के लिए हिरासत में मांगा तो जज ने सवाल किया कि मीडिया रिपोर्टों के लिए उन्हें हिरासत में नहीं भेजा जा सकता। बता दें कि ईडी ने राशन भ्रष्टाचार मामले में हितेश, सुब्रत और शांतनु को 23 दिसंबर को गिरफ्तार किया था। हितेश और सुब्रत चावल मिल मालिक हैं। शांतनु राज्य के पूर्व मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक का सीए (चार्टर्ड अकाउंटेंट) था। तीनों को गुरुवार को कोर्ट में पेश किया गया। इससे पहले जब हितेश, सुब्रत और शांतनु को कोर्ट में पेश किया गया था तो उनकी गिरफ्तारी पर जज ने सवाल उठाया था। जज ने कहा था कि अगर तलाशी एक साल पहले की गई थी तो उन्हें इतने दिनों बाद गिरफ्तार क्यों किया गया?

❑ पूर्व मंत्री ने बेहिसाब संपत्ति राशन भ्रष्टाचार से अर्जित की, इसका सबूत कहां?

कोर्ट में जज ने ईडी से यह भी पूछा कि राज्य के पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक की बेहिसाब संपत्ति राशन भ्रष्टाचार से बनाई गई पाई गई है, इसका सबूत कहां है? ज्योतिप्रिय की अर्जित संपत्ति किसी अन्य भ्रष्टाचार का नतीजा भी हो सकती है। इस पर ईडी ने इस भ्रष्टाचार की तुलना हिमालय से करते हुए कोर्ट को बताया कि जांच के दौरान कई सरकारी दस्तावेज और सरकारी अधिकारियों की मुहरें मिलीं। ज्योतिप्रिय मल्लिक के निर्देश पर ही इतना बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है।

हाईकोर्ट ने सीएपीएफ में भर्ती दिशा-निर्देशों में ढील देने की याचिका की खारिज

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता हाईकोर्ट ने केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) में कांस्टेबल के रूप में चयन के लिए एक अभ्यर्थी की याचिका खारिज कर दी है, जिसकी निर्धारित ऊंचाई निर्धारित ऊंचाई से कम थी। न्यायालय ने कहा कि ऐसी स्थिति में शारीरिक मानक परीक्षण के परिणाम में हस्तक्षेप की गुंजाइश बहुत सीमित है। न्यायमूर्ति अरिंदम मुखर्जी ने याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति मुखर्जी ने कहा कि ऐसी स्थिति में शारीरिक मानक परीक्षण (पीएसटी) के परिणाम में हस्तक्षेप करने का न्यायालय को कोई कारण नहीं दिखता है, क्योंकि याचिकाकर्ता ने इसके लिए प्रार्थना की थी। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में शारीरिक मानक परीक्षण के परिणाम में हस्तक्षेप की गुंजाइश बहुत सीमित है और इसे सावधानी से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता चयन प्रक्रिया और समीक्षा परीक्षा दोनों में ऊंचाई की आवश्यकता के आधार पर असफल रहा है। अपनी याचिका में हारुन मिया ने प्रार्थना की थी कि 2024 की भर्ती परीक्षा के लिए रोजगार नोटिस के अनुसार सीएपीएफ में कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी) की भर्ती प्रक्रिया में उन पर विचार किया जाए। पीएसटी में याचिकाकर्ता की ऊंचाई 169.4 सेमी पाई गई। उनके वकील ने दावा किया कि मई, 2015 में प्रकाशित सीएपीएफ और असम राइफल्स में भर्ती चिकित्सा परीक्षा के लिए दिशा-निर्देशों के अनुसार, जिस उम्मीदवार की ऊंचाई रोजगार सूचना में दी गई न्यूनतम ऊंचाई से कम है, उसे पीएसटी के लिए निर्धारित न्यूनतम ऊंचाई से 0.5 सेमी का लाभ दिया जाएगा। याचिकाकर्ता की प्रार्थना का विरोध करते हुए, केंद्र सरकार के वकीलों ने कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा भरोसा किए गए 2015 के दिशा-निर्देश पीएसटी चरण में लागू नहीं होते हैं, क्योंकि ऐसे दिशा-निर्देशों की प्रस्तावना में यह कहा गया है कि यह केवल भर्ती चिकित्सा परीक्षा के लिए दिशा-निर्देश है। उन्होंने यह भी कहा कि ऊंचाई में छूट केवल अनुसूचित जनजातियों या कुछ अन्य श्रेणियों के मामले में दी जा सकती है, जहां न्यूनतम ऊंचाई निर्धारित की गई होगी, जो कि निर्धारित ऊंचाई 170 सेमी से कम है। वकीलों ने कहा कि याचिकाकर्ता को छूट की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि इससे बाढ़ आने की संभावना है, और विशेषज्ञ निकायों द्वारा निर्धारित मापदंडों के आधार पर संपूर्ण चयन तंत्र अप्रासंगिक हो जाएगा।

निगम मुख्यालय में बढ़ रही है चोरी की घटनाएं, मेयर ने की सीपी से शिकायत

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता नगर निगम मुख्यालय में चोरी की घटना घटी। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने बिल्डिंग में ही चोरी होने की जानकारी पुलिस कमिश्नर को पत्र भेजकर दी। नगर निगम सूत्रों के अनुसार, एसएन बनर्जी रोड स्थित कोलकाता नगर निगम के मुख्यालय से एसी मशीन के केबल समेत विभिन्न विद्युत केबल की चोरी की शिकायत मिली है। इस बार नगर निगम ने कोलकाता पुलिस से संपर्क किया है। नगर आयुक्त स्वप्नकुमार कुंडू ने कहा कि नगर निगम द्वारा न्यू मार्केट पुलिस स्टेशन में शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। कई स्रोतों का दावा है कि विभिन्न मोटे बिजली के तारों को काटकर उनसे तांबा निकाला जा रहा है। इस काम में कौन शामिल है, इसकी पहचान अभी तक न तो नगर निगम और न ही पुलिस कर पाई है। दिसंबर 2023 के अंत में भी नगर पालिका के अंदर एसी का तार काटकर तांबा चोरी की शिकायत मिली थी। एक सूत्र के मुताबिक, स्थिति ऐसी है कि घटना के कारण कई मेयर परिषद और विभिन्न विभागों की एसी मशीनें बंद करनी पड़ीं। कोलकाता नगर निगम के हर प्रवेश द्वार पर पुलिस की कड़ी सुरक्षा है। सीसीटीवी कैमरे से निगरानी है। फिर भी इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि आखिर ये चोरी कैसे हो रही है। कुछ लोगों का कहना है कि टाउन हॉल की बाहरी दीवारों के आसपास के सभी केबल चोरी हो रहे हैं।

नए साल में बंगाल का बकाया चुकाया जाए, प्रधानमंत्री मणिपुर का दौरा करें : डेरेक ओ'ब्रायन

नयी दिल्ली/कोलकाता : तृणमूल नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार को नए साल में पश्चिम बंगाल का मनरेगा का बकाया चुकाना चाहिए और मणिपुर में हिंसा तथा देश में महंगाई पर अंकुश लगाने और बेरोजगारी जैसे मुद्दों के समाधान के लिए कदम उठाने चाहिए। अपने ब्लॉग में एक पोस्ट में तृणमूल नेता ने 25 चीजें सूचीबद्ध करते हुए कहा कि केंद्र को 2025 में इन्हें करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि महंगाई को नियंत्रित करना पहला कदम होना चाहिए। तृणमूल नेता ने यह भी कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि सुनिश्चित करना, विदेशी निवेश आकर्षित करना, रुपये को मजबूत बनाना, सभी के लिए भोजन प्रदान करना और समान वेतन सुनिश्चित करने जैसे आर्थिक उपाय केंद्र सरकार को करने चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र को आम आदमी के हित में काम करना चाहिए। ओ'ब्रायन ने कहा कि पिछले चार वर्षों में, औद्योगिक क्षेत्र के लिए कुल 5.65 लाख करोड़ रुपये की राशि माफ की गई है, जबकि सबसे बड़ा रोजगार पैदा करने वाले कृषि क्षेत्र पर अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से ऋण माफी के मामले में सबसे कम ध्यान दिया गया। केंद्र से पश्चिम बंगाल का बकाया चुकाने की मांग करते हुए राज्यसभा में तृणमूल संसदीय दल के नेता ओ'ब्रायन ने कहा कि केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य का 1,500 करोड़ रुपये बकाया है। उन्होंने कहा कि धन का भुगतान न होने से 59 लाख मनरेगा श्रमिकों की आजीविका पर सीधा असर पड़ा है। मणिपुर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां एक साल से अधिक समय से हिंसा जारी है, जिसके कारण 67,000 लोगों का विस्थापन हुआ है जिनमें 14,000 स्कूली छात्र हैं। ओ'ब्रायन ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अभी तक राज्य तक का दौरा नहीं किया है। तृणमूल नेता ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में निलंबित विपक्षी सांसदों की संख्या 13 गुना बढ़ गई है और पिछले 10 वर्षों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज किए गए 95 प्रतिशत मामले विपक्ष के लोगों के खिलाफ थे। ओ'ब्रायन ने इस बात पर भी जोर दिया कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की जानी चाहिए।

हावड़ा स्टेशन पर 92 हजार के जाली नोटों के साथ युवक गिरफ्तार

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा रेलवे स्टेशन से मंगलवार को जाली नोटों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पश्चिम बंगाल की स्पेशल टास्क फोर्स की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर हावड़ा स्टेशन से युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी युवक की पहचान मुर्शिदाबाद निवासी मुन्ना के रूप में हुई है। मुन्ना के पास से 92 हजार रुपये के जाली नोट बरामद किए गए हैं, जो सभी 500 रुपये के हैं। जांच में पता चला है कि वह जाली नोटों को मालदह से लेकर हावड़ा स्टेशन पहुंचा था। नोटों को उसने एक पॉलीथिन बैग में छिपा रखा था। एसटीएफ ने मुन्ना को हावड़ा जीआरपी के हवाले कर दिया। पुलिस उससे पूछताछ कर जाली नोटों के नेटवर्क और अन्य संलिप्त व्यक्तियों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। इस गिरफ्तारी से जाली नोटों के प्रसार पर लगाम लगाने में बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद है।

आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गृहिणी गिरफ्तार

एक महीने बाद गिरफ़्तारी, पड़ोसी युवती को गुस्से में कहा था मरने को

कोलकाता, समाज्ञा : युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में एक गृहिणी को गिरफ्तार किया गया। घटना के एक महीने बाद, गृहिणी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, गृहिणी का नाम तरन्नम आरा है। यह घटना 30 नवंबर को कोलकाता के जोडासांको इलाके में हुई थी। उस इलाके के मित्रा लेन पर एक पांच मंजिला मकान में कई परिवार रहते हैं। आरोपी गृहिणी घर की तीसरी मंजिल पर 18 वर्षीय फिरोजा परवीन के बगल वाले कमरे में रहती है। पानी लाने से लेकर बाथरूम के इस्तेमाल तक, कई चीजों को लेकर दोनों परिवारों में लोग हर दिन झगड़ते हैं। घटना की सुबह से ही युवती और गृहिणी में अक्सर झगड़ा होता रहता था। दोपहर होते-होते दोनों के बीच नोकझोंक बढ़ गई। इस गुस्से में आकर गृहिणी ने युवती से कह दिया कि तुम मर नहीं सकती?कब मरोगी। उस घर के निवासियों ने जोड़ासांको थाने के पुलिस अधिकारियों को बताया कि गृहिणी के ऐसा कहने के बाद युवती मानसिक रूप से टूट गई। दोपहर करीब तीन बजे इलाके के लोग आवाज सुनकर दौड़े। इसमें देखा जा सकता है कि युवती घर के सामने लहूलुहान हालत में पड़ी है। अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने युवती को तीसरी मंजिल की बालकनी से कूदते देखा। बिहार में अपने घर से लौटने के बाद माता-पिता ने हत्या की शिकायत दर्ज कराई। आरोपी गृहिणी के अलावा कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है लेकिन पुलिस अधिकारियों को इस बात का सबूत नहीं मिल सका कि युवती की हत्या की गयी है। अंत में जांच में पता चला कि लड़की को इस तरह उकसाया गया कि उसने आत्महत्या कर ली। इसके बाद कोर्ट की अनुमति से केस से हत्या की धारा हटा दी गई और आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा जोड़ दी गई। बुधवार को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पुलिस ने गृहिणी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

नव वर्ष मनाने पिकनिक स्पॉट पर रिकॉर्ड भीड़

ईको पार्क में 90 हजार तो चिड़ियाघर में 85 हजार से अधिक पहुंचे लोग

कोलकाता, समाज्ञा : साल का पहला दिन और ठंड ने अंगड़ाई लेनी शुरु कर दी थी। छुट्टी का माहौल कोलकाता के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर आठ से अस्सी तक के रिकार्ड भीड़ देखने को मिली। साल के पहले दिन इको पार्क में काफी भीड़ रही। उस दिन 91 हजार 683 लोगों ने वहां कदम रखा। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, 2025 के पहले दिन इको पार्क में 91 हजार 683 लोग उमड़े। नए साल के पहले दिन अलीपुर चिड़ियाघर में पशु-पक्षियों को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। पशु-पक्षियों को देखते हुए खाना-पीना चलता रहता है। साल के पहले दिन अलीपुर चिड़ियाघर में 85 हजार 456 लोगों ने कदम रखा। भीड़ के मामले में अलीपुर चिड़ियाघर को इको पार्क से कुछ हजार से 'हार' माननी पड़ी। वहीं, पारिवारिक मनोरंजन पार्क निको पार्क में भी जॉयराइड का आनंद लेने के लिए पहले दिन भीड़ उमड़ी। 6 हजार 623 लोगों ने वहां कदम रखा।

माकपा केंद्रीय समिति की बैठक में बांग्लादेशी कलाकार आमंत्रित, मचा बवाल

कोलकाता, समाज्ञा : माकपा की सेंट्रल कमेटी की बैठक कोलकाता में हो रही है। यह आयोजन 17, 18 और 19 जनवरी को होगा। बांग्लादेश के कलाकार को न्यूटाउन में ज्योति बोस अनुसंधान केंद्र के एक हिस्से के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर रेजवाना चौधरी बान्या संगीत प्रस्तुत करेंगी। माकपा केंद्रीय समिति की बैठक 17 जनवरी से 19 जनवरी तक कोलकाता के ज्योति बसु नगर में हो रही है। यह आयोजन उसी अवसर पर है। यह कार्यक्रम तीन दिवसीय बैठक के पहले दिन 17 जनवरी की सुबह आयोजित होने वाला है। भाजपा बांग्लादेश के उत्पादों के बहिष्कार का आह्वान कर रही है। उस समय माकपा बांग्लादेश से कलाकार लाकर ज्योति बोस अनुसंधान केंद्र के एक हिस्से का उद्घाटन कर रही थी।

जयनगर में तालाब से तीन शव बरामद, सड़क हादसे में मौत की आशंका

कोलकाता, समाज्ञा : साल के पहले दिन दर्दनाक सड़क हादसे में तीन बाइक सवारों की मौत हो गई। बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकराने से तीनों तालाब में गिर गए और उनकी मौत हो गई। हादसा बुधवार को जयनगर के बकुलतला थाने के दारा-बत्रा रोड पर हुआ। तीनों मृतकों के नाम विश्व नस्कर (23), राजकुमार हलदर (27), गोपेश्वर हलदर (26) हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही बकुलतला थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। तीन शव बरामद कर लिए गए हैं। शवों को गुरुवार को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह हादसा तब हुआ जब नए साल के दिन तीन लोग शराब के नशे में बाइक चला रहे थे, हालांकि तीनों मृतकों ने हेलमेट नहीं पहना था। घटना से इलाके में मातम छा गया।

2026 विधानसभा चुनावों में विरोधियों का होगा सुपड़ा साफ : अरिंदम गुइन

हुगली, समाज्ञा : हुगली जिले के सेवड़ाफुली के सत्तुगंज बाजार स्थित घाट संलग्न इलाके में आयोजित रक्तदान शिविर कार्यक्रम के मंच से बैद्यवाटी नगरपालिका के चेयरमैन पिंटू महतो ने कहा कि बंगाल कर्म स्थली है। यहां काम से ही पहचान बनती है। खेला मेला रक्तदान समेत सामाजिक हित के कार्यक्रम साल भर आयोजित होते है। सिर्फ धर्म के नाम पर राजनीति करने वालों को जनता करारा जवाब देगी। इस दिन दिवंगत भूतपूर्व सांसद अकबर अली की 68वीं जन्म जयंती के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। 350 विभिन्न धर्म समुदाय के महिला पुरुष युवा रक्त दाताओं में रक्त दान किया। श्रीरामपुर वॉल्स अस्पताल एवं श्रमजीवी अस्पताल के ब्लड बैंक के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने रक्त दाताओं के स्वास्थ्य जांच के बाद रक्त संग्रह किया। रक्त दाताओं को उपहार और प्रमाणपत्र सौंपा गया। मौके पर चांपदानी विधानसभा से विधायक अरिंदम गुइन, श्रीरामपुर विधायक डॉक्टर सुदीप्त राय, चेयरमैन पिंटू महतो, वाइस चेयरमैन विनय कुमार, स्वाति खांडेकर, संतोष सिंह, स्वप्न नंदी, श्यामलेंदु मुखर्जी, कोन्ननगर नगरपालिका के चेयरमैन स्वप्न कुमार दास, बांसबेडिया नगरपालिका के चेयरमैन आदित्य नियोगी,वाइस चेयरमैन शिल्पी चटर्जी, पार्षद मनोज साव, जयनाथ झा, हरिपाल विधायक कारवी मन्ना समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर अरिंदम गुइन ने कहा कि 2026 विधानसभा चुनावों में विरोधी शून्य होंगे।

बांग्लादेश लौट रही मां-बेटी और एक बच्चा पुलिस के जाल में

कोलकाता, समाज्ञा : छह माह पहले कंटीले तार पार कर बंगाल में घुसे थे। कुछ समय तक मुंबई में काम किया। बांग्लादेश में अशांति बढ़ने पर उन्होंने घर लौटने की योजना बनाई। यही पर समस्या हो गई। दो बांग्लादेशी महिलाएं और एक बच्चा पुलिस के घेरे में हैं। बच्चे को घर भेज दिया गया है। निवासी रूना खातून और हसीना बेगम ने हाल ही में इस देश से बांग्लादेश लौटने की योजना बनाई। ये मां-बेटी का रिश्ता है। पता चला कि वे छह माह पहले अवैध रूप से भारत आए थे लेकिन असल में रहने वाला बांग्लादेश के नरैल का रहने वाला है। रूना और हसीना के साथ एक पांच साल का बच्चा भी था। भारत में प्रवेश करने के बाद वे मुंबई चले गए । वे वहां वेट्रेस काम करती थी। बांग्लादेश में अशांति बढ़ने पर उन्होंने घर लौटने का फैसला किया। इस तरह वह मुंबई से बंगाल आए। गायघाटा में दिखाई दिया। योजना कंटीली तार पार कर घर लौटने की थी लेकिन आखिरी बचाव नहीं हो सका। गायघाटा से दो को गिरफ्तार किया गया है। साथ आए पांच साल के बच्चे को घर भेज दिया गया है।

बनगांव में लापरवाह ट्रक ने सिविक वड़लंटियर को कुचला

कोलकाता, समाज्ञा : लापरवाह ट्रक की चपेट में आने से एक सिविक वालंटियर की मौत हो गई। घटना बुधवार शाम को बनगांव थाने के आरामडांगा इलाके के बनगांव बागदा रोड पर हुई । मृतक सिविक वालंटियर का नाम सौमित्र आचार्य (32) है। बनगांव थाने के आमडांगा इलाके में घर बनगांव थाने में कार्यरत हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने किलर ट्रक को जब्त कर लिया है। परिवार और पड़ोसियों ने बताया कि सौमित्र खरीदारी कर बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। तभी पीछे से एक ट्रक आया और उसे टक्कर मार दी स्थानीय लोगों ने उसे बचाया और बनगांव उप-जिला अस्पताल ले आए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों की शिकायत है कि बंगाण बगदा रोड से होकर पानी की पाइप डालने के लिए सड़क की खुदाई लंबे समय से चल रही है। सड़कें खतरनाक स्थिति में हैं। संकरी सड़कों पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। परिजनों ने बताया कि सौमित्र की पत्नी और एक छोटा बच्चा है। हर कोई यह सोच कर रो रहा है कि अब परिवार का क्या होगा।

पिकनिक के बीच मिला युवक का शव, पत्नी फरार

पूर्व मेदिनीपुर : साल के पहले दिन पिकनिक मनाने के दौरान एक युवक की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पूर्वी मेदिनीपुर के एगरा के दीघा मोड़ इलाके में हुई इस घटना को लेकर काफी हंगामा हुआ। पुलिस ने शव को पहले ही बरामद कर लिया है और शव परीक्षण के लिए भेज दिया है। मालूम हो कि मृतक का नाम रवि सिंह है। उसकी उम्र 45 साल है। गुरुवार को एगरा नगर पालिका के वार्ड नंबर 1 में एगरा दीघा मोड़ से सटे खाली जगह पर स्थानीय लोगों ने एक शव पड़ा देखा। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने जाकर शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, घटना के बाद से मृतक की पत्नी और दोस्त फरार हैं। मृतक के पड़ोसियों के मुताबिक, युवक और उसकी पत्नी के बीच रिश्ते बहुत अच्छे नहीं थे। लगातार उथल-पुथल मची रही. इसी बीच उन्होंने बुधवार पहली जनवरी को पिकनिक का आयोजन किया। संभवतया वहां अशांति के कारण रवि की हत्या कर दी गई। फिर शव को बिना सबूत के सड़क पर छोड़ दिया गया। पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। इस भयानक घटना के सही कारण की जांच की जा रही है। मृतक की पत्नी और पिकनिक पर मौजूद अन्य लोगों की तलाश जारी है।

शियाखाला में शव को ले जा रही गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, 8 लोग घायल

हुगली, समाज्ञा : हुगली जिले के श्रीरामपुर के कालीबाबू श्मशान घाट जाते समय एक हुए सड़क हादसे में 8 लोग दुर्घटना का शिकार हो गए। दुर्घटना में आठ लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। मिली जानकारी के अनुसार दोपहर में हरिपाल के गजार मोड़ द्वीपा इलाके से 407 वाहन में मृतक का शव लेकर कुछ लोग श्मशान घाट जा रहे थे। हरिपाल थाना क्षेत्र के शियाखाला के सिनेमा तल्ला इलाके में शव वाहन ने अचानक नियंत्रण खो दिया और एक दुकान की दीवार तोड़कर अंदर घुस गया। जिस कारण यह हादसा हुआ। दुर्घटना में घायल लोगों को स्थानीय नर्सिंग होम ले जाया गया। जिसमें से एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को बेहतर इलाज के लिए कोलकाता भेजा गया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटाया। इसके बाद, पुलिस ने मृतक के शव को अंतिम संस्कार के लिए भेजने की व्यवस्था की।

मालदह मेडिकल के प्रसूति विभाग में लगी आग

मालदह : मालदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में आग लग गई। अस्पताल के प्रसूति वार्ड में गुरुवार को आग लग गई। अस्पताल परिसर काले धुएं से भर गया। मरीज और मरीज के परिजन घबरा गए। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि अस्पताल में आग कैसे लगी। कई लोग अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। गुरुवार दोपहर के तीन बजे थे। मालदह मेडिकल कॉलेज व अस्पताल का प्रसूति वार्ड अचानक काले धुएं से भर गया। मरीजों के बीच भगदड़ मच गई ।अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। एक इंजन तुरंत मौके पर पहुंच गया। कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। अस्पताल में आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। लेकिन आग लगने के पीछे कोई और वजह है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है।

झाड़ग्राम मेडिकल कॉलेज अस्पताल से कर्मचारी का लटकता हुआ शव बरामद

झाड़ग्राम : झाड़ग्राम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल से आज सुबह एक ग्रुप सी कर्मचारी का शव फंदे से लटकता हुआ बरामद हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह अस्पताल अधीक्षक ने विश्वजीत सरकार उर्फ पलटू का शव अस्पताल परिसर के कारशेड में लटका हुआ देखा। इसकी सूचना झाड़ग्राम थाने को दी गयी। सूचना पाकर पुलिस ने आकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अस्पताल के अधीक्षक इंद्रनील सरकार ने कहा कि ग्रुप सी कर्मी का लटकता हुआ शव आज सुबह बरामद किया गया। जब मामले की सूचना थाने को दी गई तो पुलिस पहुंची और शव को बरामद किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। विश्वजीत काफी समय से अस्पताल में ड्राइवर की नौकरी करते थे। वह अपने परिवार के साथ अस्पताल परिसर में बने क्वार्टर में रहते थे।

रिसड़ा नगरपालिका के समक्ष 300 जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण

हुगली, समाज्ञा : रिसड़ा नगरपालिका के समक्ष आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम के मंच से तकरीबन 300 जरूरतमंदों में कंबल बांटे गए। रिसड़ा नगरपालिका के चेयरमैन विजय सागर मिश्रा के नेतृत्व मे 9 नंबर वार्ड कमेटी के तत्वावधान मे पार्षद उषा देवी साव के सहयोगी प्रकाश साव के संचालन मे तकरीबन 300 जरुरतमंदों एवं असहाय मे कंबल वितरित किया गया। इस मौके पर श्रीरामपुर विधानसभा से विधायक डॉ सुदीप्त राय, रिसड़ा नगरपालिका के वाइस चेयरमैन जाहिद हसन खान, पार्षद मनोज साव, पार्षद उषा देवी साव, मनोज गोस्वामी, अभिजित दास समेत अन्य उपस्थित रहे। इस मौके पर प्रकाश साह ने कहा कि, जिस तरह से रक्तदान से मानव जीवन को बचाया जा सकता है, ठीक वैसे ही ठंड में ठिठुरन से सड़क पर रहने वालों को कंबल दान करके जीवन की रक्षा की जा सकती है। अनेकों लोग ऐसे है जिन्हे छत नसीब नहीं होती। वे लोग खुले आसमान के नीचे शीतलहर में फुटपाथ, रेलवे स्टेशन, सड़क किनारे रहते है। ठंड से उन्हें बचाने का एक मात्र उपाय कंबल वितरण है।

महिषबथान में जन्मदिन पर बुलाकर डिलीवरी बॉय की पीटकर कर हत्या, एक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : नए साल की पूर्व संध्या पर बुलाकर एक युवक की कथित तौर पर पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। आरोपी युवक का दोस्त है। यह घटना मंगलवार रात साल्टलेक के महिषबथान उदयन पल्ली इलाके में हुई। इस बीच विधाननगर इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मृत युवक का नाम सुब्रत माझी है। उम्र 26 साल है। वह डिलीवरी ब्वॉय का काम करता था। विधाननगर पुलिस हत्या के मामले में सबुज मिस्त्री को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। एक जनवरी को जन्मदिन था। युवक की बुधवार दोपहर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। 31 दिसंबर की रात करीब 10:30 बजे सोना नाम के युवक ने सुब्रत को फोन किया। वह थोड़ी देर में लौटने की बात कहकर घर से निकला था। जब कुछ घंटों के बाद भी वह वापस नहीं लौटा तो उसकी मां ने उसे कई बार फोन किया। लेकिन फ़ोन नहीं मिल रहा था। तलाश करने पर नहीं मिला। तब परिवार को पता चला कि मृत्युंजय नाम का एक दोस्त सुब्रत को पड़ोस के एक डॉक्टर के पास ले गया था। फिर डॉक्टर ने उसे अस्पताल ले जाने को कहा। जब सुब्रत को घर लाया गया तो उनकी हालत गंभीर थी। इसके बाद परिवार के सदस्य सुब्रत को बिधाननगर उप-जिला अस्पताल ले गए। हालत बिगड़ने पर आरजी कर को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस मौत के बाद से मृत्युंजय नाम का युवक फरार है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक युवक घर के पास एक क्लब फील्ड में गिर गया। जगह को पुलिस ने घेर लिया है। हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स थाने की पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस घटना में कौन शामिल है और पिटाई क्यों हुई। कई दोस्तों से पूछताछ की गई।

न्यूज इन ब्रीफ

जामा मस्जिद मामले में सर्वेक्षण रिपोर्ट चंदौसी अदालत में दाखिल

संभल (उप्र) : संभल जामा मस्जिद के जुड़े मामले में 'कोर्ट कमिश्नर' ने बृहस्पतिवार को एक विस्तृत सर्वेक्षण रिपोर्ट चंदौसी की अदालत में दाखिल की। इस रिपोर्ट में सभी कोण से वीडियोग्राफी शामिल है तथा यह सर्वेक्षण 19 और 24 नवंबर को किया गया था। 'कोर्ट कमिश्नर' रमेश सिंह राघव ने रिपोर्ट दाखिल करने के बाद संवाददाताओं को बताया कि यह सर्वेक्षण संभल की शाही जामा मस्जिद का है जो कानूनी विवादों का केंद्र रहा है। इस मस्जिद को हरिहर मंदिर होने का दावा किया गया है। राघव ने कहा,'' यह सर्वेक्षण अदालत के निर्देश के मुताबिक किया गया और वीडियोग्राफी समेत संपूर्ण रिपोर्ट आज सीलबंद लिफाफे में सिविल जज(सीनियर डिवीजन) को सौंपा गया। '' समझा जाता है कि यह रिपोर्ट करीब 40-45 पृष्ठों की है। मुगल कालीन जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने के अदालत के आदेश के बाद 19 नवंबर से ही इस मामले पर सभी की नजर रही है। दूसरा सर्वेक्षण 24 नवंबर को किया गया और इस दौरान हिंसा भड़क गई जिसमें चार व्यक्तियों की मौत हुई और कई अन्य घायल हुए।

झारखंड में मोटरसाइकिल और एसयूवी की टक्कर में तीन युवकों की मौत

लातेहार (झारखंड) : झारखंड के लातेहार जिले में एसयूवी और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसे का शिकार हुए युवकों की उम्र 18 से 22 वर्ष के बीच थी और मोटरसाइकिल पर सवार तीनों युवकों ने हेलमेट नहीं पहना था। अधिकारी ने बताया कि मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 39 पर एक कॉलेज के पास हुई दुर्घटना में युवकों के सिर में गंभीर चोटें आईं। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोग युवकों को सदर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

महाकुम्भ के पहले संगम क्षेत्र में सज रही हैं पूजन सामग्री की दुकानें

महाकुम्भ नगर : प्रयागराज में संगम पर महाकुम्भ की शुरुआत से पहले मेला क्षेत्रों के दुकानदार नेपाल, वाराणसी और मथुरा-वृंदावन से मंगाई गई पूजा सामग्री, पत्र-पंचांग, रुद्राक्ष, तुलसी की माला और पवित्र ग्रंथों सहित आवश्यक धार्मिक वस्तुओं को जमा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि महाकुम्भ-2025 की तैयारियां जोरों पर हैं और आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए तेजी से प्रयास चल रहे हैं। ज्योतिषाचार्यों की गणना के अनुसार ग्रह नक्षत्रों के विशिष्ट संयोग से इस वर्ष प्रयागराज में 144 वर्ष बाद पड़ने वाले महाकुम्भ का आयोजन होने जा रहा है। महाकुम्भ-2025, 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ शुरू हो कर 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के स्नान के साथ इसका समापन होगा। मेले के लिए तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। महाकुम्भ का इंतजार न केवल साधु-संन्यासी, कल्पवासी, श्रद्धालु बल्कि प्रयागराजवासी भी बेसब्री से कर रहे हैं। महाकुम्भ में संगम, मेला क्षेत्र और प्रयागराज के दुकानदार पूजा सामग्री, पत्र-पंचांग, धार्मिक पुस्तकें, रुद्राक्ष और तुलसी की मालाओं को नेपाल, वाराणसी, मथुरा-वृंदावन से मंगवा रहे हैं। महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालु लौटते समय अपने साथ संगम क्षेत्र से धार्मिक पुस्तकें, पूजन सामग्री, रोली-चंदन और मालाएं जरूर ले जाते हैं। महाकुम्भ, सनातन आस्था का महापर्व है। इस अवसर पर सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोग देश के कोने-कोने से प्रयागराज आते हैं और त्रिवेणी संगम में स्नान कर पुण्य के भागी बनते हैं।

बिहार: तापमान में गिरावट जारी, पटना में विद्यालयों का समय बदला गया

पटना : बिहार में बृहस्पतिवार को कई स्थानों पर तापमान में गिरावट दर्ज की गयी। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के मुताबिक, डेहरी और बांका में न्यूनतम तापमान सबसे कम 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, राजधानी पटना सहित विभिन्न हिस्सों में अगले तीन से चार दिनों में न्यूनतम तापमान 6 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। विभाग ने बताया कि डेहरी और बांका के बाद औरंगाबाद (6.7 डिग्री), बक्सर (7.1 डिग्री), भागलपुर 7.6 (डिग्री), गया व अरवल (7.8 डिग्री), वैशाली (8.4 डिग्री), सहरसा (8.5 डिग्री) और सीतामढ़ी (8.6 डिग्री) में तापमान कम रहा। पटना में बृहस्पतिवार को न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बिहार: 'इंडिया' गठबंधन में शामिल होने के सवाल पर नीतीश कुमार का गोलमोल जवाब

पटना : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद के विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में वापस आने के प्रस्ताव पर गोलमोल जवाब दिया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, क्या बोल रहे हैं। राजभवन में नये राज्यपाल के तौर पर आरिफ मोहम्मद खान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए कुमार से जब लालू प्रसाद के नये प्रस्ताव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने हाथ जोड़कर मुस्कुराते हुए बस इतना ही कहा, 'क्या बोल रहे हैं'। खान और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ खड़े कुमार से जब यह पूछा गया कि क्या राज्य सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर पाएगी, तो नवनियुक्त राज्यपाल ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, इस तरह के सवाल पूछने का यह सही समय नहीं है। आज खुशी का दिन है। हमें सिर्फ अच्छी चीजों के बारे में बात करनी चाहिए।

बिहार : प्रशांत किशोर ने बीपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर आमरण अनशन शुरू किया

पटना : जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने हाल ही में आयोजित बिहार लोक सेवा परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को पटना के गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे आमरण अनशन शुरू किया। किशोर ने पटना के गांधी मैदान में यह घोषणा की। गांधी मैदान उस स्थान से कुछ किलोमीटर दूर है जहां कई पीड़ित उम्मीदवार लगभग दो सप्ताह से चौबीसों घंटे विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किशोर ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी मांगों में परीक्षा रद्द करना और नए सिरे से परीक्षा आयोजित करना शामिल है। उन्होंने कहा ''मैं उन भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग करता हूं, जिन्होंने कथित तौर पर परीक्षाओं द्वारा भरे जाने वाले पदों को खरीद-फरोख्त के लिए रखा है।'' उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा से मुलाकात के तुरंत बाद, किशोर ने सोमवार को कहा था कि वह '48 घंटे' तक इंतजार करेंगे और अगर नीतीश कुमार सरकार 13 दिसंबर को आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षाओं पर कोई कार्रवाई करने में विफल रही, तो आंदोलन तेज हो जाएगा।

सहारनपुर में रेलवे पटरी पर धातु का टुकड़ा मिला

अधिकारियों ने जांच शुरू की

सहारनपुर (उप्र) : उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में टपरी हरिद्वार लाइन पर रेलवे पटरी पर लोहे के एक बड़े टुकड़े का समय रहते पता चलने से एक बड़ा हादसा टल गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रेलवे ने मंगलवार की सुबह हुई इस घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। रेलवे अधिकारी, राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीमों के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। अवरोध को हटाने के लिए ट्रेन यातायात को अस्थायी रूप से रोक दिया गया। बाद में रेलवे सेवाएं सुचारू रूप से बहाल हो सकीं। सहारनपुर के स्टेशन अधीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि मंगलवार रात्रि एक बजे टपरी रेलवे पटरी पर लोहे का एक बड़ा टुकड़ा पड़ा होने की जानकारी मिलते ही आनंद विहार से कोटद्वार जा रही ट्रेन को रोक दिया गया। मौके से लोहे के इस टुकड़े को हटाकर रेल मार्ग को सुचारू कर दिया गया। 15 मिनट की देरी के बाद आनंद विहार कोटद्वार एक्सप्रेस को रवाना कर दिया गया। सुनील कुमार ने बताया कि इस घटना को साजिश मानकर जांच कराई जा रही है। आर पी एफ शामली द्वारा इस मामले की जांच की जाएगी।

न्यूज अपडेट

सोलह साल जेल में बिताने के बाद पाकिस्तानी युवक अपने परिजनों से मिलेगा

गोरखपुर (उप्र) : सोलह साल जेल में बिताने के बाद पाकिस्तानी नागरिक मोहम्मद मसरूफ अंततः अपने परिवार से मिलने जा रहा है। 50 वर्षीय मसरूफ को सात फरवरी को गोरखपुर जिला जेल से रिहा किया जाएगा। उसे 2008 में जेल की सजा हुई थी। मसरूफ को बहराइच में भारत-नेपाल सीमा के पास गिरफ्तार किया गया था। उसने बिना वीसा या पासपोर्ट के भारत में अवैध रूप से प्रवेश किया था। शुरुआत में उस पर जासूसी का आरोप लगा था। हालांकि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उसे इन आरोपों से बरी कर दिया था और उसे खिलाफ केवल आव्रजन नियमों के उल्लंघन का आरोप बरकरार रखा था। अधिकारियों ने कहा कि जेल में 16 साल बिता चुका मसरूफ निर्धारित सजा से अधिक समय तक जेल में रह चुका है। इसलिए गृह मंत्रालय ने उसकी रिहाई का आदेश जारी किया है। गोरखपुर जिला जेल अधीक्षक एके कुशवाहा ने इस घटनाक्रम की पुष्टि की और कहा कि मसरूफ को दिल्ली पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है जहां से उसे अटारी सीमा पर पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंपा जाएगा। कुशवाहा ने कहा, विदेश मंत्रालय ने उसके प्रत्यर्पण की सुविधा के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र पहले ही जारी कर दिया है और जेल अधिकारियों की तरफ से जारी कार्यवाही से इस प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिलेगी।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में वादी से हुई जिरह, अगली सुनवाई 10 जनवरी को

सुलतानपुर (उप्र) : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि मामले में बृहस्पतिवार को यहां स्थित सांसद/विधायक विशेष अदालत में सुनवाई हुई। मामला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बारे में राहुल गांधी द्वारा वर्ष 2018 में कर्नाटक चुनाव के दौरान की गई कथित अभद्र टिप्पणी से संबंधित है। इस संबंध में यहां के एक भाजपा नेता ने मामला दर्ज कराया था। बीते वर्ष फ़रवरी माह में अदालत से गांधी को जमानत मिल गई थी और फिर जुलाई माह में उन्होंने अदालत में अपना बयान दर्ज कराया था। गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि आज वादी विजय मिश्रा से जिरह हुई। उन्होंने कहा कि जिरह पूरी न होने के कारण अदालत अब इस मामले में अगली सुनवाई 10 जनवरी को करेगी।

उप्र : मां और चार बहनों की हत्या मामले में युवक के पिता की गिरफ्तारी के प्रयास जारी

लखनऊ : आगरा के युवक द्वारा अपनी मां और चार बहनों की लखनऊ के एक होटल में कथित तौर पर हत्या करने के मामले में आरोपी को बृहस्पतिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया जबकि उसके पिता को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। पुलिस उपायुक्त (मध्य लखनऊ) रवीना त्यागी ने कहा, ''हमने आरोपी मोहम्मद अरशद (24) के पिता मोहम्मद बद्र को तलाशने और उसे गिरफ्तार करने के लिए चार टीमें गठित की हैं। मुख्य आरोपी मोहम्मद अरशद ने अपने वीडियो में दावा किया है कि उसका पिता भी इस हत्या में शामिल था। अरशद को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।'' पुलिस के मुताबिक, यह घटना शहर के नाका क्षेत्र में स्थित होटल शरनजीत में घटी। आरोपी अरशद ने अपने ही परिवार के पांच सदस्यों की कथित तौर पर हत्या कर दी। मृतकों में अरशद की बहनें आलिया (9), अलशिया (19), अक्सा (16) और रहमीन (18) और उसकी मां असमा शामिल हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि शवों का पोस्टमार्टम डॉक्टरों के एक पैनल द्वारा किया गया जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। इस घटना के तुरंत बाद एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया जिसमें अरशद ने अपनी बहनों और मां की हत्या का अपराध स्वीकार किया है। उसका दावा है कि उसने अपने क्षेत्र के लोगों द्वारा उत्पीड़न की वजह से यह कदम उठाया। अरशद ने कहा, मैं मेरे पूरे परिवार के साथ असहाय और हताश होकर यह कदम उठाने को मजबूर हूं.. मैंने मेरी बहनों की हत्या कर दी है।

समाज्ञा व्यापार

उच्च ब्याज दरों, निर्यात वित्त में गिरावट से प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो रही है: संजय बुधिया

नयी दिल्ली : भारतीय निर्यातक उच्च ब्याज दरों तथा निर्यात वित्त में गिरावट के कारण नगदी संबंधी चुनौतियों से जूझ रहे हैं, जिसका असर उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता पर पड़ रहा है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की निर्यात-आयात (एक्जिम) पर राष्ट्रीय समिति के चेयरमैन संजय बुधिया ने कहा कि इन मुद्दों से निपटने के लिए सरकार तथा बैंकों को मिलकर प्रभावी समाधान निकालना होगा। बुधिया ने सुझाव दिया कि सरकार को एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु व मझौले उद्यम) सहित सभी विनिर्माण निर्यातकों के लिए ब्याज समानीकरण योजना (जो 31 दिसंबर 2024 को समाप्त हो रही है) को तीन साल के लिए बढ़ा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि योजना का दीर्घावधि तक विस्तार एक महत्वपूर्ण कदम होगा, क्योंकि इसके सीमित विस्तार से भारतीय विनिर्माता नुकसान में रहेंगे। बुधिया ने कहा, 'निर्यातक वास्तव में नगदी के मोर्चे पर महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उच्च ब्याज दरें तथा निर्यात वित्त में गिरावट से उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो रही है।' एमएसएमई निर्यातक जो भारत के निर्यात परिदृश्य की रीढ़ हैं, उन्हें पूर्व तथा पश्चात निर्यात ऋण के लिए ब्याज सब्सिडी को तीन प्रतिशत से बढ़ाकर पांच प्रतिशत करने से बहुत लाभ होगा। खासकर चमड़ा, इंजीनियरिंग, परिधान तथा रत्न व आभूषण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में..। निर्यातकों के शीर्ष संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) ने भी मांग की कि सरकार आगामी बजट में इस योजना को पांच साल के लिए बढ़ाए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक फरवरी को बजट पेश करेंगी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि बड़ी विदेशी परियोजनाओं के लिए ऋण पत्र सुविधाओं का विस्तार करने से निर्यातकों को बहुत आवश्यक सहायता मिल सकती है। बुधिया ने कहा, 'बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्यात ऋण गारंटी कार्यक्रमों के अंतर्गत 'कवरेज' को व्यापक बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम (ईसीजीसी) वर्तमान में 50 करोड़ रुपये तक की ऋण सीमा वाले निर्यातकों के लिए 90 प्रतिशत बीमा 'कवर' प्रदान करता है। उन्होंने कहा, 'इस कवरेज को 100 करोड़ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। साथ ही ऋण तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अधिक बैंकों को इसमें शामिल किया जा सकता है।' बुधिया पैटन समूह के प्रबंध निदेशक भी हैं। इस वर्ष देश की निर्यात संभावनाओं पर 'हाई-टेक गियर्स' के चेयरमैन दीप कपूरिया ने कहा, 'अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के साथ ही 2025 में अमेरिकी की व्यापारिक नीति में बदलाव के आसार हैं। इसमें शुल्क बढ़ने का खतरा भी शामिल है जो वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं को बाधित और प्रमुख व्यापारिक साझेदारों को प्रभावित कर सकता है।' उन्होंने कहा कि अंकटाड की ओर से व्यापार पर जारी नवीनतम मासिक जानकारी के अनुसार, व्यापार अधिशेष और उच्च शुल्क वाले देश अमेरिकी व्यापार नीति में बदलाव के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं और ट्रंप के अनुसार भारत दोनों ही स्थितियों के दायरे में आता है। कपूरिया ने कहा, 'ऐसे एकतरफा कदमों से जवाबी कार्रवाई के आसार बढ़ जाते हैं और इसके व्यापक प्रभाव पड़ते हैं जिससे वैश्विक व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। भारतीय उद्योग को अपनी व्यापार रणनीति बनाते समय वैश्विक व्यापार परिदृश्य पर इस संभावित उभरते परिदृश्य को ध्यान में रखना होगा, क्योंकि लंबे समय से जारी भू-राजनीतिक उथल-पुथल पहले से ही वैश्विक व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है।'

वित्तीय, वाहन, आईटी शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 1,436 अंक चढ़कर दो सप्ताह के उच्चस्तर पर

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को तेजी जारी रही और बीएसई सेंसेक्स 1,436 अंक उछलकर दो सप्ताह के उच्चस्तर पर पहुंच गया। वित्तीय, वाहन और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में लिवाली से बाजार बढ़त में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,436.30 अंक यानी 1.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 79,943.71 अंक पर बंद हुआ। यह एक महीने से अधिक समय में एक दिन की यह सबसे बड़ी तेजी है। कारोबार के दौरान, यह 1,525.46 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 445.75 अंक यानी 1.88 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,188.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से बजाज फिनसर्व में सर्वाधिक लगभग आठ प्रतिशत की तेजी रही जबकि बजाज फाइनेंस छह प्रतिशत से अधिक चढ़ा। इसके अलावा मारुति, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, जोमैटो, अल्ट्राटेक सीमेंट और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। सन फार्मा एकमात्र कंपनी रही, जिसमें गिरावट रही। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू बाजार में गतिविधियां तेज रहीं। इसका कारण अगले सप्ताह से कंपनियों का वित्तीय परिणाम आना है, जिसको लेकर निवेशक आशावादी हैं। तेजी चौतरफा रही। ज्यादातर क्षेत्रों के सूचकांक लाभ में रहे। वाहन क्षेत्र इसमें अगुवा रहा। इसका कारण दिसंबर महीने में बिक्री का मजबूत होना है। बैंक और आईटी शेयरों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा...।'' मझोली कंपनियों के शेयरों से जुड़ा बीएसई मिडकैप 0.89 प्रतिशत चढ़ा जबकि स्मॉलकैप सूचकांक 0.68 प्रतिशत मजबूत हुआ। देश में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह दिसंबर महीने में 7.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपये रहा है। घरेलू और निर्यात मदों में कर वापसी में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद जीएसटी संग्रह बढ़ा है। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर दिसंबर में 12 महीने के निचले स्तर 56.4 पर आ गई।

नए साल में बड़े पैमाने पर वृद्धि हासिल करने का भरोसा: महिंद्रा समूह सीईओ

नयी दिल्ली : महिंद्रा समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक अनीश शाह ने नए साल में समूह के आगे बढ़ने का भरोसा जताते हुए कहा है कि बड़े पैमाने पर वृद्धि हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। शाह ने समूह के कर्मचारियों को भेजे नए साल के अपने संदेश में कहा है कि पिछले एक साल में समूह ने अपनी वृद्धि को तेज किया है और इसके व्यवसाय महत्वाकांक्षी राह पर अग्रसर हैं और आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम बड़े पैमाने पर वृद्धि हासिल करने की अपनी आकांक्षा से प्रेरित होकर उम्मीद और विश्वास के साथ आगे देखते हैं। हम एक मकसद के साथ नेतृत्व करना जारी रखेंगे, साहसिक लक्ष्य तय करेंगे और उन्हें पाने के लिए अनुशासन एवं दृढ़ संकल्प के साथ काम करेंगे।' शाह ने वर्ष 2024 को सभी आयामों में अविश्वसनीय साल बताते हुए कहा कि इस दौरान समूह का प्रदर्शन साहसिक लक्ष्यों से भी कहीं आगे निकल गया। उन्होंने इसका श्रेय महिंद्रा की टीम को देते हुए कहा कि अपनी मौजूदगी वाले हरेक क्षेत्र में समूह सार्थक भूमिका निभा रहा है।

मारुति के शेयर में करीब छह प्रतिशत का उछाल

नयी दिल्ली : मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के शेयरों में बृहस्पतिवार को करीब छह प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इससे पहले कंपनी ने दिसंबर, 2024 में कुल थोक बिक्री में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की थी। बीएसई में कंपनी का शेयर 5.49 प्रतिशत उछलकर 11,837.55 रुपये पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 5.65 प्रतिशत बढ़कर 11,856 रुपये पर पहुंच गया था। एनएसई में यह 5.64 प्रतिशत बढ़कर 11,841.30 रुपये पर पहुंच गया। बुधवार को मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के शेयरों में तीन प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई थी।

भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति बहाल करने की संभावना तलाश रहा ईरान: अधिकारी

नयी दिल्ली : ईरान द्वारा भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति फिर से शुरू करने के तरीकों पर विचार किया जा रहा है। वह चाबहार बंदरगाह के जरिये पेट्रो-रसायन समेत समग्र कारोबार का विस्तार करने का इच्छुक है। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। ईरानी अधिकारी ने यहां संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि आगामी डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में ईरान के प्रति व्यवहार पहले कार्यकाल की तरह रहने की संभावना नहीं है क्योंकि चीन के रणनीतिक ताकत बढ़ाने के साथ वैश्विक भू-राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने पिछले कार्यकाल में ट्रंप ने ईरान पर कई प्रतिबंध लगाए थे। ईरान की अर्थव्यवस्था पर निगरानी बढ़ाने के साथ 2015 के परमाणु समझौते से अमेरिका को अलग भी कर दिया गया था। ईरानी कच्चे तेल की भारत को आपूर्ति दोबारा शुरू करने की वकालत करते हुए इस अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्षों को एक रास्ता खोजने की ज़रूरत है। अमेरिकी प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारत ने वर्ष 2019 के मध्य में ईरान से कच्चे तेल की खरीद बंद कर दी थी। अपना नाम सामने न आने की शर्त पर ईरानी अधिकारी ने कहा, 'इस मुद्दे पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है।'

भारतीय मानक ब्यूरो के 151 इस्पात मानक गुणवत्ता नियंत्रण आदेश में शामिल

नयी दिल्ली : सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के तैयार 151 इस्पात मानकों को अबतक गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) में शामिल किया गया है। देश में उपभोग वाले सभी इस्पात के लिए मानक तैयार करने को लेकर काम जारी है। इस्पात मंत्रालय ने बयान में कहा कि घटिया स्टील खेप की आपूर्ति की जांच को लेकर स्टील खेप के आयात की जांच की जाती है। सरकार इस्पात उत्पादन में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर कदम उठाती रही है। देश में इस्तेमाल होने वाले स्टील के लिए मानक तैयार करने और उन्हें गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) में शामिल करने के उपाय किए गए हैं। मानकीकरण में इस्पात उत्पादन के लिए समान विशिष्टताओं, परीक्षण विधियों और विनिर्माण प्रक्रियाओं के मानक स्थापित करना शामिल है।

भारत-ईएफटीए समझौता 2025 खत्म होने से पहले लागू होने की उम्मीद: गोयल

नयी दिल्ली : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के साल का अंत होने से पहले लागू होने की उम्मीद है। दोनों पक्षों ने 10 मार्च, 2024 को व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में भारत को समूह से 15 साल में 100 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता मिली है जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे एवं पॉलिश हीरे जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गई है। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्यों में आइसलैंड, लीशटेंस्टाइन, नॉर्वे और स्विट्ज़रलैंड शामिल हैं। गोयल ने इस समझौते के इस साल लागू होने की संभावना के बारे में पूछे गए पीटीआई-भाषा के एक सवाल पर कहा, 'हां, ईएफटीए बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है।'

सोना 330 रुपये मजबूत, चांदी में 130 रुपये की तेजी

नयी दिल्ली : आभूषण और खुदरा विक्रेताओं की सतत लिवाली के कारण बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 330 रुपये बढ़कर 79,720 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। बुधवार को सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बृहस्पतिवार को चांदी भी 130 रुपये बढ़कर 90,630 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 90,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार को 78,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के पिछले बंद से 330 रुपये बढ़कर 79,170 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

रुपये में गिरावट जारी, नौ पैसे फिसलकर 85.73 प्रति डॉलर पर आया

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजारों में जोरदार उछाल के बीच बृहस्पतिवार को आयातकों से डॉलर की मजबूत मांग आने और विदेशी कोषों की निकासी जारी रहने से रुपया डॉलर के मुकाबले नौ पैसे गिरकर 85.73 (अस्थायी) पर बंद हुआ। मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि 2024 में अधिकांश मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में तेजी रही थी और यह सिलसिला नए साल में भी जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा विदेशी कोषों की लगातार निकासी भी कारोबारी धारणा को प्रभावित कर रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोरी के साथ खुला और कारोबार के दौरान 85.68 के ऊपरी स्तर तक गया और 85.79 प्रति डॉलर के निचले स्तर तक आया। घरेलू शेयर बाजारों में तेजी के बीच रुपया कारोबार के अंत में 85.73 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट है।

न्यूज इन ब्रीफ

जम्मू-कश्मीर में लगातार पांचवें दिन बंद रहा मुगल रोड, बर्फ हटाने के प्रयास जारी

जम्मू : जम्मू-कश्मीर में 'पीर की गली' समेत ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी के कारण मुगल रोड को बृहस्पतिवार को लगातार पांचवें दिन भी वाहनों की आवाजाही के लिए बंद रखा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, जम्मू के पुंछ और दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले को जोड़ने वाला वैकल्पिक मार्ग भारी बर्फबारी के बाद 29 दिसंबर को बंद कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि यह संपर्क सड़क यातायात के लिए बंद है और क्षेत्र में ताजा बर्फबारी भी हुई है। अधिकारियों के अनुसार, दुबजान से पीर की गली तक 45 किलोमीटर की दूरी पर भारी मात्रा में बर्फ जमा है। उन्होंने बताया कि मजदूर और मशीनें सड़क से बर्फ हटाने तथा उसे वाहनों की आवाजाही के वास्ते खोलने के लिए काम कर रही हैं।

ईडी ने महाराष्ट्र में काले धन से जुड़े मामले में 8.09 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने महाराष्ट्र में काले धन से जुड़े कथित धनशोधन मामले के तहत आठ करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने बताया कि सिद्धार्थ अभय चोकशी और अभय सजनलाल चोकशी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम कुर्की आदेश जारी किया गया है। केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कुर्क की गई संपत्ति में कर-मुक्त बॉण्ड और पुणे में स्थित जमीन शामिल है, जिनकी कुल कीमत 8.09 करोड़ रुपये है। बयान के मुताबिक, धनशोधन से जुड़ा यह मामला आयकर विभाग की ओर से काला धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) अधिनियम एवं कर अधिरोपण अधिनियम-2015 के तहत दायर आरोपपत्र से संबंधित है। ईडी के अनुसार, सिद्धार्थ अभय चोकशी और अभय सजनलाल चोकशी ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स (बीवीआई) में पंजीकृत इकाई ब्लू मिस्ट इंटरनेशनल इंक के ''लाभकारी मालिक'' थे, जिसका बैंक खाता सिंगापुर में था।

पुलिस आयुक्त, एम्स सुनिश्चित करें कि पॉक्सो मामलों में बच्चों की पहचान गुप्त रखी जाए: अदालत

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने पुलिस आयुक्त और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के चिकित्सा अधीक्षक से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि यौन उत्पीड़न से पीड़ित बच्चों की पहचान किसी भी तरह से उजागर नहीं की जाए। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने पॉक्सो मामले की सुनवाई करते हुए एक बच्चे के यौन उत्पीड़न के लिए दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति की जेल की सजा को भी कम कर दिया और कहा कि अपराध का केवल प्रयास किया गया था। हालांकि, न्यायाधीश ने कहा कि जांच अधिकारी पीड़ित बच्चे की पहचान की रक्षा करने में विफल रहा। न्यायाधीश ने 23 दिसंबर 2024 को अपने आदेश में कहा, ''जांच अधिकारी चिकित्सीय जांच सहित किसी भी तरीके से पीड़ित की पहचान की रक्षा करने में विफल रहे।''

आईआईटी-गुवाहाटी ने स्तन कैंसर के उपचार के लिए इंजेक्शन से दिया जाने वाला 'हाइड्रोजेल' बनाया

नयी दिल्ली : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने स्तन कैंसर के इलाज के लिए एक उन्नत 'इंजेक्टेबल हाइड्रोजेल' विकसित किया है जिसके दुष्प्रभाव काफी कम हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आईआईटी-गुवाहाटी के शोधकर्ताओं के मुताबिक इस उन्नत इंजेक्शन के जरिये दिये जाने वाले 'हाइड्रोजेल' के दुष्प्रभाव कैंसर के पारंपरिक उपचारों से जुड़े दुष्प्रभावों की तुलना में काफी कम हैं। बोस इंस्टीट्यूट-कोलकाता के सहयोग से किए गए इस शोध को रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री की पत्रिका 'मैटेरियल्स होराइजन्स' में प्रकाशित किया गया है। आईआईटी-गुवाहाटी के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर देबप्रतिम दास ने कहा कि कैंसर दुनिया भर में लाखों रोगियों को प्रभावित कर रहा है, लेकिन कीमोथेरेपी और सर्जिकल उपचार पद्धति जैसे मौजूदा उपचारों की कड़ी सीमाएं होती हैं।

केंद्र पर निर्भर करता है कि हमारा धरना कब तक जारी रहेगा: किसान नेता

चंडीगढ़ : किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह केंद्र के हाथ में है कि उनका विरोध कब तक जारी रहेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी मांगों को स्वीकार करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए क्योंकि एक संसदीय समिति ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी देने की सिफारिश की है। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के 38वें दिन कोहाड़ ने कहा कि उनका स्वास्थ्य हर रोज बिगड़ता जा रहा है और उन्होंने किसानों के हित के लिए अपना जीवन दांव पर लगा दिया है। यह पूछे जाने पर कि खनौरी और शंभू बॉर्डर पर उनका विरोध कब तक जारी रहेगा, कोहाड़ ने संवाददाताओं से कहा, ''यह केंद्र के हाथ में है। अगर वे हमारी मांगें पूरी करते हैं...।'' उच्चतम न्यायालय द्वारा बृहस्पतिवार को यह कहे जाने पर कि कुछ किसान नेता जमीनी स्तर पर स्थिति को और अधिक जटिल बनाने के लिए मीडिया में गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं, कोहाड़ ने कहा कि उन्होंने अभी अदालत की टिप्पणियों का अवलोकन नहीं किया है। उन्होंने खनौरी में कहा, ''आज की कार्यवाही का अध्ययन करना महत्वपूर्ण है...।'' हालांकि, कोहाड़ ने कहा कि किसान नेता केवल डल्लेवाल की भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं कि केंद्र को किसानों से किए गए वादे पूरे करने चाहिए। उन्होंने कहा, ''हम हमेशा संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करते हैं।''

ओडिशा सरकार जल्द ही आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन लागू करेगी: मंत्री

भुवनेश्वर : ओडिशा सरकार जल्द ही 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम)' शुरू करने वाली है। स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। महालिंग ने कहा कि राज्य प्रशासन लोगों के लिए 'भारत डिजिटल हेल्थ अकाउंट (एबीएचए)' आईडी भी बनाएगा, ताकि देश में कहीं भी किसी व्यक्ति के मेडिकल रिकॉर्ड की जानकारी प्राप्त की जा सके। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, हम सामान्य सेवा केंद्रों पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के तहत भारत डिजिटल हेल्थ अकाउंट बनाने के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ा रहे हैं। भारत डिजिटल हेल्थ अकाउंट से नागरिक अपने चिकित्सा और स्वास्थ्य रिकॉर्ड को एक अकाउंट में संग्रहीत कर सकते हैं और अपनी विशिष्ट आईडी के माध्यम से चिकित्सा और स्वास्थ्य रिकॉर्ड के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

गुजरात: संघ प्रमुख भागवत ने धरमपुर में पशु चिकित्सा महाविद्यालय की आधारशिला रखी

वलसाड : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को गुजरात के वलसाड जिले की धरमपुर तालुका में एक पशु चिकित्सा महाविद्यालय की आधारशिला रखी और एक निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्घाटन किया। आरएसएस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, भागवत ने सबसे पहले धरमपुर में श्रीमद राजचंद्र मिशन के परिसर का दौरा किया। इस दौरान मिशन के आध्यात्मिक गुरु गुरुदेवश्री राकेशजी भी मौजूद थे। विज्ञप्ति में बताया गया कि भागवत ने पशु चिकित्सा महाविद्यालय की आधारशिला रखी और फिर धरमपुर में श्रीमद राजचंद्र अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र द्वारा आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्घाटन किया। विज्ञप्ति के मुताबिक, सभी प्रकार की बीमारियों के निदान एवं उपचार के लिए आयोजित इस चार दिवसीय शिविर में दुनिया भर से करीब 150 चिकित्सक निशुल्क सेवाएं देंगे। विज्ञप्ति में बताया गया कि भागवत ने धरमपुर के बारूमल गांव में सद्गुरुधाम का भी दौरा किया और आध्यात्मिक गुरु स्वामी विद्यानंद सरस्वती से चर्चा की।

चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित किए जाने के 15 दिन बाद 65 वर्षीय व्यक्ति घर वापस लौटा

कोल्हापुर : महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित किए जाने के 15 दिन बाद एक व्यक्ति वापस घर लौट आया। पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के कसाबा-बावड़ा निवासी पांडुरंग उल्पे को 16 दिसंबर को दिल का दौरा पड़ा और उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित किए जाने के बाद उल्पे के पड़ोसी और रिश्तेदार उनके अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। उल्पे की पत्नी ने कहा, जब हम उनके शव को अस्पताल से घर ला रहे थे, तो इस दौरान ही जब एम्बुलेंस एक स्पीड ब्रेकर से गुजरी और हमने देखा कि उनकी उंगलियों में हलचल हो रही है। एक पारिवारिक सदस्य ने बताया कि इसके बाद उन्हें दूसरे अस्पताल ले जाया गया, जहां वे एक पखवाड़े तक रहे और इस दौरान उनकी 'एंजियोप्लास्टी' हुई। उल्पे सोमवार को अस्पताल से घर वापस आ गए। घटना का सिलसिलेवार ब्यौरा देते हुए उल्पे ने कहा, मैं सैर करके घर आया था और चाय पीकर बैठा था। मुझे चक्कर आ रहा था और सांस फूल रही थी। मैं बाथरूम गया और उल्टी कर दी। मुझे याद नहीं कि उसके बाद क्या हुआ, मुझे अस्पताल कौन ले गया। उस अस्पताल की ओर से अभी तक कोई टिप्पणी नहीं आई है, जिसने उल्पे को मृत घोषित कर दिया था।

2025 रक्षा सुधारों का वर्ष होगा: डीआरडीओ उद्देश्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा : राजनाथ

नयी दिल्ली : सेना को तकनीकी रूप से उन्नत बल में बदलने के उद्देश्य से भारत द्वारा 2025 को 'रक्षा सुधारों का वर्ष' घोषित करने के एक दिन बाद, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि डीआरडीओ निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने में ''महत्वपूर्ण भूमिका'' निभाएगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सिंह ने यहां रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के मुख्यालय का दौरा किया और इसके 67वें स्थापना दिवस के मौके पर वरिष्ठ वैज्ञानिकों और विभिन्न अधिकारियों के साथ बातचीत की। उन्होंने डीआरडीओ से तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी

पारिस्थितिकी तंत्र के साथ तालमेल बैठाते हुए आगे बढ़ने और बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप उत्पाद तैयार करने का आह्वान किया। रक्षा मंत्री ने 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किए जाने पर कहा कि डीआरडीओ निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत ने बुधवार को 2025 को रक्षा सुधारों का वर्ष घोषित किया था और कहा था कि इसका उद्देश्य सेना के तीनों अंगों के बीच तालमेल बढ़ाने के लिए एकीकृत सैन्य कमान शुरू करना तथा सेना को तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार बल में बदलना है। रक्षा मंत्रालय ने जिन सुधारों की योजना बनाई है उनका व्यापक उद्देश्य रक्षा अधिग्रहण प्रक्रियाओं को सरल और समयबद्ध बनाना, प्रमुख हितधारकों के बीच गहन सहयोग सुनिश्चित करना, बाधाओं को दूर करना, अक्षमताओं को समाप्त करना और संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना है।

न्यूज अपडेट

रेलवे जीएम ने वर्किंग टाइम टेबल का किया विमोचन

जबलपुर : रेल परिचालन के सुचारु संचालन हेतु परिचालन विभाग द्वारा कार्यकारी समय सारिणी यानि वर्किंग टाइम टेबल जारी किया जाता है। ये वर्किंग टाइम टेबल सभी रेलवे स्टेशनों के स्टेशन मास्टर, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर, लोको इंस्पेक्टर, पीडब्लूआई, लेवल क्रॉसिंग एवं कंट्रोल ऑफिस के रेलकर्मचारियों के लिए उपयोगी है। इसमें सभी रेलगाड़ियों के समय-सारिणी एवं गति प्रतिबंध सहित परिचालन और रेलवे कार्यों से संबंधित अति महत्वपूर्ण जानकारियाँ उपलब्ध रहती है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों मण्डलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मण्डलों में रेलवे स्टाफ के लिए रेल परिचालन हेतु कार्यकारी समय सारिणी (वर्किंग टाइम टेबल) जारी किया गया। बुधवार 01 जनवरी 2025 को पमरे मुख्यालय में वर्किंग टाइम टेबल का विमोचन श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के कर कमलों से किया गया। विमोचन अवसर पर प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री गुरिंदर मोहन सिंह, मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक श्री विवेक कुमार, उप मुख्य परिचालन प्रबंधक (कोचिंग) श्री नवनीत राज, वरिष्ठ परिवहन प्रबंधक (कोचिंग) श्री ए. के. एस यादव, चीफ कण्ट्रोलर (टाइम टेबल) उपेंद्र प्रसाद, विवेक कुमार एवं परिचालन विभाग के रेलकर्मचारी उपस्थित थे।

नीट-यूजी परीक्षा पर विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को लागू करेंगे : केंद्र ने न्यायालय से कहा

नयी दिल्ली : केंद्र ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि वह पिछले साल राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) के आयोजन में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली की समीक्षा के बाद परीक्षा सुधारों पर अपने सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति द्वारा सुझाए गए सभी सुधारात्मक उपायों को लागू करेगा। शीर्ष अदालत ने पिछले साल दो अगस्त को विवादों से घिरे नीट-यूजी 2024 को रद्द करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि वर्तमान में रिकॉर्ड में ऐसी कोई पर्याप्त सामग्री नहीं है जो परीक्षा की शुचिता से समझौता करने वाले प्रणालीगत लीक या कदाचार का संकेत दे। शीर्ष अदालत ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन के नेतृत्व में सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति के दायरे का विस्तार किया जो एनटीए की कार्यप्रणाली की समीक्षा करेगी और नीट-यूजी को पारदर्शी एवं कदाचार मुक्त बनाने के लिए परीक्षा प्रक्रिया में संभावित सुधारों की सिफारिश करेगी। केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बृहस्पतिवार को न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ को बताया कि केंद्र द्वारा नियुक्त समिति ने अपनी रिपोर्ट दाखिल कर दी है और सरकार सभी सिफारिशों को लागू करेगी।

भाजपा दिल्ली चुनाव के लिए घोषणापत्र में पुजारियों के लिए मानदेय का वादा करे : विहिप

नयी दिल्ली : विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने बृहस्पतिवार को भाजपा से आग्रह किया कि वह आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए अपने घोषणापत्र में मंदिरों के पुजारियों के लिए मासिक मानदेय देने का संकल्प ले। यह घटनाक्रम आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के उस बयान के कुछ दिनों बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि उनकी पार्टी दोबारा सत्ता में आती है तो वह हिंदू मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18,000 रुपये मासिक भत्ता देने के लिए 'पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना' शुरू करेगी। भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को लिखे पत्र में विहिप की दिल्ली इकाई के सचिव सुरेंद्र गुप्ता ने पार्टी से आग्रह किया कि वह अपने चुनाव घोषणापत्र में आर्य समाज के शास्त्री, जैन स्थानक के अर्चक, इस्कॉन के अर्चक और अन्य जो मठों, मंदिरों या आश्रमों में भगवान की पूजा में शामिल हैं के लिए भी मासिक मानदेय की घोषणा करे। संगठन ने एक बयान में कहा, विहिप की दिल्ली इकाई के सचिव सुरेन्द्र गुप्ता ने आज दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा को पत्र लिखकर कहा कि विहिप लंबे समय से दिल्ली के सभी मंदिरों के पुजारियों व अर्चकों को मानदेय देने की मांग कर रही है।

दिल्ली में बांग्लादेशी नागरिकों को घुसपैठ कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिकों को घुसपैठ में मदद करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पड़ोसी देश के दो नागरिक शामिल हैं जो कथित तौर पर अवैध रूप से भारत में घुसे थे। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए अन्य दो लोगों पर बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में घुसपैठ कराने और दस्तावेज बनवाने में मदद करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि गिरोह के सदस्य परिवहन का प्रबंधन और भारत में उनके ठहरने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करने में मदद करते थे। पुलिस ने

फर्जी आधार, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट आवेदन और अन्य दस्तावेज भी जब्त किए हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिणी क्षेत्र) संजय कुमार जैन ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने दो बांग्लादेशी नागरिकों बिलाल हुसैन और उसकी पत्नी सपना के साथ-साथ दो भारतीय नागरिकों अमीनुर इस्लाम और आशीष मेहरा को भी पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि बिलाल हुसैन (28) 2022 में मेघालय-असम सीमा के रास्ते भारत में घुसा और अपनी पत्नी के साथ दिल्ली में रहने लगा।

उच्चतम न्यायालय ने बलात्कार और हत्या के दोषी को नाबालिग करार दिया, जेल से रिहा होगा

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को उस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया, जिसमें कहा गया था कि 2013 में उत्तर प्रदेश के फैजाबाद में 10 वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार और हत्या की वारदात के समय दोषी नाबालिग था और उसे रिहा करने का आदेश दिया। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा दोषी को दी गई आजीवन कारावास की सजा को रद्द कर दिया। इस मामले में 17 मई, 2018 को निचली अदालत ने उसे मौत की सजा सुनाई थी। इसके बाद मामले को दंड प्रक्रिया संहिता के तहत सजा की पुष्टि के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय को भेजा गया था। उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। अपीलों पर गौर करते हुए शीर्ष अदालत ने फैजाबाद स्थित किशोर न्याय बोर्ड को आरोपी की उम्र का उचित सत्यापन करने और किशोर होने के दावे पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था। बृहस्पतिवार को पीठ ने रिपोर्ट का अवलोकन किया, जिसमें कहा गया था कि रिकॉर्ड से पता चलता है कि दोषी का जन्म पांच जुलाई, 1995 को हुआ था और एक जनवरी, 2013 को अपराध की तारीख को उसकी आयु 18 वर्ष से कम थी। पीठ ने कहा, उत्तर प्रदेश राज्य के वकील ने किशोर न्याय बोर्ड द्वारा दी गई रिपोर्ट का विरोध नहीं किया है।

हरिद्वार में खड़े ट्रक से टकराई कार, हरियाणा के चार लोगों की मौत

हरिद्वार (उत्तराखंड) : हरिद्वार जिले के बहादराबाद इलाके में एक कार सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई, जिससे कार सवार हरियाणा के चार लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बहादराबाद थाने के प्रभारी निरीक्षक नरेश राठौर ने बताया कि दुर्घटना बुधवार देर रात शांतिदेव मंदिर के पास हुई, जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना में कार सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। बाद में उनमें से एक की मौत हो गई। मृतकों की पहचान केहर सिंह (35), आदित्य (38), मनीष (36) और प्रकाश (40) के रूप में हुई है। केहर, आदित्य और मनीष की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रकाश ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। राठौर ने बताया कि मृतक हरियाणा के रेवाड़ी जिले के लिसाढ़ी गांव के निवासी थे। उन्होंने बताया कि एक अन्य घायल व्यक्ति की पहचान महिपाल के रूप में हुई है, जिनका अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश में इलाज जारी है।

अधिकारी मंत्रालय में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए एआई का इस्तेमाल करें: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे दक्षिण मुंबई स्थित राज्य सचिवालय 'मंत्रालय' में कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करें। फडणवीस ने उन्हें मंत्रालय के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच के लिए एक मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा। फडणवीस ने मंत्रालय में गृह विभाग और पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक के दौरान ये निर्देश दिए। एक अधिकारी ने बताया कि फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक बैठक के दौरान 'मंत्रालय' में सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश

दिया कि वे मंत्रालय में सुरक्षा मजबूत करने के लिए एआई तकनीक का उपयोग करें तथा प्रवेश द्वार से अंदर तक के लिए ठोस (सुरक्षा) व्यवस्था विकसित करें। अधिकारी के अनुसार सरकारी कर्मचारी और अधिकारी सरकारी काम के सिलसिले में नियमित रूप से मंत्रालय से विधान भवन (पास में स्थित विधानमंडल परिसर) जाते हैं। विधानमंडल सत्र के दौरान इन दोनों स्थानों पर आगंतुकों की संख्या काफी बढ़ जाती है। फडणवीस ने इसे देखते हुए उन्हें विशेष पास जारी करने का आदेश दिया। अधिकारी ने बताया कि मंत्रालय और विधान भवन के बीच एक 'अंडरपास' (भूमिगत मार्ग) बनाने का काम जारी है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 'अंडरपास' को उन सरकारी अधिकारियों के लिए खोला जाए, जो विधान भवन में सरकारी काम के लिए जाते हैं। अधिकारी के अनुसार मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मंत्रालय के प्रत्येक तल पर सुरक्षा जाल लगाने का भी निर्देश दिया।

दिल्ली में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में झुग्गी झोपड़ी (जेजे क्लस्टर्स) के निवासियों के लिए 1,675 फ्लैटों और दो शहरी पुनर्विकास परियोजनाओं समेत कई विकास योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बृहस्पतिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पीएमओ ने कहा कि मोदी दिल्ली के अशोक विहार में स्वाभिमान अपार्टमेंट में झुग्गी झोपड़ी पुनर्वास परियोजना के तहत झुग्गी झोपड़ी में रहने वालों के लिए नवनिर्मित फ्लैटों का दौरा करेंगे और पात्र लाभार्थियों को चाबियां सौंपेंगे तथा 1,675 नवनिर्मित फ्लैटों का उद्घाटन करेंगे। पीएमओ ने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री की 'सभी के लिए आवास' पहल के अनुरूप है। परियोजना का उद्देश्य दिल्ली में जेजे क्लस्टरों के निवासियों को पर्याप्त

सुविधाओं से सुसज्जित बेहतर और स्वस्थ रिहायशी वातावरण प्रदान करना है। केंद्र सरकार द्वारा एक फ्लैट के निर्माण पर 25 लाख रुपये खर्च किए जाते हैं। पात्र लाभार्थी कुल राशि का सात प्रतिशत से कम भुगतान करते हैं, जिसमें मामूली योगदान के रूप में 1.42 लाख रुपये और रखरखाव के पांच साल के लिए 30,000 रुपये शामिल हैं। केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से विकास की इन योजनाओं को ऐसे समय में मूर्त रूप दिया जा रहा है जब राष्ट्रीय राजधानी में इसी साल फरवरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुख्य मुकाबला 2013 से सत्ता में काबिज आम आदमी पार्टी (आप) से है। आप अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। मोदी शुक्रवार को दो शहरी पुनर्विकास परियोजनाओं-नौरोजी नगर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर (डब्ल्यूटीसी) और सरोजिनी नगर में जनरल पूल आवासीय आवास (जीपीआरए) टाइप-2 क्वार्टर का भी उद्घाटन करेंगे। बयान में कहा गया है कि वर्ल्ड ट्रेड सेंटर ने 600 से अधिक जीर्ण-शीर्ण क्वार्टरों को अत्याधुनिक वाणिज्यिक टावरों में बदलकर क्षेत्र को एक नया स्वरूप दिया है। इसमें उन्नत सुविधाओं के साथ लगभग 34 लाख वर्ग फुट प्रीमियम वाणिज्यिक स्थान भी है। इस परियोजना में शून्य-निर्वहन अवधारणा, सौर ऊर्जा उत्पादन और वर्षा जल संचयन प्रणाली जैसे प्रावधानों के साथ ग्रीन बिल्डिंग प्रथाओं को शामिल किया गया है। जीपीआरए टाइप- खब क्वार्टरों में 28 टावर शामिल हैं जिनमें 2,500 से अधिक आवासीय इकाइयां हैं। इनमें आधुनिक सुविधाएं हैं और जगह के कुशल उपयोग की संभावना भी है। परियोजना के डिजाइन में वर्षा जल संचयन प्रणाली, सीवेज और जल उपचार संयंत्र, और सौर ऊर्जा संचालित अपशिष्ट कम्पेक्टर शामिल हैं जो पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन को प्रोत्साहित करते हैं। मोदी द्वारका में करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से बने सीबीएसई के एकीकृत कार्यालय परिसर का भी उद्घाटन करेंगे। इसमें कार्यालय, सभागार, उन्नत डेटा सेंटर और व्यापक जल प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं।

भारत में पांच प्रतिशत महिलाएं गर्भाशय निकलवाने संबंधी आपरेशन करा चुकी हैं : आंकड़े

नयी दिल्ली : भारत में लगभग पांच प्रतिशत महिलाएं हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय निकालने की शल्यक्रिया) करा चुकी हैं। यह शल्यक्रिया कराने वाली महिलाओं में मासिक धर्म के दौरान भारी रक्तस्राव सबसे आम समस्या रही। यह जानकारी वर्ष 2015-16 के दौरान एकत्रित आंकड़ों के विश्लेषण से मिली। अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, मुंबई और राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नयी दिल्ली के शोधकर्ताओं ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के चौथे दौर के दौरान एकत्र किए गए 25-49 वर्ष की आयु की 4.5 लाख से अधिक ग्रामीण और शहरी महिलाओं के आंकड़ों का विश्लेषण किया। 'जर्नल ऑफ मेडिकल एविडेंस' में प्रकाशित अध्ययन से पता चला है कि ''25-49 वर्ष की आयु की महिलाओं में हिस्टेरेक्टॉमी का प्रचलन 4.8 प्रतिशत है, जो दर्शाता है कि 25-49 वर्ष की आयु की प्रत्येक 100 भारतीय महिलाओं में से लगभग पांच ने हिस्टेरेक्टॉमी करायी।'' इसमें यह भी पाया गया कि कृषि क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं में अन्य व्यवसायों में काम करने वाली महिलाओं की तुलना में इस शल्यक्रिया से गुजरने की संभावना 32 प्रतिशत अधिक थी। इसके अलावा, अध्ययन के लेखकों ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और बिहार जैसे राज्यों में हिस्टेरेक्टॉमी की दरें अधिक पाईं। उन्होंने कहा कि ''ये राज्य भारत में अनावश्यक हिस्टेरेक्टॉमी के लिए बहस का केंद्र रहे हैं।'' उन्होंने बिहार, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में गर्भाशय-निकालने की सर्जरी की उच्च संख्या, विशेष रूप से निम्न आय वाली महिलाओं में, और आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में प्रजनन आयु की महिलाओं के बीच उच्च स्तर के स्वास्थ्य बीमा कवरेज की पिछली रिपोर्ट का हवाला दिया। अध्ययन के लेखकों ने कहा कि पिछले अध्ययनों से पता चला है कि मासिक धर्म से संबंधित वर्जनाएं, स्त्री रोग संबंधी मुद्दों की अनभिज्ञता तथा अस्वास्थ्यकर यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य प्रथा जैसे कारक यह बता सकते हैं कि इन राज्यों में हिस्टेरेक्टॉमी की दर अधिक क्यों है। अन्य स्पष्टीकरण जिनका विश्लेषण किया गया उनमें मासिक धर्म के दर्द से बचना, कैंसर होने का भय, तथा प्रसव के बाद गर्भाशय को निकाले जाने योग्य अंग के रूप में देखना शामिल है। शोधकर्ताओं ने पाया कि भारत भर में लगभग दो-तिहाई गर्भाशय निकलवाने संबंधी सर्जरी निजी क्लीनिक या अस्पतालों में की गई, जिससे पता चलता है कि इस बढ़ती प्रवृत्ति के पीछे लाभ कमाने की मंशा भी कारक हो सकती है।

न्यूज इन ब्रीफ

भारतीय महिला टीम ने दूसरे मैत्री मैच में मालदीव को 11-1 से शिकस्त दी

बेंगलुरु : पदार्पण में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फॉरवर्ड लिंगडेकिम ने चार गोल दागे जिसकी बदौलत भारतीय महिला टीम ने बृहस्पतिवार को यहां दूसरे फीफा मैत्री मुकाबले में मालदीव पर 11-1 से शानदार जीत दर्ज की। पहले मैच में मेजबान टीम ने प्रतिद्वंद्वी टीम को 14-0 से रौंद दिया था। लिंगडेकिम ने (12वें, 16वें, 56वें और 59वें मिनट) प्रत्येक हाफ में दो दो गोल किये जबकि मुकाबले में पदार्पण करने वाली एन सिबानी देवी ने (45+1वें मिनट) भी एक गोल किया। मैच में अन्य गोल काजोल डिसूजा (15वें मिनट), पूजा (41वें मिनट), सिमरन गुरुंग (62वें और 68वें मिनट) और खुमुकचाम भूमिका देवी (71वें मिनट) ने दागे। मालदीव के लिए एकमात्र गोल मरियम रिफा ने 27वें मिनट में किया। मालदीव की कप्तान हवा हनीफा ने 17वें मिनट में आत्मघाती गोल कर भारतीय गोल में इजाफा किया।

कमर में जकड़न के कारण आकाश दीप आखिरी टेस्ट से बाहर

सिडनी : भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप कमर में जकड़न के कारण शुक्रवार से आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रहे पांचवें और आखिरी टेस्ट से बाहर हो गए। आकाश ने ब्रिसबेन और मेलबर्न में दो टेस्ट खेलकर पांच विकेट लिये हैं। वह बदकिस्मत रहे कि उनकी गेंदबाजी के दौरान दोनों मैचों में कैच छूटे। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'आकाश दीप कमर की तकलीफ के कारण बाहर है।' गंभीर ने कहा कि अंतिम एकादश पिच को देखने के बाद तय की जायेगी। आकाश दीप ने दो टेस्ट में 87 . 5 ओवर फेंके और अधिक कार्यभार भी उनकी चोट का कारण हो सकता है। आस्ट्रेलियाई मैदानों पर तेज गेंदबाजों को घुटने, टखने और कमर के मसले आते हैं।

आस्ट्रेलिया की नजरें सिडनी टेस्ट जीतने पर, कमिंस ने कहा ऊर्जा में कोई कमी नहीं आयेगी

सिडनी : आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि श्रृंखला में 2-1 से बढत बनाने के बावजूद भारत के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी मैच में उनकी टीम की ऊर्जा में कोई कमी नहीं आयेगी। आस्ट्रेलिया ने बॉक्सिंग डे टेस्ट 184 रन से जीतकर 2014-15 के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने की ओर कदम बढा दिया है। कमिंस ने कहा, 'श्रृंखला में आगे होना अच्छा रहता है। आप हर टेस्ट मैच जीत के इरादे से ही खेलते हैं और यहां भी कुछ अलग नहीं है।' उन्होंने कहा, 'पिछले तीन टेस्ट में टीम के प्रदर्शन से मैं बहुत खुश हूं। हमने दिखा दिया कि हम जीत के प्रबल दावेदार हैं और इस सप्ताह भी हमारा लक्ष्य जीतना ही है।' उन्होंने स्वीकार किया कि टीम के सामने कुछ मसले हैं। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि कुछ मौकों पर हम और रन बनाना चाहते थे। मेलबर्न में पिछले टेस्ट में हमें 400-500 रन की बढत लेनी चाहिये थी। हम इतनी अच्छी स्थिति में थे। लेकिन यही टेस्ट क्रिकेट है।' कमिंस ने कहा कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की पिच पारंपरिक पिच से अलग है जिस पर स्पिनरों और बल्लेबाजों को मदद मिलती है। उन्होंने कहा, 'यह एससीजी की पारंपरिक पिच से अलग है। इस साल यहां शेफील्ड शील्ड के दो मैच अच्छे रहे और टीमें विकेट से खुश थीं। इससे गेंदबाजों को मदद मिलेगी और बल्लेबाज भी रन बना सकेंगे। कुछ समय इस पर बल्लेबाजी आसान होगी तो आखिर में यह स्पिनरों की मददगार रहेगी। मैने यहां कुछ टेस्ट खेले हैं लेकिन बाकी वनडे ही खेले हैं तो मैं कोई विशेषज्ञ नहीं हूं।' आस्ट्रेलिया के लिये कड़ी चुनौती बने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बारे में उन्होंने कहा, 'वह बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहा है। उसका सामना करना कठिन है।' उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि जब मैं बल्लेबाजी के लिये उतरूंगा तब शाम होगी और वह काफी गेंदबाजी कर चुका होगा जिससे मेरे लिये आसानी होगी। मैने अलग अलग प्रारूपों में उसका सामना किया है लेकिन उसका सामना करना कठिन है।'

रोहित पर गिर सकती है गाज, मुख्य कोच गंभीर ने कप्तान की अंतिम एकादश में जगह की नहीं की पुष्टि

सिडनी : सवाल सरल था। क्या रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में खेलेंगे? क्या रोहित की जगह सुरक्षित है, इस सवाल पर जवाब 'हां' होना चाहिए था लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर का मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाता सम्मेलन पर जवाब था, 'हम पिच को देखने के बाद अंतिम एकादश पर फैसला करेंगे।' गंभीर के इस अस्पष्ट जवाब ने उन अटकलों को और हवा दी जिनके अनुसार कप्तान रोहित शर्मा की खराब फॉर्म के कारण अंतिम एकादश में जगह पक्की नहीं है। कुछ ही घंटों में यह बात लगभग पक्की हो गई कि 37 वर्षीय रोहित ऐसे पहले भारतीय कप्तान बनने वाले हैं जिन्हें खराब फॉर्म के कारण हटाया जाएगा। और यह सब एक पंक्ति के जवाब से शुरू हुआ। गंभीर के जवाब से यह लगभग स्पष्ट हो जाता है कि रोहित ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में अपना अंतिम मैच खेल चुके हैं। वह अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट मैच में भी नहीं खेल पाए थे। रोहित जब से ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं तभी से वह अतिरिक्त उछाल और सीम मूवमेंट का सामना नहीं कर पाने के अलावा अपनी कप्तानी को लेकर आलोचना झेल रहे हैं। अब जबकि भारतीय टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा खत्म होने की तरफ बढ़ रहा है तब एक टेस्ट क्रिकेटर के रूप में रोहित का करियर निराशाजनक अंत की तरफ बढ़ रहा है। मेलबर्न की तरह ही यहां रोहित नेट्स पर अभ्यास के लिये आखिर में उतरे। अगर उन्हें बाहर किया जाता है तो इसके जिम्मेदार वह स्वयं होंगे क्योंकि अभी तक वह पांच पारियों में केवल 31 रन बना पाए हैं।

मैच की पूर्वसंध्या पर गंभीर और रोहित ने एक दूसरे को अनदेखा किया

सिडनी : लगभग डेढ़ बजे का समय था जब भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर जसप्रीत बुमराह को साथ लेकर सिडनी क्रिकेट मैदान की बीच वाली पिच की ओर बढ़े। कुछ मिनट बाद रोहित शर्मा भी दोनों के साथ शामिल हो गए, लेकिन मुख्य कोच और कप्तान के बीच शायद ही कोई संवाद हुआ। इसके बाद गंभीर मैच पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में पहुंचे (आमतौर पर कप्तान इसमें शामिल होते हैं)। फिर उन्होंने पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए अंतिम एकादश में रोहित की जगह की पुष्टि नहीं करने का फैसला किया। टीम में रोहित की जगह के बारे में पूछे जाने पर गंभीर ने कहा, 'हम पिच को देखेंगे और फैसला करेंगे।' मीडिया से बातचीत में गंभीर ने 'ईमानदारी' और 'भारतीय ड्रेसिंग रूम में बने रहने के लिए प्रदर्शन ही एकमात्र मानदंड' के बारे में भी बात की। इसके तुरंत बाद उन्हें बुमराह के साथ बातचीत करते हुए देखा गया जबकि उनके बाकी साथी 'वार्म अप' कर रहे थे।

मनु, गुकेश, हरमनप्रीत, प्रवीण को खेल रत्न, 32 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार

नयी दिल्ली : दो ओलंपिक पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर, शतरंज विश्व चैम्पियन डी गुकेश समेत चार खिलाड़ियों को इस साल देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार के लिये चुना गया है जबकि अर्जुन पुरस्कार के लिये चुने गए 32 खिलाड़ियों में रिकॉर्ड 17 पैरा एथलीट हैं। खेलरत्न पुरस्कार पाने वालों में पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार भी शामिल हैं। विजेताओं को 17 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन में एक विशेष कार्यक्रम में पुरस्कार प्रदान करेंगी। बाईस वर्ष की मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनी जिन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। यह घोषणा उन खबरों के कुछ दिन बाद आई जिनमें कहा गया था कि आवेदन नहीं करने के कारण पुरस्कार चयन समिति ने मनु के नाम की खेलरत्न के लिये अनुशंसा नहीं की है। बाद में मनु ने स्वीकार किया कि नामांकन भरते समय शायद उनसे ही चूक हुई थी। मसला सुलझने के बाद मनु को पुरस्कार मिलने को लेकर कोई शक नहीं था। पेरिस ओलंपिक में ही हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने लगातार दूसरे ओलंपिक में पदक जीता। अठारह वर्ष के गुकेश सबसे युवा विश्व चैम्पियन बने जो पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक में भी सूत्रधार रहे थे। पैरा हाई जंपर प्रवीण ने पेरिस पैरालम्पिक में टी64 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। यह उन खिलाड़ियों की श्रेणी है जिनका घुटने से नीचे एक या दोनों पैर नहीं होता है और वे दौड़ने के लिये कृत्रिम पैर पर निर्भर होते हैं। खेल

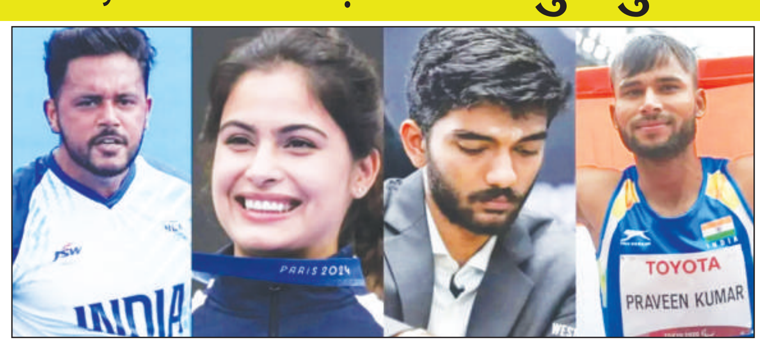

रत्न पुरस्कार पाने वाले को एक मेडल, प्रशस्ति पत्र और 25 लाख रूपये नकद मिलते हैं जबकि अर्जुन पुरस्कार में 15 लाख रूपये नकद, अर्जुन की मूर्ति और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। इस साल अर्जुन पुरस्कार के लिये चुने गए खिलाड़ियों में पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान अमन सहरावत, निशानेबाज स्वप्निल कुसाले और सरबजोत सिंह, पुरूष हॉकी खिलाड़ी जरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, संजय और अभिषेक शामिल हैं। पैरालम्पिक में सात स्वर्ण और नौ रजत जीतने वाले पैरा खिलाड़ियों का अर्जुन पुरस्कारों में दबदबा रहा।

न्यूज अपडेट

श्रीलंका ने तीसरा टी20 जीता ,श्रृंखला 2 . 1 से न्यूजीलैंड के नाम

नेलसन (न्यूजीलैंड): कुसल परेरा ने टी20 क्रिकेट में श्रीलंका के लिये सबसे तेज शतक लगाकर तीन मैचों की श्रृंखला के आखिरी मैच में अपनी टीम को न्यूजीलैंड पर सात रन से जीत दिलाई। परेरा के 44 गेंद में शतक और कप्तान चरित असालांका के साथ शतकीय साझेदारी की मदद से श्रीलंका ने पांच विकेट पर 218 रन बनाये जो टी20 में उसका दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। इससे पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। न्यूजीलैंड ने पहला मैच आठ रन से और दूसरा 45 रन से जीता था। न्यूजीलैंड की टीम सात विकेट पर 211 रन ही बना सकी जिसमें रचिन रविंद्र ने 39 गेंद में 69 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की शुरूआत बहुत अच्छी रही और पावरप्ले के छह ओवरों में बिना किसी नुकसान के 60 रन बने। असालांका ने रविंद्र, मार्क चैपमैन (नौ) और ग्लेन फिलिप्स (छह) को आउट किया। असालांका ने 25 रन देकर तीन विकेट लिये थे लेकिन डेरिल मिचेल ने उनके आखिरी ओवर में लगातार चार छक्के लगाकर उनका औसत बिगाड़ दिया। वानिंदु हसरंगा ने मिचेल हे (आठ) और माइकल ब्रासवेल (1) को 16वें ओवर में पवेलियन भेजा। न्यूजीलैंड को आखिरी ओवर में 22 रन की जरूरत थी। पहली तीन गेंद पर छह रन लेने के बाद जाक फोक्स ने चौथी गेंद पर छक्का लगाया। आखिरी दो गेंद पर न्यूजीलैंड को 10 रन की जरूरत थी लेकिन उसके बल्लेबाज तीन रन ही बना सके।

गौतम अदाणी ने विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश से की मुलाकात

नयी दिल्ली : उद्योगपति गौतम अदाणी ने विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश से अहमदाबाद में मुलाकात की और उन्हें भारत के अजेय युवाओं की एक मिसाल बताया है। अठारह वर्ष के शतरंज खिलाड़ी गुकेश पिछले साल चीन के डिंग लीरेन को हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने हैं। वह शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक में भी सूत्रधार रहे थे। अदाणी से मुलाकात के समय गुकेश के माता-पिता भी उनके साथ रहे। अदाणी समूह के प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश से मिलना और उनकी विजय गाथा सुनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। उनके माता-पिता डॉ. रजनीकांत और डॉ. पद्मावती से मिलना भी उतना ही प्रेरणादायक रहा जिनके 'बलिदान' ने उनकी सफलता की नींव रखी।' उन्होंने कहा, 'महज 18 साल की उम्र में गुकेश की शालीनता तथा प्रतिभा भारत के अजेय युवाओं का प्रमाण है। उनके जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी नई पीढ़ी को प्रेरित कर रहे हैं। साथ ही चैंपियनों की ऐसी सेना बना रहे हैं जो दशकों तक वैश्विक शतरंज पर हावी रहेगी। यह आत्मविश्वास से भरा, पुनरुत्थानशील और उभरता हुआ भारत है। जय हिंद।' गुकेश उन चार खिलाड़ियों की सूची में भी शामिल हैं जिन्हें सरकार ने देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने का फैसला किया।

ॐ
कोलकाता वस्त्र व्यवसायी सेवा ट्रस्ट
ॐ OM BHAWAN, GANGASAGAR
श्री कपिल मुनि चेरिट्रेबल ट्रस्ट
गंगासागर भवन
गंगासागर गौशाला सेवा धाम

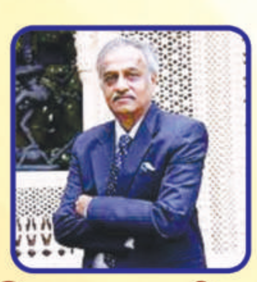

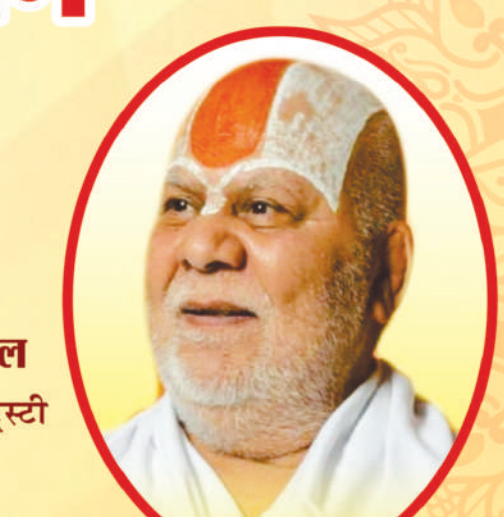

श्री आनन्दकुमार अग्रवाल (चांद बाबू) — मेला संयोजक एवं वरिष्ठ ट्रस्टी
श्री अरूण पोदार — चेयरमैन
श्री विश्वनाथ जी चौधरी — वरिष्ठ ट्रस्टी
श्री विश्वनाथ जी अग्रवाल — सह मेला संयोजक एवं वरिष्ठ ट्रस्टी

श्री संत 1008 कपिल मुनि मंदिर के महंत
श्री ज्ञान दास जी महाराज जी
के सानिध्य में

ॐ भवन में बेंक्वेट हॉल (ग्राउण्ड फ्लोर) का उद्घाटन संस्था के वरिष्ठ ट्रस्टी श्री आनन्द कुमार जी अग्रवाल (चांद बाबू) सपरिवार 03.01.2025 शुक्रवार को सायं 4:00 बजे करेंगे, साथ में उपस्थित रहेंगे बनवारी लाल जी शर्मा (सोती), सत्यभामा जी शर्मा, त्रिलोचन जी शर्मा, विशाखा जी शर्मा, सुलोचना अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, गौरांगी अग्रवाल, आर्यमान अग्रवाल, दिव्या अग्रवाल, कुशाग्र अगवाल, आदित्य बाजोरिया, रोहित बाजोरिया, शारदा काजरिया, राजेन्द्र पोदार, विधिता खैतान, सुलोचना भुवालका, स्वाती भुवालका, विदुशी मानकशिया, श्री मुकेश सेठ, विकास जी अग्रवाल (ट्रस्टी), ललित जी बेरीवाल, चंद्रशेखर जी सराफ, प्रेम प्रकाश जी सुल्तानिया, दिलीप कुमार जी मोदी, सत्यनारायण जी राठी, रामस्वरूप जी खरोडिया, नथमल जी भीमसरिया

अध्यक्ष — श्री रामनिवास जिंदल
उपाध्यक्ष — श्री हर्षद भाई मेहता
महासचिव — श्री ओमप्रकाश अग्रवाल
कोषाध्यक्ष — श्री पप्पू भाई खारा
सह कोषाध्यक्ष — श्री संजय लोहारीवाला
संयुक्त सचिव — श्री सत्यनारायण ढाणेवाल

सौजन्य:- Payal Dyeing & Printing Mills Pvt. Ltd. | RSG Radhey Shyam Group | Anmol | SHRIRAM | MAHAVIR ENTERPRISES Narayan Ji Agarwal | सर्वोदय INNER WEAR SINCE - 1963 | DHANANJAI LIFESTYLE LTD.

वर्ष 9, पूर्णांक 4108 अंक 258, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in